20 सितंबर 2025
शनिवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

दियारा में पुलिस-तस्कर भिड़ंत, दोनों तरफ से हुई फायरिंग, कोई हताहत नहीं

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

शराब घोटाले में सरकार को 4000 करोड़ की चपत

- सोना या नकदी के रूप में ली रिश्वत, चुनाव में लगी काली कमाई

एजेंसी/हैदराबाद

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने आंध्र प्रदेश शराब घोटाले के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत को हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, तंजावुर, सूरत, रायपुर, दिल्ली एनसीआर और आंध्र प्रदेश में बीस स्थानों पर छापेमारी की है। यह मामला आंध्र प्रदेश में शराब घोटाले से जुड़ा है। इसमें सरकारी खजाने को 4000 करोड़ की चपत लगाई गई। आरोपियों को सोना-नकदी के रूप में रिश्वत दी गई। ईडी ने सरकारी खजाने को 4000 करोड़ रुपये के नुकसान के लिए आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत आंध्र प्रदेश सीआईडी द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी। इस वर्ष पांच फरवरी को, आंध्र प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि अक्टूबर 2019 से मार्च 2024 तक की नई शराब नीति के तहत, इस केस के आरोपी ब्रांड किलिंग और नए ब्रांड प्रमोशन में लिप्त रहे। खरीद प्रणाली स्वचालित से मैन्युअल में बदली गई। इसमें उन लोकप्रिय शराब ब्रांडों (जैसे मैकडॉवेल्स, रॉयल स्टैग, इंपीरियल ब्लू, आदि) को दरकिनार करना शामिल था, जिन्होंने रिश्वत देने से इनकार कर दिया था। इसके बजाय डिस्टिलरी और आपूर्तिकताओं से भारी भुगतान के बदले नए या नकली ब्रांडों को बढ़ावा दिया गया। खरीद प्रणाली को स्वचालित से मैन्युअल में बदल दिया गया, जिससे ऑर्डर फॉर सप्लाई (ओएफएस) में हेराफेरी की गुंजाइश बन गई। ईडी के मुताबिक, हालांकि, ये लेन-देन फर्जी पाए गए और इन निधियों के प्राप्तकर्ता या तो अस्तित्वहीन, फर्जी संस्थाएं या असंबंधित व्यक्ति-संस्थाएं थीं। कई मामलों में, जहां संस्थाएं उनके व्यवसाय से संबंधित थीं, उनके लेन-देन बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए। आपूर्तिकताओं द्वारा सोना-नकदी प्राप्त करने के लिए जौहरियों को भी धनराशि हस्तांतरित की गई, जिसे रिश्वत के रूप में आरोपी व्यक्तियों को सौंप दिया गया। इस प्रकार, व्यापारिक लेनदेन की आड़ में धन की हेराफेरी करने के लिए फर्जी-बढ़ा-चढ़ाकर किए गए लेनदेन का उपयोग किया गया, जिससे आरोपी व्यक्तियों को रिश्वत के रूप में अवैध धन का सृजन और संचलन आसान हो गया।

आपूर्ति मात्रा में हेरफेर करने की बात

एसआईटी ने आरोपपत्र और पूरक आरोपपत्र दायर किए हैं, जिनमें अन्य बातों के अलावा, स्वचालित प्रणाली की जगह मैन्युअल अनुमोदन प्रणाली अपनाने, ब्रांड-वार इंडेंटिंग और आपूर्ति मात्रा में हेरफेर करने की बात सामने आई है। चुनिंदा डिस्टिलरी और मार्केटिंग फर्मों को लाभ पहुंचाने, आपूर्तिकताओं को उनके इनवॉइस मूल्य का 15-20 प्रतिशत रिश्वत के रूप में देने के लिए मजबूर करने, ऐसा न करने पर उनके ब्रांडों को दबा देने या सूची से हटा देने की कार्रवाई की गई।

आपूर्तिकताओं को दबाने का आरोप

धन के प्रवाह को नियंत्रित करने और बढ़े हुए ओएफएस (ऑफिस) की मात्रा सुनिश्चित करने के लिए छद्म डिस्टिलरी बनाने, ब्रांड अनुमोदन में मदद करने वाले प्रमुख अधिकारियों की नियुक्ति, पात्रता मानदंडों में हेरफेर और असहमत आपूर्तिकताओं को दबाने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में दायर किए गए आरोप पत्रों में यह भी कहा गया है कि खरीद में हेराफेरी, फर्जी विक्रेता भुगतान, फर्जी कंपनियों के माध्यम से रिश्वत जुटाई गई और उसका इस्तेमाल चुनावी उद्देश्यों, निजी लाभ और विदेशों में धन हस्तांतरण के लिए किया गया था।

सेवाओं की आपूर्ति के बहाने अलग-अलग जगहों पर भेजे गए पैसे

ईडी की जांच से पता चला है कि कुछ आरोपियों ने जानबूझकर स्थापित ब्रांडों के लिए ऑर्डर देने से रोका। डिस्टिलरीज के देय वैध भुगतान रोके रखे गए। डिस्टिलरीज पर अनावश्यक दबाव डाला गया। ओएफएस के बदले अवैध भुगतान/रिश्वत की मांग की गई। ईडी द्वारा की गई मनी ट्रेल जांच से पता चला कि आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीएसबीसीएल) द्वारा आपूर्तिकताओं को दिए गए भुगतान का एक हिस्सा माल या सेवाओं की आपूर्ति के बहाने विभिन्न संस्थाओं को हस्तांतरित किया गया था।

सीमा शुल्क विभाग ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर की बड़ी कार्रवाई

मुंबई एयरपोर्ट पर 20 करोड़ का गांजा जब्त

एजेंसी/मुंबई

सीमा शुल्क विभाग ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए हाइड्रोपोनिक गांजा और विदेशी मुद्रा जब्त की है। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तीन अलग-अलग मामलों में यह कार्रवाई की गई। पहले मामले में बैंकॉक जाने वाले एक यात्री को रोका गया और उसके ट्रॉली बैग से 26.37 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा बरामद हुई। वहीं, अन्य दो मामलों में बैंकॉक से आए यात्रियों के सामान की जांच में कुल 20.06 करोड़ रुपये मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा मिला। अधिकारियों के अनुसार, पहले यात्री से 9.98 किलो और दूसरे से 10.08 किलो गांजा बरामद हुआ। दोनों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। मुंबई सीमा शुल्क विभाग ने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर तीन अलग-अलग मामलों में 20 करोड़ रुपये मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा और 26.37 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा जब्त की है। पहले मामले में, मुंबई से बैंकॉक जा रहे एक यात्री को रोका गया और उसके चेक-इन ट्रॉली बैग में छिपाई गई विदेशी मुद्रा बरामद की गई। अधिकारी ने बताया कि अन्य दो मामलों में बैंकॉक से आए दो यात्रियों के सामान की तलाशी ली गई, जिसमें 20.062 करोड़ रुपये मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा (मारिजुआना का एक प्रकार) जब्त किया गया। पहले यात्री से 9.98 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया गया तथा दूसरे यात्री से 10.08 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त की गई। अधिकारी ने बताया कि दोनों यात्रियों को स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर 3.38 किलोग्राम सोना जब्त

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने हैदराबाद एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के प्रयासों को नाकाम किया है। उन्होंने कुवैत से आए यात्रियों से 3.38 किलोग्राम सोना जब्त और तीन लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि 22 अगस्त को एयरपोर्ट पर दो संदिग्ध बैग दिखे, जिसे लेने कोई नहीं आया। सीसीटीवी फुटेज देखकर पता चला कि यात्रियों ने जानबूझकर बैग छोड़े थे। एक बैग में 1,261.800 ग्राम सोना मिला, जिसे जब्त किया गया। बैग वाले यात्री का पता आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में चला। 16 सितंबर को हैदराबाद जाते समय उसे पकड़ लिया। उसने हैंडलर की जानकारी दी, जिसने उसे कुवैत में सामान दिया था। 17 सितंबर को हैंडलर भारत आया और आंध्र प्रदेश से हैदराबाद जाते समय उसे गिरफ्तार किया गया। डीआरआई ने बताया कि दोनों ने तस्करी में संलिप्तता स्वीकार की। दूसरे बैग की जांच में 2.11 करोड़ का 2,117.800 ग्राम सोना मिला। संबंधित यात्री का पता आंध्र प्रदेश में लगाया गया और 17 सितंबर को उसे पकड़ लिया। अधिकारी के अनुसार, कुल 3,379.600 ग्राम सोना जब्त किया, जिसकी कीमत 3.36 करोड़ रुपये है। तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। डीआरआई हैदराबाद जोनल यूनिट को मिली गुप्त सूचना के आधार पर 22 अगस्त को एयरपोर्ट पर निगरानी रखी गई थी। इस दौरान कुवैत से आए यात्रियों का दो संदिग्ध सामान नजर में आया, जिसे लेने कोई नहीं आया। सीसीटीवी फुटेज से स्पष्ट हुआ कि यात्रियों ने जानबूझकर बैग छोड़ दिए थे। जांच में एक बैग से 1261.800 ग्राम सोना (करीब 1.25 करोड़ रुपये) बरामद हुआ। इसके बाद छोड़े गए बैग से जुड़े यात्री को आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में ट्रैक किया गया और 16 सितम्बर को हैदराबाद लौटते समय गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि कुवैत में एक हैंडलर ने उसे बैग सौंपा था और एयरपोर्ट पर छोड़ने का निर्देश दिया था। जांच में पता चला कि वह हैंडलर भी भारत लौट चुका है और कडप्पा से हैदराबाद आ रहा है।

मणिपुर में असम राइफल्स पर हमला, 2 जवान शहीद, आतंकवादियों ने काफिले पर की फायरिंग

एजेंसी/इंफाल

बंदूकधारियों के एक समूह ने उस वाहन पर घात लगाकर हमला किया है। जिससे असम राइफल्स के जवान इंफाल से बिष्णुपुर जिले की ओर जा रहे थे। हमले में दो जवान की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार मणिपुर में एक बार फिर अर्धसैनिक बल को निशाना बनाया गया है। बिष्णुपुर जिले में हथियारबंद लोगों के एक समूह ने शुक्रवार शाम असम राइफल्स के वाहन पर हमला कर दिया। इस घटना में असम राइफल्स के दो जवानों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना जिले के नांबोल सबल लेइकाई इलाके में शाम करीब छह बजे हुई। एक अधिकारी ने बताया, ह्लबंदूकधारियों के एक समूह ने उस वाहन पर घात लगाकर हमला किया, जिससे असम राइफल्स के जवान इंफाल से बिष्णुपुर जिले की ओर जा रहे थे। हमले में 2 जवान की मौत हो गई और 2 अन्य घायल हो गए।ह्वएक अन्य अधिकारी ने बताया कि घायल जवानों को पुलिस और स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद, वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी इलाके में पहुंची और हमलावरों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि भारी हथियारों से लैस हमलावरों ने असम राइफल्स के जवानों को इंफाल से बिष्णुपुर ले जा रहे वाहन पर गोलीबारी की। अचानक हुए हमले में दो जवानों की मौके पर ही शहीद हो गए, जबकि पांच अन्य गोली लगने से घायल हो गए।

मुंबई से फुकेट जा रही इंडिगो फ्लाइट में बम थ्रेट, चेन्नई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी/चेन्नई

इंडिगो की मुंबई से फुकेट जाने वाली फ्लाइट 6ए 1089 को शुक्रवार को बम की धमकी मिली। ये धमकी फ्लाइट के टॉयलेट में एक चिट्ठी पर लिखी थी। धमकी मिलने के बाद फ्लाइट की चेन्नई में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इंडिगो का यह एयरबस A320 गुरुवार दोपहर 3:33 बजे मुंबई से रवाना हुआ था। जब फ्लाइट बंगाल की खाड़ी के था, तभी धमकी की चिट्ठी मिली। पायलट ने तुरंत फ्लाइट को चेन्नई डायवर्ट किया। शाम 7:16 बजे चेन्नई एयरपोर्ट पर सेफ लैंडिंग हुई। फ्लाइट की चेन्नई में जांच की गई। फुकेट एयरपोर्ट में नाइट कर्फ्यू है, इस कारण यह फ्लाइट अब देर रात या शनिवार सुबह जा सकती है इसी साल जून में थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की फ्लाइट AI-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी। यहां प्लेन में बम होने की सूचना मिली थी। विमान में 156 लोग सवार थे। फ्लाइट फुकेट से दिल्ली आ रही थी। एअर इंडिया की फ्लाइट ने फुकेट एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे (स्थानीय समयानुसार दोपहर 2.30 बजे) टेकऑफ किया था। विमान अंडमान सागर के ऊपर एक बड़ा चक्कर लगाते हुए पलटा और करीब 20 मिनट बाद फुकेट में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिग कराई गई थी।

जिला प्रशासन के जरिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई

गयाजी पहुंचे प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी, पितरों का किया पिंडदान

- तीन प्रमुख स्थलों पर अनुष्ठान

एजेंसी/गयाजी

उद्योगपति मुकेश अंबानी ने गयाजी के विष्णुपद मंदिर परिसर में पिंडदान किया। इसके बाद उन्होंने फल्गु नदी में तर्पण भी किया। मोक्ष और ज्ञान की भूमि गयाजी में देश के प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी शुक्रवार को विशेष विमान से गया अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट से सीधे वो विष्णुपद मंदिर गए और विष्णुपद मंदिर में अपने पुर्वजों का पिंडदान किया। इस दौरान जिला प्रशासन के जरिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पिंडदान के लिए मंदिर परिसर में ही घेरा बनाया गया है। मुकेश अंबानी ने अपने बेटे अनंत अंबानी के साथ विष्णुपद मंदिर परिसर में ही पिंडदान किया। इसके बाद फल्गु नदी में तर्पण किया। गयापाल पुरोहित सह श्रीविष्णुपद प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष शंभू लाल विट्ठल ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ कर्मकांड संपन्न कराया। मोक्ष और ज्ञान की भूमि गयाजी में देश के प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी शुक्रवार को विशेष विमान से गया अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे. एयरपोर्ट से सीधे वो विष्णुपद मंदिर गए और विष्णुपद मंदिर में अपने पुर्वजों का पिंडदान किया। इस दौरान जिला प्रशासन के जरिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी. पिंडदान के लिए मंदिर परिसर में ही घेरा बनाया गया है। अंबानी परिवार को गया इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीधे विष्णुपद मंदिर ले जाया गया। रास्ते में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर में पहुंचते ही स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन भी स्वीकार किया। सूत्रों के मुताबिक अंबानी ने गयाजी की परंपरा के अनुरूप तीन स्थानों फल्गु नदी तट, विष्णुपद मंदिर और अक्षयवट पर पिंडदान किया।

शिक्षा और जागरूकता का संदेश लेकर डुमरी के छात्रों ने निकाली प्रभातफेरी

केटी न्यूज/सिमरी

डुमरी केपी प्लस टू विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने गुरुवार को शिक्षा और सामाजिक जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से प्रभातफेरी निकाली। प्रभातफेरी विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर डुमरी बाजार होते हुए गांव की विभिन्न गलियों से गुजरते हुए पुनः विद्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। इस अवसर पर पूरे गांव का माहौल उत्साहपूर्ण रहा।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक उपेंद्र राय, मुखिया प्रेमसागर कुंवर, प्रखंड विकास पदाधिकारी लोकेंद्र यादव, सुशील लाल, शिक्षक रंजन कुमार, संजय कुमार दुबे, अशफाक सहित सभी शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। प्रभातफेरी के दौरान बच्चों ने नारे लगाकर शिक्षा, स्वच्छता और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

प्रभातफेरी को देखने और छात्रों का हौसला बढ़ाने के लिए सड़कों पर जमा हो गए। बच्चों की एकजुटता और ऊर्जा ने लोगों को आकर्षित किया। ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से न केवल छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि समाज को भी प्रेरणा मिलती है।

प्रधानाध्यापक उपेंद्र राय ने बताया कि विद्यालय द्वारा समय-समय पर ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में अनुशासन, जिम्मेदारी और सामूहिकता की भावना विकसित होती है। वहीं बीडीओ लोकेंद्र यादव ने कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं और इस तरह की पहल समाज में सकारात्मक संदेश देने का सबसे सशक्त माध्यम है।

मुखिया प्रेमसागर कुंवर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता की कुंजी है और बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों में भी आगे रहना चाहिए।

प्रभातफेरी के समापन के साथ ही विद्यालय परिसर देशभक्ति और जोश के नारों से गूंज उठा। इस आयोजन ने विद्यालय और गांव दोनों को नई ऊर्जा और प्रेरणा दी।

रामपुर छात्रावास में जीविका दीदियों पर लगे आरोप विधायक ने किया बैठक, पत्रकारों को रोकने पर बवाल

केसठ । प्रखंड के रामपुर स्थित अनुसूचित जाति-जनजाति विद्यालय सह छात्रावास में गुरुवार को जीविका दीदियों की बहाली को लेकर अहम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता डुमरांव विधायक डॉ. अजीत कुशवाहा ने की, जिसमें जीविका के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी डी.एन. चौबे, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, कैंटीन पदाधिकारी और विद्यालय प्रबंधन के लोग शामिल रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पूर्व में निकाली गई सभी जीविका दीदियों को पुनः कार्य पर रखा जाएगा, ताकि छात्र-छात्राओं और कर्मियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो।लेकिन इस बैठक के दौरान पत्रकारों के साथ हुए व्यवहार ने मामले को तूल दे दिया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा पत्रकारों को परिसर में प्रवेश से रोकने का आदेश दिया गया था। जब स्थानीय पत्रकार गेट पर पहुंचे तो गार्ड वीरेंद्र राम ने उन्हें रोक दिया और साफ कहा कि प्रधानाध्यापक के आदेश से पत्रकारों को अंदर आने की अनुमति नहीं है। वहीं दूसरी ओर, रामपुर पंचायत के सरपंच विष्णुदेव पासवान और मुखिया प्रतिनिधि बसंत पांडेय को बिना रोक-टोक गेट के अंदर जाने दिया गया।इस भेदभावपूर्ण रवैये से नाराज पत्रकारों ने गार्ड को दो टूक जवाब देते हुए कहा कि यदि पत्रकारों को प्रवेश नहीं मिलेगा तो फिर जनप्रतिनिधियों को भी अंदर नहीं जाने देना चाहिए। पत्रकारों ने सवाल उठाया कि आखिर इस बैठक में जनप्रतिनिधियों का क्या काम है और केवल पत्रकारों को ही क्यों रोका जा रहा है।

दियारा में पुलिस-तस्कर भिड़ंत, दोनों तरफ से हुई फायरिंग, कोई हताहत नहीं

- गोलीबारी के बीच पुलिस ने बरामद की 148 लीटर शराब, वाहन व बाइक जब्त, फरार आरोपितों की तलाश तेज
- शराब कारोबार पर सख्ती से तस्करों की नींद हराम

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

बक्सर जिले के ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र का दियारा इलाका एक बार फिर अवैध शराब कारोबार को लेकर सुर्खियों में आ गया है। गुरुवार की देर रात जवही दियर स्थित महाजी डेरा में शराब तस्करों और पुलिस के बीच जोरदार झड़प हुई। गुप्त सूचना पर छापेमारी करने पहुंची पुलिस टीम पर तस्करों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। करीब पांच राउंड गोलीबारी के जवाब में पुलिस ने भी तीन राउंड हवाई फायरिंग कर स्थिति को नियंत्रित किया। इस मुठभेड़ से पूरे इलाके में अफरातफरी का माहौल फैल गया।

थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम दियारा में पहुंची थी। छापेमारी के दौरान एक चारपहिया वाहन से 147.78 लीटर अवैध देशी शराब

बरामद की गई। इसके साथ ही दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गईं, जिनका इस्तेमाल तस्करी में किया जा रहा था।

हालांकि, अंधेरे और दियारा क्षेत्र के भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर शराब तस्कर मौके से भागने में सफल रहे। बावजूद इसके, पुलिस ने 15-20 अज्ञात तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और फरार आरोपितों की तलाश में लगातार छापेमारी जारी है।

दियारा की भौगोलिक स्थिति बनी तस्करों का सेफ जोन

स्थानीय लोग बताते हैं कि महाजी डेरा और उसके आसपास का दियारा इलाका लंबे समय से शराब तस्करों के लिए सुरक्षित पनाहगार रहा है। गंगा किनारे बसे इन गांवों तक पुलिस का पहुंचना कठिन होता है। नाव और ऊबड़-खाबड़ रास्तों से घिरे इस इलाके में तस्कर अक्सर पुलिस को चकमा देकर आसानी से माल की ढुलाई करते रहे हैं।

यही कारण है कि बक्सर से लेकर यूपी तक के शराब माफिया दियारा को एक ह्लसुरक्षित कॉरिडोरह्व के रूप में इस्तेमाल करते रहे हैं।

-- पुलिस का बढ़ा दबाव, तस्करों की बढ़ी बेचैनी

बीते कुछ महीनों से जिले की पुलिस लगातार दियारा इलाके में छापेमारी कर रही है। बड़ी खेप की बरामदगी और लगातार हो रही जब्ती ने तस्करों की कमर तोड़ दी है। अब हालात यह हैं कि तस्कर छिपकर काम करने के बजाय सीधे पुलिस का सामना करने पर उतर आए हैं।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि लगातार दबिश से तस्करों में खौफ और बेचैनी दोनों बढ़ी है। यही वजह है कि गुरुवार की रात उन्होंने पुलिस पर गोलियां दागने से भी परहेज नहीं किया।

ग्रामीणों की उम्मीद, अगर दबाव जारी रहा तो खत्म होगा धंधा

ग्रामीणों ने कहा कि यह पहला मौका नहीं है जब पुलिस ने दियारा क्षेत्र में इतनी बड़ी कार्रवाई की हो। लेकिन गोलीबारी की घटना ने लोगों को स्तब्ध कर दिया है। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि पुलिस अगर इसी तरह सख्ती दिखाती रही और लगातार गश्त बढ़ाई गई, तो अवैध शराब का कारोबार जल्द ही जड़ से खत्म किया जा सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि इस क्षेत्र में स्थायी पुलिस चौकी या विशेष बल की तैनाती हो, ताकि तस्करों के हौसले पूरी तरह पस्त हो जाएं।

जब्त वाहन से खुल सकते हैं बड़े राज

थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने बताया कि जब्त की गई शराब को उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया है। साथ ही वाहन और बाइक की नंबर प्लेट के आधार पर तस्करों की पहचान की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि वाहन की डिटेल से तस्करी के बड़े नेटवर्क तक पहुंचना संभव होगा। बता दें कि बक्सर का दियार क्षेत्र लंबे समय से शराब तस्करों का गढ़ माना जाता रहा है। यहां से हर महीने लाखों की खेप बिहार और उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भेजी जाती है। मगर हालिया घटनाक्रम इस ओर इशारा करता है कि पुलिस अब ह्लआर-पार की लड़ाईह्व के मूड में है। गोलीबारी के बावजूद शराब और वाहन की बरामदगी ने पुलिस का मनोबल बढ़ाया है और तस्करों के हौसले पस्त किए हैं। आने वाले दिनों में अगर दबाव इसी तरह बना रहा, तो दियारा की पहचान तस्करी के अड्डे के बजाय कानून के शिकंजे वाले इलाके के रूप में बदल सकती है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

खेती को उद्योग बनाने का संकल्प, खरीफ गोष्ठी में गूंजा किसानों का उत्साह

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय ई-किसान भवन का सभागार शुक्रवार को किसानों की उमंग और उत्साह से गूंज उठा। मौका था प्रखंड स्तरीय खरीफ किसान गोष्ठी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का, जहां कृषि विशेषज्ञों ने खेती को केवल आजीविका का साधन नहीं बल्कि एक उद्योग के रूप में अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन उप परियोजना निदेशक आत्मा रणधीर कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी श्रुति प्रिया, अनुमंडल मत्स्य पदाधिकारी सर्वेश कुमार समेत अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। संचालन कृषि समन्वयक मृत्युंजय मिश्रा ने किया। इस दौरान उप परियोजना निदेशक रणधीर कुमार ने कहा कि वैज्ञानिक तकनीक से खेती कर किसान कम लागत में अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। उन्होंने किसानों को पारंपरिक पद्धति से आगे बढ़कर आधुनिक तरीके अपनाने की सलाह दी। वहीं, मत्स्य पदाधिकारी ने मछली पालन से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों से अतिरिक्त आय के लिए इस दिशा में भी कदम बढ़ाने को कहा। कृषि पदाधिकारी श्रुति प्रिया ने धान के साथ-साथ मडुआ, ज्वार, बाजरा और कोदो जैसे मोटे अनाजों की खेती पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी और सेहत में भी सुधार होगा। सहायक तकनीकी प्रबंधक विवेकानंद उपाध्याय ने जैविक खेती की महत्ता बताते हुए रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से बचने की नसीहत दी।

किसानों और युवाओं के लिए नए अवसर : प्रशिक्षण से उर्वरक-कीटनाशक बिक्री का रास्ता खुला

केटी न्यूज/डुमरांव

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल के तहत बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग ने ह्लसमेकित पोषक तत्व प्रबंधनह्वपर आयोजित 15 दिवसीय प्रमाणपत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसका सफल समापन शुक्रवार को किया गया। इस दौरान 60 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिनमें किसान, पूर्व सैनिक, युवा उद्यमी और प्राथमिक कृषि साख समिति (ढअउर) के सदस्य शामिल रहे प्रशिक्षण के बाद प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के लिए अब स्वरोजगार का

नया रास्ता खुल गया है। वे लाइसेंस लेकर उर्वरक और कीटनाशकों की बिक्री कर सकेंगे। इससे न केवल उनकी आय बढ़ेगी, बल्कि आसपास के किसानों को भी गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान आसानी से उपलब्ध होंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और कृषि उत्पादकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को मृदा परीक्षण की तकनीक, जैविक एवं अकार्बनिक उर्वरकों का संतुलित उपयोग, फसल-आधारित पोषण प्रबंधन, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के उपाय और कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग जैसी जानकारियाँ दी गईं।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

कंचनेश्वर धाम से शुरू हुआ स्वच्छता पखवारा

- बीडीओ ने खुद हाथ में झाड़ू उठाकर दिया जागरूकता का संदेश

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के कचईनिया गांव स्थित प्राचीन कंचनेश्वर महादेव मंदिर का परिसर शुक्रवार को एक अनोखे नजारे का साक्षी बना। जहां आमतौर पर प्रशासनिक अधिकारी दफ्तरों और बैठकों तक सीमित दिखाई देते हैं, वहीं इस बार प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) संदीप कुमार पांडेय ने खुद अपने हाथों में झाड़ू और फावड़ा थामकर सफाई अभियान का नेतृत्व किया। यह आयोजन स्वच्छ भारत अभियान के तहत चल रहे स्वच्छता पखवारा का शुभारंभ था। बीडीओ संदीप पांडेय ने मंदिर परिसर की साफ-सफाई में सक्रिय भागीदारी करते हुए उपस्थित लोगों से कहा कि स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत की परिकल्पना को साकार करना हर नागरिक का प्रथम दायित्व है। सरकार और प्रशासन

अपनी भूमिका निभा रहा है, लेकिन जब तक आम लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा नहीं बनाएंगे, तब तक वास्तविक परिवर्तन संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि आज का परिवेश तेजी से बदल रहा है। लोग पहले की तुलना में अधिक जागरूक हुए हैं। खुले में शौच की समस्या पर काफी हद तक काबू पाया गया है और अब घर-घर कचरा उठाव एवं उसके प्रबंधन पर काम किया जा रहा है। बीडीओ ने साफ शब्दों में कहा कि यह अभियान किसी एक दिन का कार्यक्रम नहीं बल्कि निरंतर चलने वाला संकल्प है, जिसे हर नागरिक को अपना कर्तव्य मानना होगा।

इस मौके पर पंचायत के स्वच्छता कर्मियों के साथ-साथ प्रबुद्ध नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। मंदिर परिसर की सफाई के दौरान लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। कई लोगों ने इसे प्रेरणादायक पहल बताया और कहा कि जब अधिकारी स्वयं आगे बढ़कर झाड़ू उठाते हैं तो समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि कंचनेश्वर महादेव मंदिर जैसे ऐतिहासिक और आस्था से जुड़े स्थलों की स्वच्छता सिर्फ धार्मिक महत्व ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन के लिए भी जरूरी है। इस पहल से ग्रामीणों में स्वच्छता के प्रति नई चेतना जागृत होगी।

कचईनिया गांव में शुरू हुआ यह अभियान अब पूरे प्रखंड में चलाया जाएगा। प्रशासन की योजना है कि हर पंचायत स्तर पर इस पखवाड़े के दौरान सफाई अभियान, जागरूकता रैली और स्वच्छता संबंधी जन-भागीदारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। स्वच्छता पखवाड़े की इस शुरूआत ने न केवल गांववासियों को प्रेरित किया, बल्कि एक मजबूत संदेश भी दिया कि साफ-सुथरा भारत केवल सरकार का सपना नहीं, बल्कि हर भारतीय की जिम्मेदारी है।

बक्सर में मां तपेश्वरी देवी ब्लड बैंक का हुआ शुभारंभ

- पूर्व सैनिकों की मांगों पर भी खुलकर हुई चर्चा, पूर्व सैनिकों ने रक्तदान कर पेश की मिसाल

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के मां मुंडेश्वरी अस्पताल परिसर में मां तपेश्वरी देवी ब्लड बैंक का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री सतीश दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन सौरभ तिवारी ने किया। समारोह की शुरूआत इंडियन एक्स सर्विसमेन मूवमेंट (आईईएसएम) और शाहाबाद हेल्थ केयर के अध्यक्ष सह

वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मेजर पी.के. पांडेय सहित अस्पताल के पदाधिकारियों ने मंत्री का भव्य स्वागत कर किया। मंत्री को बुके और माल्यार्पण के साथ सम्मानित किया गया।

पूर्व सैनिकों ने रखी वर्षो पुरानी मांग

उद्घाटन समारोह के दौरान पूर्व सैनिकों की ओर से जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने अपनी 20 वर्षों से लंबित मांग को केन्द्रीय मंत्री के सामने रखा। उन्होंने कहा कि सैनिकों को 50 डिसमिल जमीन उपलब्ध कराई जाए, जिस पर कैंटीन, सोल्जर बोर्ड, ईसीएचएस केंद्र और सैनिक आराम गृह का निर्माण हो सके। उनकी इस बात का सैकड़ों पूर्व सैनिकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से समर्थन किया। चौबे ने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार होने के बावजूद अब तक केवल आश्वासन ही मिलता आया है। इस पर मंत्री सतीश दुबे ने सैनिकों की मांगों को जल्द पूरा कराने का भरोसा दिलाया। पूर्व सैनिकों ने अपनी मांगों का लिखित ज्ञापन भी मंत्री को सौंपा। समारोह के दौरान जहां रक्तदान और सैनिकों की मांगें चर्चा का केंद्र बनीं, वहीं भाजपा नेताओं और सामाजिक कार्यकताओं की भारी उपस्थिति ने इसे खास बना दिया। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन, धनंजय मिश्रा, मिथिलेश पांडेय, संतोष चौबे उर्फ भोला चौबे, धनंजय तिवारी, राहुल पांडेय, रविन्द्र चौबे, अरुण चौबे सहित पार्टी के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही आईईएसएम बक्सर के सभापति कैप्टन बी.एन. पांडेय, कैप्टन संजय पाठक, लेफ्टिनेंट आर.बी. ओझा, कैप्टन श्री निवास सिंह, सूबेदार मेजर शिव मुनि राय, कैप्टन अशोक उपाध्याय, सूबेदार राजेंद्र चौबे, लेफ्टिनेंट लक्ष्मण चौबे, कैप्टन आर.सी. पाल सहित सैकड़ों पूर्व सैनिकों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ समापन

अंत में डॉ. मेजर पी.के. पांडेय ने सभी अतिथियों और पूर्व सैनिकों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ब्लड बैंक की स्थापना से न केवल बक्सर बल्कि आसपास के जिलों के लोगों को भी आपात स्थिति में बड़ा सहारा मिलेगा। यह आयोजन एक तरफ चिकित्सा सेवा को नई दिशा देने वाला साबित हुआ, वहीं दूसरी ओर समाजसेवा, राजनीति और सैनिक हितों की आवाज को भी मंच प्रदान कर गया।

एक नजर

नगर में जलजमाव की समस्या से लोग बेहाल, स्कूली बच्चे हुए परेशान

डुमरांव। बारिश से शहर की स्थिति नारकीय बन गई, रोड, गली, मोहल्लों में बारिश का पानी जमा हो गया है। इसका मुख्य कारण शहर में नालियों की समुचित व्यवस्था नहीं होना बताया जा रहा है। विदित हो कि शुक्रवार को हुई झमाझम बारिश के बाद डुमरांव के लोगों को जलजमाव की गंभीर की समस्या से जूझना पड़ रहा है। मुख्य सड़क स्टेशन रोड समेत आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर पानी का जमाव हो गया है। नगर की संपर्क सड़कों और गलियों में पानी भरने से लोगों का घर से निकलना भी मुश्किल हो गया है। नगर परिषद मुख्य सड़क और संपर्क मार्गों पर जमा पानी को निकालने में नाकाम साबित हो रही है। स्थिति यह है कि स्टेशन रोड पर बहते पानी को बाहर निकालने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। इसके चलते टैक्सटाईल्स कॉलोनी,चाणक्यपुरी कॉलोनी, न्यू निशा नगर कॉलोनी जैसी बस्तियों में भी पानी घुस गया है। इन इलाकों में दर्जनों निजी स्कूल संचालित हैं, जहां छोटे-छोटे बच्चों को पढ़ाई के लिए रोजाना आना पड़ता है। जलजमाव के कारण छात्र-छात्राओं को गंदे पानी और कीचड़ से होकर स्कूल पहुंचना पड़ रहा है। कई बार उन्हें जूते-मोजे उतारकर भीगते कपड़ों में दिनभर पढ़ाई करनी पड़ती है। ऐसे में उन्हें बीमार होने का खतरा मड़राने लगा है, स्थानीय अभिभावकों इस समस्या पर अपना मुंह खोलते हुए इसकी जवाबदेही नगर परिषद को ठहराया है। उनका कहना है कि बरसात से पहले ही नालियों की साफ-सफाई कर ली जानी चाहिए थी, ताकि इस स्थिति से बचा जा सके। नगरवासियों का मानना है कि नप और संबंधित विभाग ने सतर्कता और समय रहते कदम नहीं उठाए, जिसकी वजह से आज लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस समस्या को लेकर नगर परिषद अध्यक्ष विकास ठाकुर ने बताया कि जलजमाव वाले क्षेत्रों की पहचान कर ली गई है और त्वरित कार्रवाई के लिए टीम का गठन किया गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि शीघ्र ही जमा पानी की निकासी की जाएगी ताकि आमजन को राहत मिल सके। शहरवासी फिलहाल जल्द समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन बरसात के मौसम में यह समस्या उनके लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है।

केसठ में राजद कार्यकर्ता सम्मेलन आज ,पप्पू यादव करेंगे संबोधन

केसठ। शनिवार को केसठ में राजद का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का आयोजन पूर्व प्रत्याशी सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव की अगुवाई में किया जा रहा है।जानकारी के अनुसार, सम्मेलन में क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों और प्रखंडों से बड़ी संख्या में कार्यकताओं के शामिल होने की संभावना है। सम्मेलन का उद्देश्य राजद की नीतियों को गांव-गांव तक पहुंचाना और आगामी राजनीतिक रणनीति पर विचार-विमर्श करना है।राजद नेता पप्पू यादव ने बताया कि यह सम्मेलन संगठन को मजबूती देने और कार्यकताओं को एकजुट करने के लिए अहम साबित होगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं और उनकी भागीदारी से ही संगठन मजबूत बनता है।स्थानीय स्तर पर राजनीति में सक्रिय पप्पू यादव ने डुमरांव विधानसभा क्षेत्र से पूर्व में चुनाव भी लड़ा है और उनकी पहचान जमीनी नेता के रूप में की जाती है।

सितंबर महीने में स्पीडी ट्रायल के 8 वादों में सजा, अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश

- अभियोजन की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न, गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए हर संभव कदम उठाएं

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में अपराध नियंत्रण और न्यायिक प्रक्रियाओं को तेजी देने के उद्देश्य से शुक्रवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में अभियोजन की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्वरित विचारण (स्पीडी ट्रायल) के तहत विभिन्न मामलों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई तथा आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अभियोजन कार्यों को और सख्ती व तेजी से संपन्न कराने का निर्देश दिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी पदाधिकारी विधि शाखा सह वरीय उप समाहर्ता ने की। उन्होंने उपस्थित अभियोजन पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समाज में विधि का भय बनाए रखने के लिए अपराधियों को त्वरित न्याय दिलाना ही अभियोजन का मुख्य उद्देश्य है। बैठक में सितंबर माह की उपलब्धियों पर जानकारी

साझा की गई। बताया गया कि त्वरित विचारण प्रक्रिया के अंतर्गत कुल 8 वादों में दोषसिद्धि कराई गई। इसमें जगन्य अपराध श्रेणी का 1 वाद, पास्को एक्ट के तहत 2 वाद, उत्पाद अधिनियम के 2 वाद, शस्त्र अधिनियम के 2 वाद और एनडीपीएस अधिनियम के तहत 1 वाद शामिल हैं। अधिकारियों ने इसे सकारात्मक शुरूआत बताते हुए कहा कि आने वाले महीनों में और अधिक वादों का निष्पादन प्राथमिकता पर रहेगा।

चर्चित मुरार थाना कांड पर भी चर्चा

बैठक में विशेष लोक अभियोजक उत्पाद अधिनियम अवधेश राय ने जानकारी दी कि जिले के चर्चित मुरार थाना कांड संख्या 10/2022 की सुनवाई पूरी हो चुकी है। इस मामले में दोषसिद्धि के बाद अब सजा के निर्धारण पर सुनवाई 7 अक्टूबर 2025 को निर्धारित की गई है। इस प्रकरण को लेकर अभियोजन पक्ष का मानना है कि अदालत से कड़ी सजा मिलने की पूरी संभावना है।

चुनाव को लेकर बढ़ाई जाएगी सख्ती

बैठक में स्पष्ट निर्देश दिया गया कि आगामी विधानसभा आम चुनाव 2025 को ध्यान में रखते हुए अभियोजन कार्यों को और तीव्र किया जाए। सभी लोक अभियोजकों और अभियोजन पदाधिकारियों से कहा गया कि प्रत्येक माह अधिक से अधिक मामलों का निपटारा कर अपराधियों को कठोर दंड दिलवाना सुनिश्चित करें। अधिकारियों का मानना है कि चुनावी माहौल में कड़ी कार्रवाई से समाज में कानून-व्यवस्था की सख्त छवि बनेगी और अपराधी प्रवृत्ति के लोगों में भय व्याप्त होगा।

गवाहों की उपस्थिति होगी अनिवार्य

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पुलिस पदाधिकारी, सिविल सर्जन और अनुसंधानकर्ताओं की गवाही सहित अन्य गवाहों की उपस्थिति हर हाल में सुनिश्चित कराई जाएगी। कई मामलों में गवाहों की अनुपस्थिति से मुकदमों की सुनवाई प्रभावित होती है। ऐसे में सभी जिम्मेदार पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि गवाहों की हाजिरी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं।

लोक अभियोजकों को हर माह करनी होगी समीक्षा

बैठक में लोक अभियोजकों और अभियोजन पदाधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे अपने स्तर से प्रत्येक माह सभी अपर लोक अभियोजकों और सहायक अभियोजन पदाधिकारियों के साथ अलग से समीक्षात्मक बैठक करें। इससे वादों के निष्पादन में तेजी आएगी और लंबित मामलों को निपटाने में सुविधा होगी।

सभी संबंधित अधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रभारी पदाधिकारी जिला विधि शाखा बक्सर, जिला अभियोजन पदाधिकारी, अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी, पुलिस अभियोजन शाखा के प्रभारी, सिविल सर्जन के प्रतिनिधि, लोक अभियोजक, सरकारी अधिवक्ता एवं सभी अपर लोक अभियोजक मौजूद रहे। बैठक का मुख्य संदेश यही रहा कि अपराधियों को शीघ्र सजा दिलाकर समाज में न्याय और कानून के प्रति विश्वास को और मजबूत करना है।

दिवंगत शिक्षक के परिजनों से मिले बीडीओ, दिए हर संभव मदद का आश्वासन

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के डुभकी गांव में शुक्रवार को भावुक माहौल देखने को मिला, जब प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) संदीप कुमार पांडेय दिवंगत शिक्षक राजेश कुमार के परिजनों से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बताया जाता है कि राजेश कुमार मध्य विद्यालय डुभकी में विशिष्ट शिक्षक के रूप में पदस्थापित थे। इसके साथ ही वे बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की जिम्मेदारी भी निभा रहे थे। कुछ दिन पहले अचानक ब्रेन हैमरेज के कारण उनकी असामयिक मृत्यु हो गई। उनके निधन की खबर से पूरा शिक्षक समुदाय गहरे सदमे में है। राजेश कुमार अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को छोड़ गए हैं।

उनके हंसमुख और मिलनसार

स्वभाव ने उन्हें साथियों के बीच विशेष पहचान दिलाई थी। विद्यालय के शिक्षक से लेकर स्थानीय लोग तक, सभी ने उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है। ऐसे में बीडीओ संदीप पांडेय का परिजनों से सीधे मिलना और सहायता का आश्वासन देना, क्षेत्र में संवेदनशील प्रशासनिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

इस अवसर पर कई शिक्षक भी मौजूद रहे, जिनमें पूणार्नंद मिश्र, नवनीत श्रीवास्तव, उपेंद्र पाठक, संजय सिंह, धीरज पांडेय और दयाशंकर तिवारी प्रमुख थे। सभी ने दिवंगत शिक्षक को श्रद्धांजलि दी और परिवार के साथ खड़े रहने का संकल्प जताया।

गांव के लोगों का कहना है कि राजेश कुमार न केवल एक कुशल शिक्षक थे, बल्कि समाज में सहयोग और सौहार्द की मिसाल भी थे। उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। वहीं प्रशासन और शिक्षकों की यह पहल शोकग्रस्त परिवार के लिए मनोबल बढ़ाने वाली साबित होगी।

चोरों की साजिश नाकाम, पुलिस की सतर्कता से बची लाखों की नकदी

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार की देर रात हुई सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। अज्ञात चोरों ने चौसा-कोचस मुख्य मार्ग स्थित एसबीआई एटीएम को गैस कटर से काटकर लूटने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से उनकी योजना नाकाम हो गई।

सूत्रों के अनुसार, चोर एटीएम का गेट काटकर मशीन के अगले हिस्से तक पहुंच गए थे। रुपये निकालने से पहले ही उन्हें पुलिस की आहट मिल गई। अंधेरे का फायदा उठाकर वे मौके से फरार हो गए। हालांकि चोरों के हाथ नकदी नहीं लगी, मगर जिस तरीके से घटना को अंजाम देने की कोशिश की गई, उससे उनकी पेशेवर तैयारी साफ झलकती है।

घटना की पुष्टि करते हुए राजपुर के प्रभारी थानाध्यक्ष सुभाष कुमार ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। मौके से गैस कटर समेत कई उपकरण बरामद किए गए हैं। साथ ही, आसपास के इलाके में नाकाबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन चोर पुलिस की पकड़ से बाहर हो गए।

फिलहाल पुलिस ने एटीएम और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब बाजार के बीचोंबीच स्थित एटीएम सुरक्षित नहीं है, तो ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति कैसी होगी। इधर बैंक प्रबंधन को भी सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने का निर्देश दिया गया है।

राजपुर की यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि अपराधी कितनी बड़ी साजिश रच रहे हैं, लेकिन समय रहते पुलिस की सतर्कता से लाखों की नकदी बच गई और बड़ी वारदात टल गई।

बक्सर समाहरणालय परिसर में मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन

- रंगोली से लोकतंत्र का संदेश, शपथ से बढ़ा जनभागीदारी का उत्साह

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिला प्रशासन ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर मतदाताओं में जागरूकता जगाने का एक नया और रचनात्मक प्रयास किया। शुक्रवार को समाहरणालय परिसर स्थित पार्क रंग-बिरंगे लोकतांत्रिक संदेशों से सजा नजर आया, जब आंगनबाड़ी सेविकाओं ने अपनी कला के माध्यम से मतदाता जागरूकता का आह्वान किया। कार्यक्रम के तहत आकर्षक रंगोलियों में न सिर्फ रंग बिखरे, बल्कि लोकतंत्र की मजबूती और महिला सशक्तिकरण का स्पष्ट संदेश भी उभरा। ह्यसशक्त नारी, मजबूत लोकतंत्रह्व, ह्यपहले मतदान, फिर जलपानह्व और ह्यमतदान है नारी का

अधिकारह्व जैसे स्लोगन लोगों को मतदान की अहमियत याद दिलाते रहे। यह पहल न केवल चुनावी माहौल को सकारात्मक ऊर्जा से भर रही है बल्कि महिला शक्ति की भूमिका को भी प्रमुखता से सामने ला रही है।

अधिकारियों ने बढ़ाया उत्साह

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह स्वयं कार्यक्रम में पहुंचे और रंगोलियों का अवलोकन किया। उनके साथ उप विकास आयुक्त आकाश चौधरी, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव राकेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी तथा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सहित कई वरीय पदाधिकारी मौजूद थे। सभी ने प्रतिभागियों की मेहनत और सृजनशीलता की सराहना करते हुए इसे लोकतंत्र को मजबूत करने वाला प्रयास बताया।

लोकतांत्रिक संकल्प के साथ लिया गया शपथ

कार्यक्रम की खास बात रही शपथ ग्रहण। जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने उपस्थित अधिकारियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं व सहायिकाओं को यह शपथ दिलाई कि वे निष्पक्ष और निर्भीक होकर मतदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। इस मौके पर पूरा परिसर लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखने के संकल्प से गूंज उठा।

आने वाले दिनों में होंगे और आयोजन

जिलाधिकारी ने बताया कि सिर्फ रंगोली या शपथ तक ही अभियान सीमित नहीं रहेगा। आने वाले दिनों में नुक्कड़ नाटक, खेल प्रतियोगिता और प्रभात फेरी जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य जिले के प्रत्येक नागरिक को मतदान महोत्सव में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि मतदाता जागरूकता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक समाज को सशक्त बनाने की जिम्मेदारी है।

लोकतांत्रिक पर्व की तैयारी

बक्सर प्रशासन की इस पहल ने साबित कर दिया कि जागरूकता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि कला और संस्कृति से भी लोगों तक गहराई से पहुंचाई जा सकती है। रंगोली की खूबसूरती और शपथ का सामूहिक संकल्प आने वाले चुनाव में अधिक से अधिक मतदान को प्रेरित करेगा। यह आयोजन बक्सर के लिए न सिर्फ एक सांस्कृतिक क्षण था बल्कि लोकतांत्रिक चेतना का भी उत्सव बन गया।

स्थायी लोक अदालत में मिलेगा राहत का मौका, बक्सर में भी शुरू हुई सुविधा

केटी न्यूज/बक्सर

अब मामूली यातायात चालानों से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पटना के निर्देश पर बक्सर जिले में स्थायी लोक अदालत का गठन किया गया है। अध्यक्ष के रूप में सेवा-निवृत्त जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रवीण कुमार सिंह, सदस्य सुनील कुमार सिंहा और माधव कुमार राय को मनोनीत किया गया है। स्थायी लोक अदालत विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 22-बी के तहत गठित एक ऐसा मंच है, जहां परिवहन, बिजली, पानी, डाक, टेलीग्राफ और अस्पताल जैसी जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों का निपटारा आपसी सुलह से किया जाता है। अगर सुलह नहीं बन पाती तो न्यायाधीशों का पैनल अंतिम फैसला सुनाता है। अवर न्यायाधीश-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बक्सर नेहा दयाल ने बताया कि लोक अदालत में बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, रेड लाइट जंप, ओवरस्पीडिंग, गलत पार्किंग, वैध पीयूसी न होना या लिपिकीय त्रुटियों जैसे चालानों का निपटारा संभव है। यहाँ पहली बार की छोटी गलती पर चालान माफ हो सकता है, जबकि अन्य मामलों में जुमार्ने की राशि घटाई जा सकती है। हालांकि ड्रंक ड्राइविंग, हिट एंड रन और नाबालिग द्वारा वाहन चलाने जैसे गंभीर मामलों की सुनवाई यहाँ नहीं होगी। इसके लिए वाहन मालिक को चालान की कॉपी, आर सी, लाइसेंस और पहचान पत्र लेकर लोक अदालत में उपस्थित होना होगा। हाल ही में 13 सितंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कई चालान सुलह-समझौते से निपटाए गए। इस मौके पर जिला प्राधिकरण ने अपील की कि आमजन अपने वाहन संबंधी चालान लेकर अवश्य लोक अदालत में आएं और राहत का लाभ उठाएं।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.डॉ ओम प्रकाश राम और मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह समेत अन्य शिक्षकों ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया

अंजबित सिंह महाविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ

केटी न्यूज/रोहतास

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा की अंगीभूत इकाई अंजबित सिंह महाविद्यालय बिक्रमगंज में हिंदी पखवाड़ा आयोजित की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.डॉ ओम प्रकाश राम और मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र प्रसाद सिंह समेत अन्य शिक्षकों ने दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्य ने अंगवस्त्र और बुके भेंटकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक और हिन्दी के विभागाध्यक्ष चंद्रशेखर ने हिंदी के महत्व को चिन्हित करते हुए बताया कि 2011 के जनगणना अनुसार लगभग 45 प्रतिशत लोगों ने हिंदी को अपनी

मातृभाषा के रूप चयन किया तथा 60 करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते हैं । श्री कुमार ने आगे कहा कि 1977 में सबसे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण दिया था। उन्होंने यह भी बताया कि नमस्ते सबसे अधिक बोला जाने वाला शब्द है । पहले दिन उद्घाटन सत्र में रोहतास महिला महाविद्यालय सासाराम के प्राचार्य सह प्रसिद्ध भाषा वैज्ञानिक डॉ.राजेंद्र प्रसाद सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए । डॉ. सिंह ने हिंदी के विकास पर बल देते हुए बताया कि हिंदी को सबसे पहले अंग्रेजी के छाया से मुक्त होना पड़ेगा और उसका अनुकरण करने के बजाय अपनी धारा बनानी पड़ेगी । डॉ. सिंह ने यह भी बताया कि अंग्रजी का पहला शब्दकोश 14 वीं शताब्दी में लिखा गया। उन्होंने बताया कि "भ" हिंदी की अपनी मूल ध्वनि और वर्ण है । इसलिए पूरी दुनिया में जम्बूद्वीप के अलावा भारत और भूटान का नाम किसी और देश का नहीं है या किसी अन्य देश का नाम ' भ ' से शुरू नहीं होता है। उन्होंने संयुक्त व्यंजन पर भी बात किया। उन्होंने रोजगारपरक हिंदी विषय पर बात करते हुए बताया कि जब तक जनता के मन से लिंग का भय नहीं हटेगा, तब तक हिंदी अपने उत्कर्ष पर नहीं पहुंच पाएगा। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक रोजगार हिंदी में ही है,बस हमें सजग होने की जरूरत है। यह हिंदी की महत्ता ही है कि इस देश में आने वाली कोई भी कंपनी सबसे पहले हिंदी में ही अपना प्रचार-प्रसार करती है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ ओम प्रकाश राम ने मुख्य वक्ता को धन्यवाद देते हुए बताया कि हिंदी केवल हमारी मातृभाषा ही नहीं,बल्कि विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है । यह भाषा 60 करोड़ से अधिक लोगों द्वारा बोली और समझी जाती है । यदि हम इसे केवल बोलचाल तक सीमित न रखकर रोजगार के क्षेत्र से जोड़ें,तो यह भाषा युवाओं के लिए सुनहरे अवसरों के द्वार खोल सकती है। प्रो. राम ने आगे कहा कि भाषा वहीं जीवित और प्रभावी होती है,जो समय और समाज की जरूरतों के अनुरूप अपने स्वरूप को ढाल ले। आज के समय में अंग्रेजी को रोजगार और तकनीक की भाषा माना जाता है । लेकिन हिंदी भी किसी तरह से कम नहीं है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. कन्हैया सिंह ने किया । उन्होंने सभी मंचासीन विद्वानों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि हिंदी हमें स्वीकार करना होगा कि यह केवल साहित्य की भाषा नहीं,बल्कि आज के समय में तकनीक और रोजगार की भी भाषा है।

अधिकारियों ने शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने का की अपील

एसडीएम और एएसपी के नेतृत्व में दुर्गा पूजा पर अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की हुई बैठक

केटी न्यूज/रोहतास

आगामी दुगार्पूजा पर्व को लेकर शुक्रवार को बिक्रमगंज थाना परिसर में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार एवं एएसपी सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार ने संयुक्त रूप से की । इस अवसर पर बिक्रमगंज नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मोहम्मद जमाल अख्तर अंसारी,सभी थानाध्यक्ष,बीडीओ,सीओ,पूजा समिति अध्यक्ष,जनप्रतिनिधि,शांति समिति सदस्य सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे । बैठक में उपस्थित लोगों ने

एसडीएम प्रभात कुमार व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार के समक्ष अपनी-अपनी बातें रखीं । अधिकारियों ने सभी सुझावों और समस्याओं को गंभीरता से सुना और कहा कि दुगार्पूजा जैसे बड़े पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है । उन्होंने सभी पूजा समितियों को प्रशासनिक निदेर्शों का पालन करते हुए समयबद्ध तरीके से पूजा-पंडाल,जुलूस एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर विशेष ध्यान देने को कहा। साथ ही भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम और पुलिस बल की तैनाती की जानकारी भी दी । मौके पर एसडीएम,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, थानाध्यक्ष, बीडीओ, सीओ,पूजा समिति अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, शांति समिति सदस्य समेत अनुमंडल के कई लोग मौजूद रहे ।

दुर्गा पूजा को लेकर बघैला थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

केटी न्यूज/रोहतास

राजपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बघेला थाना परिसर में शुक्रवार को थानाध्यक्ष करण कुमार की अध्यक्षता में आगामी दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में पूजा समिति के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि,स्थानीय ग्रामीण एवं डीजे संचालक शामिल हुए। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने थानाध्यक्ष के समक्ष अपनी- अपनी समस्याएं एवं सुझाव रखे। थानाध्यक्ष करण कुमार ने सभी की बातें ध्यानपूर्वक सुनीं और प्रशासनिक स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि दुगार्पूजा के अवसर पर शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रशासन हर संभव सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। सभी पूजा समितियां निर्धारित नियमों और दिशानिदेर्शों का पालन करें ताकि त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हो सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी समस्या या विवाद की सूचना तुरंत पुलिस को दें। मौके पर मुखिया सह पैक्स अध्यक्ष रितेश कुमार,बरांव मुखिया राजू सिंह,बाबूचंद सिंह, वार्ड सदस्य अजीत सिंह,पैक्स अध्यक्ष ,समाजसेवी संतोष पांडेय, थानाध्यक्ष, पुलिस अधिकारी समेत सभी आमजन उपस्थित थे।

सेमरा ओपी में नए थानाध्यक्ष सुशांत ने संभाला कमान, पुलिस-पब्लिक मैत्री पर दिया जोर

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सेमरा ओपी में नए थानाध्यक्ष के रूप में सुशांत कुमार ने औपचारिक रूप से योगदान दिया। जो 2014 बैच के पुलिस अधिकारी हैं और इससे पूर्व भोजपुर जिला आरा के उदवंतनगर, इमादपुर,धोबा एवं बहोरनपुर थानों में बतौर थानाध्यक्ष सफलतापूर्वक अपनी सेवाएं दे चुके हैं । बहोरनपुर थाना से स्थानांतरित होकर अब वे रोहतास जिले के बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सेमरा ओपी की कमान संभाल ली है । नए थानाध्यक्ष के कार्यभार संभालते ही पुलिसकर्मियों ने उनका स्वागत किया । कार्यभार संभालने के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए थानाध्यक्ष सुशांत कुमार ने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी । दुगार्पूजा जैसे महत्वपूर्ण पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराना

सुनिश्चित किया जाएगा । पुलिस-पब्लिक मैत्री को मजबूत करना,अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाना और अपराध पर अंकुश लगाना हमारा मुख्य लक्ष्य होगा । क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन हर स्तर पर सतर्क और सक्रिय रहेगा । उन्होंने आगे कहा कि सेमरा ओपी क्षेत्र में पुलिस

और जनता के बीच भरोसे को और मजबूत किया जाएगा,ताकि छोटी-बड़ी समस्याएं समय पर हल हों और अपराधियों में पुलिस का खौफ बना रहे । नए थानाध्यक्ष के आगमन के बाद स्थानीय लोगों में कानून-व्यवस्था को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं । लोगों का मानना है कि सुशांत कुमार के अनुभव और सख्त व संवेदनशील कार्यशैली से क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल और बेहतर होगा । थानाध्यक्ष ने क्षेत्रवासियों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि अपराध और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में आमजन की सहभागिता जरूरी है । उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर समस्या का निष्पक्ष और त्वरित समाधान किया जाएगा ।

डीएम ने उदिता सिंह ने जनता दरबार में लोगों की सुनी शिकायत

केटी न्यूज/रोहतास

शुक्रवार को जिला पदाधिकारी उदिता सिंह द्वारा जिला जनता दरबार डीआरडीए रोहतास के सभा कक्ष में आयोजन किया गया। जिसमें उप विकास आयुक्त रोहतास, अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी, रोहतास, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी जिला शिक्षा पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी राजस्व शाखा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, निदेशक डीआरडीए, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, अनुश्रवण कोषांग सह महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, सभी अंचलाधिकारी एवं जिला मुख्यालय स्थित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों के द्वारा भाग लिया गया। उक्त जनता दरबार में लगभग कुल 98

व्यक्ति उपस्थित हुए, जिन्हें विषयवार व विभागवार यथा राजस्व, विकास एवं अन्य विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं जुड़े शिकायतों को अलग-अलग पंक्तियों में बैठाकर सभी आवेदकों से जिला स्तरीय सभी पदाधिकारियों के द्वारा एक-एक करके सभी आवेदकों से साक्षात्कार करते हुए उनके फरिवादों समस्याओं को सुना गया तथा उनसे प्राप्त आवेदन पत्रों पर त्वरित निष्पादन करने हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निदेशों के साथ तत्काल कार्रवाई करने हेतु हस्तगत करा दिया गया। लोक साक्षात्कार के समय ही शिकायत एवं समस्याओं के समीक्षोपरान्त ऐसे आवेदन पत्रों को जिसमें लोक शिकायत निवारण अधिनियम के तहत सुनवाई के योग्य थे। वैसे आवेदकों शिकायतों एवं समस्याओं की सुनवाई करते हुए नियमानुसार त्वरित निष्पादन करने का निदेश के साथ संबंधित लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों यथा-सासाराम, बिक्रमगंज एवं डिहरी को जनता दरबार में ही हस्तगत करा दिया गया। सभी प्राप्त आवेदन पत्रों के निष्पादन कराये जाने हेतु ऑन लाईन कराया गया तथा संबंधित लोक शिकायत निवारण पदाधिकारियों के द्वारा पंजीयन की कार्रवाई भी प्रारम्भ करा दिया गया, ताकि आवेदनकताओं के द्वारा अपने आवेदन पत्रों पर किये गये कार्रवाईयों के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त किया जा सके। इसके अतिरिक्त कुछ आवेदकों के आवेदन पत्रों यथा आवेदक राधेश्वर पासवान, पिता स्व. बरान्त पासवान, ग्राम मोर सराय , पोस्ट मोरसराय, थाना शिवसागर के द्वारा मौजा- इलाही चक थाना नंबर 90, खाता संख्या- 07, प्लॉट नंबर -05, रकबा 52 डिसमिल जमीन नापी कराकर अतिक्रमण मुक्त कराकर दखल कब्जा कराने के संबंध में आवेदन प्राप्त किया गया जिसे शीघ्र निष्पादन करने हेतु अंचलाधिकारी, शिवसागर को भेज दिया गया। आवेदक राजु कुमार, ग्राम- कज्ञॉव, पोस्ट- नाद, थाना-बड्डी के द्वारा खरीदगी भूमि से बेदखल करने के संबंध में आवदेन दिया गया जिसे अविलंब निष्पादन हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सासाराम को निदेशित किया गया। आवेदक भरत गोसाई, पिता स्वर्गीय दहिन गोसाई, ग्राम नोनहर, थाना सूर्यपूरा के द्वारा मौजा-नोनहर के खाता नंबर 751,खेसरा नंबर 2043 रकबा 03 डी० भूमि को विपक्षी द्वारा किए जा रहे बेदखल को रोकने के संबंध मे आवेदन प्राप्त किया गया।

जी एन एस यू ,जमुहार में दी गई अजीम प्रेमजी फाउंडेशन बालिका छात्रवृत्ति की जानकारी

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिले के गोपाल नारायण विश्वविद्यालय, जमुहार में आज छात्राओं को अजीम प्रेमजी फाउंडेशन गर्ल्स स्कॉलरशिप के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह और मानव अधिकार कार्यकर्ता संतोष उपाध्याय का अतुलनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर पैरवी के सामाजिक कार्यकर्ता विवेक कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के तहत विधि संकाय, कृषि संकाय, प्रबंधन संकाय और फार्मेसी संकाय में जाकर छात्राओं को इस छात्रवृत्ति योजना से लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान छात्राओं को आवेदन प्रक्रिया, पात्रता मानदंड और छात्रवृत्ति से मिलने वाले लाभों के

बारे में विस्तार से बताया गया।यह छात्रवृत्ति विशेष रूप से उन छात्राओं के लिए है जिन्होंने सरकारी विद्यालयों से दसवीं और बारहवीं की पढ़ाई पूरी की है और वर्तमान में स्नातक या डिप्लोमा में नामांकन लिया है। चयनित छात्राओं को रु. 30,000 रुपये की राशि प्रतिवर्ष 3 से 5 वर्षों तक प्रदान की जाएगी। यह आर्थिक सहयोग छात्राओं की उच्च शिक्षा में निरंतरता सुनिश्चित करेगा और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रोत्साहित करेगा।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि यह स्कॉलरशिप केवल आर्थिक सहायता ही नहीं है, बल्कि ग्रामीण और वंचित पृष्ठभूमि से आने वाली प्रतिभाशाली छात्राओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोलने का माध्यम है।

एक नजर

गरुड़ा गांव में मां-बेटे पर हमला कर अपराधियों ने दो लाख सहित चैन छीना

संझौली में देर रात अपराधियों ने घटना को दिया अंजाम

संझौली। थाना क्षेत्र के गरुड़ा गांव में गुरुवार की रात अपराधियों ने एक घर में घुसकर लूटपाट और मारपीट की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घटना रात करीब नौ बजे की बताई जाती है। बदमाशों ने घर में घुसकर मां-बेटे पर हमला किया और करीब दो लाख रुपये नकद तथा सोने का चेन लेकर फरार हो गए। पीड़िता कौशल्या देवी ने बताया कि गांव के ही 6 से 7 लोग जबरन उनके घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उन पर हमला बोल दिया। इस दौरान उनका बेटा कृष्णा कुमार बीच-बचाव करने आया तो बदमाशों ने लाठी से उसके सिर पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक वहीं जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद हमलावरों ने घर में रखे नकद रुपये और जेवर समेट लिए और धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता किसी तरह संझौली थाना पहुंची और लिखित शिकायत दर्ज कराई। थानाध्यक्ष पूनम कुमारी ने बताया कि पीड़िता की प्राथमिकी पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों की पहचान में जुटी है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध शराब के साथ आरोपी को जेल

राजपुर। राजपुर प्रखंड के बघेला थाना क्षेत्र के पड़रिया से पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है । थानाध्यक्ष करण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वर्गीय राम आशीष पासवान के 58 वर्षीय पुत्र महेंद्र पासवान,जो थाना क्षेत्र के घोरडीही गांव के निवासी हैं, को 1.4 लीटर देसी महुआ शराब के साथ पकड़ा गया । उन्होंने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है । पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री पर सख्त कार्रवाई की जा रही है और इस तरह के अभियानों में निरंतरता बनी रहेगी ।

राज्यव्यापी दिव्यांगजन खेल प्रतियोगिता का स्टेडियम में हुआ आयोजन

सासाराम । जिला के फजलगंज स्टेडियम में राज्यव्यापी दिव्यांगजन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता में दिव्यांगजनों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया एवं इसे उत्सव के रूप में मनाया गया। इस प्रतियोगिता में रोहतास एवं कैमूर जिला के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में पैरा बैडमिंटन एवं पैरा एथेलेटिक्स खेल विधा का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का शुभ आरंभ उप विकास आयुक्त, रोहतास, जिला शिक्षा पदाधिकारी, एवं अनुमंडल पदाधिकारी, सासाराम के कर कमलों द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। इस आयोजन में बिहार पैरा स्पोर्ट एसोसिएशन रोहतास, इकाई एवं बिहार पीडब्लूडी संघ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आयोजन में अतिथि के रूप में बिहार पैरा स्पोर्टस एसोसिएशन के सचिव श्री संदीप कुमार रहे। अन्य गणमान्यों में जिला खेल पदाधिकारी, सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा एवं डीपीएम बुनियाद केन्द्र रहें। आयोजन के जिला समन्वयन के रूप में कमलेश कुमार, जिला अध्यक्ष, बिहार पैरा स्पोर्ट एसोसिएशन रोहतास रहे एवं कार्यक्रम के सम्पूर्ण प्रभार में सहायक निदेशक, अफताब करीम रहे। आयोजन में अनेक प्रकार की खेल विधायें शामिल रही। जिनमें प्रतिभागियों ने पूरे हर्षोउल्लास से भाग लिया।

नगर परिषद कर्मियों ने स्वच्छता के प्रति लिया शपथ

नोखा । नगर परिषद सभागार में सभापति राधेश्याम सिंह के अध्यक्षता में कर्मियों ने लिया स्वच्छता की शपथ। शपथ लेते हुए जनप्रतिनिधियों के साथ कर्मियों ने भी नगर परिषद के सौंदर्यीकरण के लिए स्वच्छता के प्रति सजग रहने का संकल्प लिया। अवसर पर नगर परिषद,नोखा सभागार में वार्ड पार्षदों व कर्मियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी। मौके पर सभापति राधेश्याम ने कहा कि जीवन में स्वच्छता का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने पार्षदों व कर्मियों से प्रतिदिन स्वच्छता पर कुछ न कुछ समय देने की अपील की। वहीं कार्यपालक पदाधिकारी अमित कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था, वह स्वच्छता से संभव हो सकता है। उन्होंने पार्षदों व कर्मियों से स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने तथा लोगों को स्वच्छता को लेकर प्रेरित करने का आग्रह किया। मौके पर उप सभापति,प्रवीण कुमार ओझा, ब्रांड एंबेसडर राजेन्द्र सिंह, सत्यनारायण प्रसाद, संजय कुमार,नेहा कुमारी सहित सभी नगर कर्मी सहित जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ की बैठक में प्रदेश में नव मनोनीत पदाधिकारियों को दी गई बधाई

सासाराम । अधिवक्ता संघ सासाराम में रोहतास भाजपा विधि प्रकोष्ठ के अधिवक्ताओं द्वारा बिहार भाजपा विधि प्रकोष्ठ के संयोजक बिंध्याचल राय के द्वारा प्रदेश सह संयोजक के रूप में संजय कुमार राम, धर्मेंद्र प्रताप दुबे एवं क्षेत्रिय प्रभारी के रूप में अरबिंद चौबे को मनोनीत किये जाने पर बधाई एवं शुभकामना दी गई, साथ ही प्रदेश नेतृत्व के प्रति अपना हृदय से आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर रोहतास भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक कमलेश कुमार सिन्हा ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि इन पदाधिकारियों के मनोनयन से बिहार भाजपा विधि प्रकोष्ठ के साथ इनके मार्गदर्शन एवं कार्यो से हमारे जिला संगठन को एक नई ऊर्जा मिलेगी और साथ ही साथ आगामी 2025 बिहार विधानसभा चुनाव में इनके साथ रोहतास जिला ही नहीं शाहाबाद जिले के विधि प्रकोष्ठ के सभी अधिवक्ता पुरे जुनून के साथ विधानसभा की सभी सीटों पर एन डी ए के प्रत्याशियों को जिताकर विधान सभा में भेजने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। बैठक में प्रकोष्ठ के सह संयोजक मनोज कुमार, प्रवक्ता संजय कुमार तिवारी, कार्यसमिति सदस्य शशि भूषण प्रसाद सिंह, मनोज कुमार, अरुण कुमार, मो0 जामिन, राजेंद्र शर्मा, अनिल कुमार, राज बिहारी सिंह, सुरेंद्र प्रसाद, जनक राज किशोरी, तेज उपेंद्र नारायण, दीपक कुमार राय सहित कई अन्य अधिवक्ता मौजूद थे।

गलत काम करने वालों पर होगा कड़ा एक्शन

बिहार में मूर्ति विसर्जन के दौरान वीडियोग्राफी अनिवार्य

एजेंसी। पटना

बिहार में दुर्गा पूजा की तैयारियां पूरे जोश के साथ शुरू हो चुकी हैं। ऐसे में नवरात्रि के आगमन से पहले प्रशासन ने सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। इस बार मूर्ति विसर्जन के दौरान हर समूह की वीडियोग्राफी की जाएगी ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसके साथ ही, छतों से पत्थर या मांस के टुकड़े फेंकने जैसी घटनाओं पर भी सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। प्रशासन का मकसद है कि यह पर्व शांतिपूर्ण और भाईचारे के माहौल में संपन्न हो। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में हाल ही में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई,

जिसमें सुरक्षा व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में सभी जिलों के डीएम, एसपी, डीआईजी, आईजी और रेलवे एसपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। निर्देश दिए गए कि भीड़ नियंत्रण, सोशल मीडिया पर नजर और संवेदनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जाए। खास तौर पर मूर्ति विसर्जन के दौरान होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए भौतिक सत्यापन और वीडियोग्राफी को अनिवार्य किया गया है ताकि किसी भी तरह के सांप्रदायिक तनाव को टाला जा सके। पिछले कुछ वर्षों में मूर्ति विसर्जन के दौरान पत्थरबाजी या मांस के टुकड़े फेंके जाने जैसी घटनाएं सामने आई हैं, जिससे समुदायों के बीच तनाव पैदा हुआ है। इस बार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन ने पहले से ही कड़े कदम उठाने की योजना बनाई है। वीडियोग्राफी के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी और किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने और ड्रोन जैसे आधुनिक उपकरणों के इस्तेमाल की भी बात हो रही है। दुर्गा पूजा के साथ-साथ दीवाली और छठ जैसे बड़े त्योहारों को देखते हुए बिजली आपूर्ति की व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जा रहा है। ऊर्जा सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में पंडालों और आसपास के इलाकों में सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी भी अनहोनी की स्थिति में बिजली तुरंत काटने की व्यवस्था भी की गई है।

केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर की अचनाक तबीयत बिगड़ी, एयर एम्बुलेंस से लाया गया पटना

एजेंसी। पटना

बिहार की राजनीति से जुड़ीं एक अहम खबर सामने आ रही है। खबर यह है कि भारत सरकार के मंत्री और जेडीयू नेता रामनाथ ठाकुर की तबियत अचनाक से बिगड़ गई है। इसके बाद इन्हें आनन -फानन में एयर एम्बुलेंस से लाया गया है। इसके बाद उन्हें बेहतरीन इलाज के लिए किसी बड़े अस्पताल में ले जाने की चर्चा चल रही है। जानकारी के अनुसार, भागलपुर में शनिवार को एनडीए के कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। देर रात उन्हें तेज बुखार की शिकायत मिली थी उसके बाद उन्हें नजदीकी डॉक्टर के पास लाया गया। जांच के बाद डॉक्टरों ने वायरल फीवर के साथ टाइफाइड की पुष्टि की। फिलहाल उन्हें भागलपुर सर्किट हाउस में डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। इसके बाद अब एयर एम्बुलेंस से उन्हे पटना लाने की सूचना है। इस मामले में जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के सहायक प्रोफेसर डॉ. आनंद सिन्हा ने बताया कि मंत्री ठाकुर को पहले से ही ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और प्रोस्टेट की समस्या है। इसके बावजूद उनकी स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और उन्हें स्लाइन चढ़ाया जा रहा है। डॉक्टर लगातार स्वास्थ्य की निगरानी कर रहे हैं। इसके बाद मंत्री की तबीयत खराब होने की सूचना मिलते ही भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन, जदयू नेता कहकशां परवीन और भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष साह उनसे मिलने सर्किट हाउस पहुंचे।

दोनों योजनाओं पर कुल मिलाकर 60 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की जाएगी

हिलसा और दरभंगा में दो बड़ी सड़क योजनाओं को मंजूरी, 60 करोड़ से ज्यादा रुपये होंगे खर्च

■ हिलसा में बनेगा नया बाईपास

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनावी साल में प्रवेश कर चुका है और ऐसे में सरकार लगातार जनता को बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने वाली योजनाओं की सौगात दे रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने शुक्रवार को दो अहम सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। पहली परियोजना नालंदा जिले के हिलसा अनुमंडल में बाईपास सड़क निर्माण से जुड़ी है, जबकि दूसरी परियोजना दरभंगा जिले की एक प्रमुख सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण से संबंधित है। इन दोनों योजनाओं पर कुल मिलाकर 60 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की जाएगी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि नालंदा जिले के हिलसा अनुमंडल अंतर्गत पनपनवां-छिड्डी-बेजापट्टी बाईपास पथ के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना की कुल लंबाई 3.930 किलोमीटर होगी और इसे सात निश्चय-2 के अंतर्गत सुलभ संपर्कता प्रक्षेत्र से राज्य योजना के तहत वित्त पोषित किया जाएगा। इसके लिए कुल 29.83 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस सड़क परियोजना के पूरा होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में आसानी होगी, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। योजना के तहत वर्ष 2025-26 में लगभग 2088 लाख रुपये खर्च कर 70 प्रतिशत कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शेष काम वित्तीय वर्ष 2026-27 में किया जाएगा, जिस पर करीब 895.50 लाख रुपये खर्च होंगे।

दरभंगा में सड़क का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण

इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री चौधरी ने दरभंगा जिले में दोघरा से एस.एच.-52 हरदिया सड़क (दोघरा-वसंत जालेसाठी चौक से बसंत एवं एल.ओ.-47 से चन्दौना का अंश) के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण कार्य को भी मंजूरी देने की घोषणा की। इस योजना पर कुल 29.92 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें 22.44 करोड़ रुपये राज्य राजमार्ग मद से और 7.48 करोड़ रुपये विशेष योजना मद से खर्च किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस सड़क निर्माण का काम दो चरणों में पूरा किया जाएगा। वर्ष 2025-26 में करीब 50 प्रतिशत कार्य करने का लक्ष्य है, जबकि शेष काम 2026-27 में पूरा किया जाएगा। परियोजना पूरी होने के बाद दरभंगा और आसपास के क्षेत्रों में बेहतर सड़क नेटवर्क उपलब्ध होगा।

बदल चुका है बिहार

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार की पहचान अब जर्जर सड़कों से नहीं बल्कि फोरलेन, एक्सप्रेसवे, फ्लाईओवर और मेगाब्रिज जैसी आधुनिक संरचनाओं से हो रही है। यह बदलाव जनता महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार में सड़क और पुल-पुलियों जैसे बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2005 से अब तक बिहार के सड़क नेटवर्क में व्यापक वृद्धि हुई है। इसी क्रम में हिलसा और दरभंगा में नई सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जो स्थानीय लोगों की सुविधा बढ़ाने और क्षेत्र के विकास को नई दिशा देने का काम करेगी।

दाखिल-खारिज को लेकर नीतीश सरकार ने जारी की नई गाइडलाइन

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने राज्य के सभी रैयतों और आम नागरिकों को जमीन खरीदने से पहले पूरी तरह सतर्क रहने की अपील की है। विभाग का कहना है कि जमीन की खरीद-बिक्री के मामलों में सबसे बड़ी समस्या विवादित जमीन से जुड़ी होती है। कई बार लोग बिना जांच-पड़ताल किए जमीन खरीद लेते हैं, जिससे बाद में आर्थिक नुकसान तो होता ही है, साथ ही लंबी कानूनी लड़ाई में भी फंसना पड़ता है। भूमि सुधार विभाग के मुताबिक, दाखिल-खारिज आवेदन के अस्वीकृत होने की सबसे बड़ी वजह जमीन का विवादित होना है। जब खरीदी गई जमीन पर स्वामित्व को लेकर विवाद होता है या उस जमीन पर पहले से किसी का दावा होता है, तो रजिस्ट्री के बाद भी दाखिल-खारिज प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाती। इसलिए विभाग ने स्पष्ट किया है कि जमीन खरीदने से पहले खरीदार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि संबंधित जमीन का मालिक वही व्यक्ति है जो रजिस्ट्री करवा रहा है और उसका वैध जमाबंदी भी मौजूद है। जमीन खरीद से पहले रैयतों को निम्नलिखित तथ्यों की जांच-पड़ताल करने की सलाह दी गई है। जिसमें जमाबंदी की स्थिति देखने को कहा गया है यानी जमीन केवल उसी व्यक्ति से खरीदें, जिसका नाम वैध जमाबंदी में दर्ज हो। जमीन की श्रेणी जिसमें कैसरे हिंद, गैरमजरूआ खास, गैरमजरूआ आम या भूदान बंदोबस्ती जैसी श्रेणियों को स्पष्ट रूप से समझें। इसके साथ ही स्पष्ट बंटवारा हो बिना बंटवारे वाली जमीन खरीदने से भविष्य में विवाद हो सकता है। हमेशा बंटवारे के बाद बनी नई जमाबंदी के आधार पर ही जमीन खरीदें।सीमांकन और चौहद्दी का ध्यान रखें मतलब जमीन की खाता, रकवा, चौहद्दी और खेसरा संख्या का मिलान जरूर करें। सीमांकन और चहारदीवारी करवाने से भविष्य में सीमा विवाद से बचाव होता है।विभाग ने यह भी बताया कि अब जमीन की स्थिति की जांच करने के लिए ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध है।

पटना में ट्रेन से कटकर तीन लोगों की दर्दनाक मौत

पटना। पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत पंडारक प्रखंड में शुक्रवार को एक दुखद रेल हादसा हो गया। मेकरा ममरखाबाद हॉल्ट के पास रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ जाने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के अनुसार, यह सभी लोग नालंदा जिले के टाडापर गांव से गोपकिता गांव लड़की देखने जा रहे थे। मृतकों की पहचान गोविंदा मांझी, जीतो मांझी और रीतलाल मांझी के रूप में हुई है। वहीं, गंभीर रूप से घायल व्यक्ति का नाम जगलाल मांझी है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लगभग 25 लोगों का यह दल अपनी गाड़ी ममरखाबाद हॉल्ट के पास खड़ी कर पैदल ही रेल पटरी के किनारे-किनारे गोपकिता गांव की ओर जा रहा था। तभी अचानक दोनों ओर से ट्रेनें आ गईं, जिससे अफरा-तफरी मच गई। कई लोग इधर-उधर भागने लगे, लेकिन कुछ लोग ट्रेन की चपेट में आ गए। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। स्थानीय प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया है और परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिहार में डायरिया से दो लोगों की मौत, एक सौ से अधिक लोग संक्रमित

■ मेडिकल टीम पहुंची गांव

एजेंसी। दरभंगा

बिहार के दरभंगा में डायरिया से दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक सौ से अधिक लोग इसकी चपेट में हैं। दो लोगों की मौत के बाद गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी मिलने के बाद मेडिकल टीम गांव पहुंची है और संक्रमित लोगों का इलाज किया जा रहा है। दरअसल, सदर प्रखंड का सारा मोहनपुर गांव इन दिनों दहशत में है। डायरिया से दीप लाल यादव और लक्ष्मी देवी की मौत हो गई है। वहीं करीब सौ लोग उल्टी-दस्त और बुखार से पीड़ित हैं। जानकारी मिलने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में कैंप लगाकर इलाज कर रही है। सिविल सर्जन अरुण कुमार ने बताया कि 75 लोग

बीमार हैं और अब तक दो की मौत हो चुकी है। गंगवारा सदर अस्पताल में अतिरिक्त बेड लगाए गए हैं। दवाओं की आपूर्ति की गई है और डॉक्टरों की टीम तैनात कर दी गई है। बीमारों को इलाज के लिए गंगवारा सदर अस्पताल और डीएमसीएच में भर्ती कराया जा रहा है।ग्रामीण ने बताया की सबसे पहले बच्चों को हुआ, फिर धीरे-धीरे पूरा गांव बीमार पड़ गया। गांव में अचानक बढ़ती बीमारी से लोग घबराए हुए हैं। मृतक के पति का कहना है कि समय पर इलाज नहीं मिलने की वजह से उनकी पत्नी की जान चली गई। मेरी पत्नी को उल्टी-दस्त हुआ। डीएमसीएच में भर्ती करवाया लेकिन आज उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों में अब भी दहशत का माहौल है।

पेट्रोल पंप मालिक की बूढ़ी गंडक नदी में मिला शव

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय से चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां बूढ़ी गंडक नदी में शुक्रवार सुबह एक शव मिलने से सनसनी फैल गई। बेगूसराय जिले के नावकोठी थाना क्षेत्र स्थित इसफा पुल के पास की है। मृतक की पहचान अन्नपूर्णा फ्यूल सेंटर, नावकोठी के मालिक 55 वर्षीय राकेश कुमार उर्फ. पिंटू सिंह के रूप में हुई। जानकारी के मुताबिकराकेश कुमार गुरुवार शाम चांदपुरा और इसफा क्षेत्र में तगादा कर रहे थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन उनकी तलाश में निकले, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार सुबह मछुआरों ने नदी में फंसी लाश देखकर इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही नावकोठी थानाध्यक्ष ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बिहार राज्य में इस सप्ताह मानसून की गतिविधियां तेज बनी हुई हैं

पटना में झमाझम बारिश, कई जिलों में यलो अलर्ट

बिहार में मानसून अब भी सक्रिय है। 19 सितंबर को कैमूर, रोहतास, गया, किशनगंज, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, वैशाली, नालंदा, नवादा समेत कुछ जिलों में बारिश और वज्रपात का यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं पटना, गया, नालंदा, शेखुपरा, नवादा, बेगूसराय, लखीसराय, जहानाबाद, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल में अनेक स्थानों पर आज बारिश के आसार हैं। पटना में सुबह 11 बजे से बारिश हो रही है। झमाझम बारिश के कारण मौसम सुहाना हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बिहार राज्य में इस

सप्ताह मानसून की गतिविधियां तेज बनी हुई हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा अभी भी राज्य के ऊपर सक्रिय है, जिससे अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। उत्तर-पश्चिम और उत्तर-मध्य बिहार में नमी युक्त पूर्वी हवाएं प्रभावशाली बनी हुई हैं।मौसम विभाग ने बिहार के सभी जिलों में 24 सितंबर तक एक या दो स्थानों पर बारिश होने की संभावना जताई गई है। खासतौर पर उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य और उत्तर-पूर्व बिहार में 19 सितम्बर को कई स्थानों पर वर्षा संभावित है। इसके बाद बारिश की तीव्रता कुछ क्षेत्रों में कम हो सकती है, लेकिन अलग-अलग स्थानों पर बूंदाबांदी जारी रहेगी। वहीं 20 से 24 सितम्बर बारिश की तीव्रता कुछ कम, लेकिन अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना बनी रहेगी।अगले पांच दिनों में वज्रपात और आंधी की संभावना बनी हुई है।

मौसम विभाग ने क्या चेतावनी जानकारी की

- 19 से 21 सितम्बरः उत्तर-मध्य और पूर्वी जिलों जैसे मुजफ्फरपुर, सहरसा, भोजपुर, सुपौल, अररिया आदि में कहीं-कहीं भारी बारिश।
- 22 से 24 सितम्बरः वज्रपात की आशंका दक्षिण और दक्षिण-मध्य जिलों में बनी हुई है।
- 19 से 24 सितम्बरः तापमान सामान्य बना रहेगा।
- 22 सितम्बर से कुछ क्षेत्रों में तापमान 32-34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

सुभाषितम्

व्यथा और वेदना की पाठशाला में जो पाठ सीखे जाते हैं, वे पुस्तकों तथा विश्वविद्यालयों में नहीं मिलते। - अज्ञात

भारत में 7 लोगों में से 1 मनोरोगी

देश तेजी से आर्थिक और तकनीकी प्रगति कर रहा है। वहीं लोगों की मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य संस्थाओं के आंकड़े बताते हैं, भारत में हर सात में से एक व्यक्ति किसी न किसी मानसिक रोग से जूझ रहा है। यह स्थिति तब और भयावह हो जाती है। जब यह तथ्य सामने आता है, देश की लगभग 70 फीसदी आबादी किसी न किसी किस्म की मानसिक समस्या से प्रभावित है। अवसाद, तनाव, चिंता, नशे की लत और व्यक्तित्व विकार जैसी समस्याएँ आम होती जा रही हैं। इस विकट समस्या की सबसे बड़ी वजह, मानसिक स्वास्थ्य को लेकर है समाज की अनभिज्ञता और उपेक्षा के कारण लोग मनोरोगी बन रहे हैं। लोग शारीरिक बीमारियों के इलाज के लिए तुरंत डॉक्टर के पास चले जाते हैं। मानसिक रोगों को लो लेकर वह अपनी बीमारी को छिपाते हैं परिवार और समाज में मानसिक बीमारियों को लेकर फैली गलत धारणाओं और डर कहीं लोग उसे पागल नहीं मानने लगे। इस घर से वह डॉक्टरों की मदद लेने से उन्हें रोकता है। भारत में मनोरोगियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है। इलाज करने के लिए भारत में डॉक्टर ही उपलब्ध नहीं हैं। भारत में प्रति दस लाख जनसंख्या पर दस से भी कम मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ उपलब्ध हैं। मानसिक रोगियों के इलाज के लिए संसाधन भी बेहद सीमित हैं। शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली ने लोगों के मानसिक दबाव को बढ़ा दिया है। बेरोजगारी, रिश्तों में तनाव, आर्थिक असमानता और सोशल मीडिया का अधिक समय तक उपयोग, एक ही चीज को लंबे समय तक देखते रहने के कारण यह एक नशे के रूप में भी सामने आ रहा है। गांजा भांग अफीम चरस एमडी ड्रग इत्यादि का नशा एक सीमित समय तक रहता है। सोशल मीडिया का नशा दिनों दिन बढ़ता ही चला जाता है। जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहद कमजोर बना रहा है। लोगों की सोचने समझने की क्षमता भी धीरे-धीरे कम होती जा रही है। इसका असर याददाश्त पर भी पड़ रहा है। जो लोग सोशल मीडिया पर ज्यादा समय रहते हैं। उनमें डर और भय भी ज्यादा देखने को मिल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक है। ग्रामीण अंचलों में भी इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग काफी तेजी के साथ बढ़ गया है। सभी वर्गों के लोग सोशल मीडिया से जुड़े हुए हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया के माध्यम से जो वह देखते हैं। उसका प्रभाव उनके ऊपर पड़ता है। जो वह देखते हैं और जो छिपा करते हैं। उन्हें पाना उनके लिए संभव नहीं होता है। जिसके कारण भी मानसिक रोग अब गांव से शहरों तक में बराबरी से देखने को मिल रहा है। ग्रामीण अंचलों और वहां के निम्न और मध्यम परिवारों में जागरूकता और उपचार की सुविधाएँ लगभग नदारद हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए आवश्यक है। मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं का हिस्सा बनाया जाए। स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने की शिक्षा दी जाए। युवा पीढ़ी मस्तिष्क के तनाव, उसका प्रबंधन और आत्म-नियंत्रण के बारे में जान सके। सरकार को भी इंटरनेट और सोशल मीडिया की लत का शिकार होने से बचाने के प्रयास करने चाहिए। सोशल मीडिया का उपयोग जानकारी प्राप्त करने और जरूरतों के लिए हो। सरकार को मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की संख्या बढ़ाने तथा समय-समय पर स्कूल और कॉलेज में शिविर लगाकर जांच की जानी चाहिए। आम आदमी मनोरोग का शिकार ना हो, इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। इसके साथ परिवार और समाज को भी संवेदनशील बनना होगा। मानसिक रोगियों को किसी कमजोरी की तरह देखने के बजाय इसे सामान्य बीमारी की तरह स्वीकार करना जरूरी है। मीडिया और जनसंचार माध्यमों को भी सकारात्मक भूमिका निभाने सामने आना होगा। भारत में मानसिक रोगियों की संख्या बढ़ने का कारण केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं है। सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के साथ-साथ महंगाई और बेरोजगारी भी बहुत बड़ी समस्या है।

चिंतन-मनन

अनमोल हैं कड़वे बोल

किसी ने कहा है कि अंधेरे में माचिस तलाशता हुआ हाथ, अंधेरे में होते हुए भी अंधेरे में नहीं होता, इस तलाश को अपने भीतर निरंतर जीवित रखना कोई साधारण बात नहीं है, परंतु जो लोग सफर की हदों को पहचानते हैं, जिन्हें हर मंजिल के बाद किसी नए सफर पर चल पड़ने की लत है, उनके भीतर से यह खोज कभी खत्म नहीं होती। अचूक शैली में, अपने क्रांतिकारी विचारों से लोगों को अपनी ही खोज के तौर तरीके बताने वाले राष्ट्रसंत मुनि तरुणसागर जी महाराज की वाणी सहज आकर्षण का विषय बन गई है। ऐसे समय में जब अपने हक में हर खुशी बटोर लेने की अदम्य लालसा लोगों को दुनिया के दुःख दर्द से कोसों दूर ले जा रही है। मुनि श्री दुनिया को खुशी और गम की सही परिभाषा बता रहे हैं। यह सिर्फ संयोग नहीं है कि वे जहां भी पहुंचते हैं, सबसे पहले यही कहते हैं कि मैं कथा सुनाने नहीं जीवन की व्यथा सुनाने आया हूं। यह व्यथा घर-घर की कहानी है, जिसे एक बड़े आदमी की शक्ल में सामने रखकर मुनि तरूण सागर जी पुकार कर कह उठते हैं कि इसे न तो ठुकराओ, न ही झुठलाने की कोशिश करो, बेहतर यही है कि इस व्यथा के बीच से ही जीवन का रस हासिल कर लो। मुनि तरुण सागर जी के बोल, सुनने वाले को भावित-प्रभावित तो करते ही हैं, उसे झकझोर कर भी रख देते हैं। उन्हें सुनते समय या पढ़ते समय आप अनुभव करते हैं कि आपकी अपनी जिंदगी एक धारावाहिक के रूप में आपकी आंखों के सामने तैरने लगी है। उनकी वाणी अतीत की जड़ता से उबारने और वर्तमान की लापरवाही के प्रति सचेत करने का काम करती है। वह आपके जख्मों को सहलाने के बदले यदि अधिक कुरदने की मुद्रा में दिख भी रही हो तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि मुनि श्री आपको स्थाई रूप से तंदुरूस्त बनाने का उद्यम कर रहे हैं। सूत्र शैली में संदेश देने वाले मुनि तरूण सागर जी को अपनी वाणी को कड़वे प्रवचन कहने पर इत्मीनान यदि है तो सिर्फ इसलिए कि वे जानते हैं, इंसान की प्रवृत्ति और कभी न बदलने की उसकी जिद इतनी कठिन और जटिल है कि सीधी उंगली से घी निकालना मुमकिन नहीं है।

मोदी-ट्रंप के सार्थक संवाद से क्या राह बदलेगी?

- ललित गर्ग

नई दिल्ली में भारत-अमेरिकी व्यापार वार्ता की बाधाओं को दूर करने पर दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक बातचीत के दौरान करीब तीन महीने बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके जन्मदिन की बधाई देते हुए रूस-यूक्रेन युद्धविराम का समर्थन करने के लिए आभार जताना, दोनों देशों के बीच रिश्तों में आई तल्खी को कम करने की कोशिश मानी जानी चाहिए। मोदी और ट्रंप के बीच हुई इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों में नई आशा और सकारात्मकता का संचार किया है। क्योंकि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद भारत ने संयम बरता एवं तीखी प्रतिक्रिया की बजाय मसले के सुलझने का इंतजार करते हुए विवेक एवं समझदारी का परिचय दिया। भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में जरूरी हो गया है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। इसी बात को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्वीकार करते हुए यह उम्मीद जताई थी कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, यही मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। मोदी एवं ट्रंप का ताजा संवाद इसी की निष्पत्ति बना है। यह संवाद मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर हुआ और इसमें अतीत की कई कड़वाहटों को पीछे छोड़कर भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। दरअसल, दोनों नेताओं की बातचीत का बड़ा कारण शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में रूस, चीन और भारत के शीर्ष नेताओं की गर्मजोशी भी बना, उससे ट्रंप की चिंताएं बढ़ी थी, इस बैठक के बाद ही पहली बार ट्रंप के रुख में नरमी के संकेत मिले थे। उसके बाद दस सितंबर को फिर ट्रंप ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वाताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी है। ताजा वार्ता ने यह संदेश दिया कि भारत और अमेरिका के रिश्ते किसी एक घटना या परिस्थिति पर निर्भर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन रणनीति और साझा हितों की नींव पर खड़े हैं।

आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य को भी प्रभावित करता है। अमेरिका जहां विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति है, वहीं भारत उभरती हुई आर्थिक ताकत और सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दोनों की साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और वैश्विक शांति की आकांक्षाओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में कभी-कभी मतभेद जरूर सामने आए-जैसे व्यापार शुल्क, वीजा नीतियां, भारत-पाक सीजफायर और रक्षा समझौते इन मतभेदों के बावजूद रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। कभी शुल्क वृद्धि को लेकर तनाव हुआ, तो कभी आयात-निर्यात की नीतियों को लेकर असहमति। किंतु ट्रंप-मोदी वार्ता के बाद एक बार फिर नए समझौते और अवसर सामने आ सकते हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और आईटी, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और तकनीकी निवेश में दोनों के बीच गहरा सहयोग है। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापारिक अड़चनों को दूर करने पर जोर दिया है और ट्रंप ने भी व्यापार घाटे को कम करने के लिए सहयोग का संकेत दिया। यह संकेत आने वाले समय में द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। भारत और अमेरिका का रक्षा सहयोग पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने भारत को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है और संयुक्त सैन्य अभ्यासों से सुरक्षा साझेदारी मजबूत हुई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत-अमेरिका का रक्षा सहयोग न केवल द्विपक्षीय है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन के लिए अहम है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता बनी कि पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह ट्रंप की महत्वाकांक्षाओं एवं अतिश्योक्तिपूर्ण हरकतों से पिछले कुछ दिनों में बेकार होती हुई दिख रही थी। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार दोनों शीर्ष नेताओं की बातचीत से अब अंधेरे छंटते हुए दिख रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन कायम रखने में और बड़ी भूमिका निभाए, वहीं भारत अपनी सामरिक स्वतंत्रता बनाए रखते हुए सहयोग को और गहरा करना चाहता है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में अमेरिका एक अहम सहयोगी बन सकता है। अमेरिका से तरलीकृत प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल का आयात बढ़ रहा है। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। तकनीकी क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच साझेदारी मजबूत है। सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष अनुसंधान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग आने वाले दशकों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोग दोनों देशों के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं। चाहे राजनीति हो, शिक्षा, स्वास्थ्य या तकनीक-भारतीय-अमेरिकी समुदाय का योगदान उल्लेखनीय है। यह समुदाय भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों को भावनात्मक और सांस्कृतिक आधार देता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत में भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा भी हुई, जिसने दोनों देशों के बीच विश्वास और निकटता को और बढ़ाया। भारत और अमेरिका दोनों आतंकवाद से प्रभावित रहे हैं। 9/11 की घटना ने अमेरिका को और 26/11 ने भारत को गहरे जख्म दिए। यही कारण है कि आतंकवाद के खिलाफ दोनों का दृष्टिकोण काफी हद तक समान है। हाल की बातचीत में आतंकवाद को समाप्त करने और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। अफगानिस्तान और मध्य-एशिया की परिस्थितियों को देखते हुए भारत और अमेरिका का सहयोग वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए निर्णायक हो सकता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत ने यह साबित किया है कि अतीत के मतभेद रिश्तों का अंत नहीं, बल्कि नए संवाद का अवसर बन सकते हैं। व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और आतंकवाद जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी है। आज जब दुनिया वैश्विक महामारी, आर्थिक संकट, युद्ध की विभीषिका और भू-राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही है, भारत और अमेरिका की साझेदारी नई दिशा और स्थिरता का संकेत देती है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार-वार्ता में बेशक व्यवधान आए हों, पर भारत और यूरोपीय संघ के बीच जिस गति से वार्ता हो रही है, उससे वर्ष के अंत तक दोनों में व्यापार समझौता होने की पूरी उम्मीद है। असल में दोनों देशों के बीच पांच दौर की व्यापार वार्ता हो चुकी है, लेकिन 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद छठे दौर की प्रस्तावित वार्ता रुक गई थी, जो बीते मंगलवार से फिर पटरी पर लौट आई है। दरअसल, ट्रंप प्रशासन चाहता है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए पूरी तरह से खोले, लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है, क्योंकि यह उसके किसानों व मछुआरों के हितों के खिलाफ है।

लाशों के लग रहे अंबार, कब थमेगी बेरहम बरसात की रफ्तार?

- नरेन्द्र भारती

विश्व में देवभूमि के नाम से विख्यात हिमाचल में बाढ़ व भूस्खलन की घटनाएं निर्बाध हो रही हैं ।किन्नौर से लेकर भरमौर तक बेरहम प्रकृति के तांडव की एक व्यापक व भयावह त्रासदी के बाद धीरे धीरे जीवन पटरी पर लौटने लगा था लेकिन बेरहम बरसात की रफतार थमने का नाम नहीं ले रही है मंडी, कुल्लु, चंबा, सरकाघाट, में बरसात का कहर लगातार जारी है। बरसात ने बुजुर्गों से लेकर अबोध ब मासूम बच्चों को काल के गाल में समा लिया है बरसात का यह खौफनाक मंजर बहुत ही खतरनाक होता जा रहा है। ताजा घटनाक्रम में 16 सितंबर 2025 को मंगलवार को पहली घटना धर्मपुर में सोन खडड में आई बाढ़ से दस साल बाद तबाही की इबारत लिखी है भारी बरसात व बादल फटने से धर्मपुर में बस अड-डे में भंयकर व भयावह तबाही हुई है लगभग 20 बसें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं तथा बस अडडे में दुकानों को भी क्षति हुई है। साल 2015 में भी सोन खडड में आई बाढ़ से काफी नुक्सान हुआ था। बीती घटनाओं से सबक सीख होता तो आज यह मंजर न होता लेकिन एक बार सोन खडड का रौद्र रुप बस अडडे को तबाह कर गया। दस साल बाद फिर से बाढ़ का यह मंजर हुआ है। दूसरी घटना में सुंदर नगर के निहरी में भूस्खलन होने से परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई मृतकों में दो महिलाएं और एक आठ माह के बच्चे की मौत हो गई। यह त्रासदी कब थमेगी हर जिला में लाशों के अंबार लग रहे हैं ।सराज,निरमंड ,सैंज में बहुत मानवीय त्रासदीयां हो चुकी हैं। पिछले तीन महीनों से बरसात की यह रफतार सैंकड़ों लोगों का जीवन लील चुकी है ।बाढ़ में दब चूके लोग अब तक नहीं मिल सके हैं। त्रासदी में खोये अपनों के गम में रात दिन रोते रहे लोगों की आखों के आंसू सूख चुके हैं आखें पथरा गई हैं क्योकि आखों के सामने सब उजड़ गया आशियाने उजड़ चुके हैं। अपनों को खोने का गम क्या होता है यह वही जान सकता है जिसने आखों के सामने अपनों को बहते देखा हो। तिनका तिनका बिखरा है अब मुआबजा मिलेगा तभी नए आशियाने बन सकते हैं। उम्र भर की पसीने की कमाई से बनाए घर तबाह हाक गए। पल भर में सब तबाह हो गया आलिशान आशियाने मिटटी में मिल गए अब मलवे के ढेर ही बचे हैं। 30 जून से उथल पुथल मची हुई है। सराज से शुरू हुए त्रासदी के आगाज का अंजाम हर जिला भुगत रहा है। प्रकृति के प्रकोप से कोई भी जिला अछूता नहीं रहा है ।विकास के नाम पर पहाड़ों को छलनी करने से मानव बाज नही आ रहा है और सजा भुगत रहा है ।प्रकृति से खिलवाड़ की कीमत चुकानी ही पडेगी ।पहाड़ खोखले होते जा रहे हैं पहाड़ों की बुनियादें हिल चुकी हैं और पहाड़ दरक रहे हैं। अंधाधुध खनन से पहाड़ों को काटा जा रहा है नतीजन पूरे के पूरे पहाड़ जमीन पर धराशायी हो रहे है और तबाही मचा रहे हैं। बरसात के कहर ने जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। हजारों लोग मौत के मुहं में समा चुके हैं ।बरसात के रौद्र रुप से हर तरफ तबाही का मंजर हुआ है। आज मानव अपनी करनी पर पछतावा कर रहा है लेकिन अब कोई चारा नजर नहीं आ रहा है। लाचार व बेसहारा हो चुका मानव अब आंसू बहा रहा है ।मानव अपनी गलतियों का नतीजा भुगत रहा है। काश पूर्व में यह गलतियां न की होती तो आज यह दुर्गति ना होती मगर माया में अंधा हो चुका इनसान बेहोश हो चुका था तब तक होश आया सब कुछ तबाह हो गया अब अपने किए कर्मों का फल प्राप्त कर रहा है। प्रतिवर्ष प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती रहती है तो कभी बाढ का रौद्र रुप जिंदगियां लीलता है ।कहते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते हैं ।देश के हर राज्य में बरसात का कहर बरप रहा है। प्रतिवर्ष लाखों लोग आपदा का दंश झेल रहे हैं ।हादसों में लोग अपंग हो रहे हैं बच्चे अनाथ होते जा रहे है ।प्रकृति से छेड़छाड़ बंद करनी होगी तभी इन हादसों पर रोक लग सकती है। अगर अब भी प्रकृति से खिलवाड़ बंद नहीं किया तो मानव को ऐसी सजाएं मिलती रहेगी। आपदाओं से सबक सीखना चाहिए ताकि आने वाले भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। हर त्रासदी के बाद बचाव पर चर्चा होती है लेकिन ऐसी त्रासदियां रुकती नहीं हैं। प्रकृति के इस विनाशकारी विभीषिका से बहुत मानवीय तबाही हो रही हैं ।परिवार के परिवार उजड़ गए हैं। देश के हर गांव व शहर में बरसात का कहर बरपता जा रहा है ।प्रकृति ने मानव को समय समय पर आगाह किया लेकिन आधुनिक मानव मनमानी कर रहा है ओर असमय ही काल के गाल में समाता जा रहा है। मानव को इन त्रासदियों को अनदेखा नहीं करना चाहिए ।सर्तकता बरतनी चाहिए कुदरत से छेड़छाड़ पूर्ण रुप से बंद करनी होगी तभी इन हादसों पर रोक लग सकती है।

उत्तराखंड में बोलियां, लोक संस्कृति और मौखिक परंपराएं

-देवेंद्र के. बुडाकोटी

बोलियाँ केवल भाषाई भिन्नताएँ नहीं होतीं—वे संस्कृतिक विरासत की संवाहक होती हैं, जो भौगोलिक, सामाजिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों से आकार लेती हैं। इन बोलियों का संरक्षण और शिक्षण क्षेत्रीय लोक संस्कृति को बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। परंपरागत रूप से, ये संस्कृतियाँ स्थानीय बोलियों की मौखिक परंपराओं के माध्यम से संरक्षित और आगे बढ़ाई जाती थीं। मलेशिया की एक कहावत हैः ह्लबहासा जिवा बंग्साह्व—अर्थात ह्लभाषा राष्ट्र की आत्मा होती है ह्व यह इस बात को रेखांकित करती है कि भाषा ही व्यक्ति की पहचान और आत्मा को परिभाषित करती है। यह कथन उत्तराखंड के संदर्भ में विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहाँ आज की युवा पीढ़ी अक्सर कहती है—ह्लमैं गढ़वाली या कुमाऊँनी समझ तो सकता हूँ, लेकिन बोल नहीं पाता ह्व लेकिन यदि कोई किसी बोली को समझ सकता है, तो थोड़े अभ्यास से वह उसे बोल भी सकता है। उदाहरण के लिए, मैं थोड़ा बहुत तमिल समझता हूँ, इसलिए थोड़ा बोल भी लेता हूँ। मुझे नेपाली और बंगाली लगभग 80% समझ में आती हैं, और मैं इन्हें लगभग 60% बोल भी सकता हूँ। मेरी बेटियाँ बंगाली धाराप्रवाह बोलती हैं—उनकी माँ की वजह से। लेकिन बोलियों के लुप्त होने का एक प्रमुख कारण यह है कि जो उत्तराखंडी माता-पिता शहरों में आकर बसे, उन्होंने अपने बच्चों को अपनी मातृभाषा बोलने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने हिंदी और बाद में अंग्रेजी को प्राथमिकता दी। शायद वे नहीं चाहते थे कि उनके बच्चे एक ग्रामीण या पिछड़ेपन की पहचान से जुड़े रहें। लेकिन यह समझना जरूरी है कि भाषा किसी भी संस्कृति की नींव होती है। जब कोई पीढ़ी अपनी बोली बोलना बंद कर देती है, तो वह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से कट जाती है। आज कई शहरी उत्तराखंडी युवा अपनी संस्कृति से भावनात्मक रूप से कटे हुए हैं। मेरे अनुमान से लगभग 50% शहरी उत्तराखंडी युवा अन्य समुदायों में विवाह कर रहे हैं। यद्यपि यह सामाजिक प्रगति को दशार्ता है, परंतु इससे भविष्य की पीढ़ियों में बोलियों और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण को लेकर चिंता भी उत्पन्न होती है। यहाँ तक कि पारंपरिक पहनावे—जैसे कि कुर्ता-पायजामा या धोती—भी अब शायद ही कभी देखे जाते हैं, यहाँ तक कि धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजनों में भी। अब ये वस्त्र केवल शादियों या औपचारिक आयोजनों तक सीमित रह गए हैं। कभी-कभी तो ऐसा भी लगता है कि राजनीतिज्ञों की पारंपरिक पोशाकों में छवि ने आम लोगों को इन्हें रोजमर्रा में पहनने से हतोत्साहित कर दिया है। पहाड़ी शादियाँ, जो कभी हल्दी हाथ, मंगल गीत जैसी विशिष्ट परंपराओं से भरी होती थीं, अब बदल गई हैं। पहले जहाँ गाँव की महिलाएँ तुरंत गीत गा देती थीं, अब उनकी जगह पेशेवर गायक, डीजे या मोबाइल रिकॉर्डिंग ने ले ली है। दूल्हे या रिश्तेदारों पर बनाए गए मजेदार, चुटीले गीत अब लगभग भुला दिए गए हैं—यहाँ तक कि गाँवों में भी। अब तो दोपहर में शादियाँ होना आम बात हो गई हैं—कहा जाता है कि यह कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण है। ऐतिहासिक रूप से, लोकगीत अनपढ़ पहाड़ी महिलाओं द्वारा रचे जाते थे, जब वे खेतों में काम करती थीं, पानी भरती थीं या लकड़ी इकट्ठा करती थीं।

आज का राशिफल

मेष मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, तो अपने साथियों और परिवार के सदस्यों का सहयोग प्राप्त हो सकता है।

तुला आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल भी हो सकते हैं।

वृषभ ऑफिस में आने वाली रुकावटें और समस्याएं सहयोगियों की सहायता से दूर होती जाएंगी।

वृश्चिक सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं, जिसके जरिए आपके कुछ उद्देश्य भी पूरे हो सकते हैं।

मिथुन अगर आपकी कोई कीमती चीज खो गई है तो अब उसके वापस मिलने की संभावना बनी हुई है।

धनु ऑफिस के माहौल में आपके लिए काम करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

कर्क यह दिन आपके लिए कुछ अवसरों और रुकावटों से भरा रह सकता है। अगर नया काम शुरू कर रहे हैं।

मकर आपको अपने प्रोजेक्ट में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और प्रयास करने होंगे।

सिंह किसी जमीन-जायदाद के मामले में फंसे हुए थे तो अब उनका समाधान मिल सकता है।

कुंभ किसी बात को लेकर बेचैन रह सकते हैं। कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से बचें।

कन्या पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे और अपने कार्यों को पूरा करने के मूड में रहेंगे।

मीन व्यापार के मामले में आप दोस्तों के सपोर्ट से किसी बड़े प्रोजेक्ट को फाइनल कर सकते हैं।

विशेष

क्या के कविता भाजपा में जाएंगी?

पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को पार्टी से निकाल दिया गया है। उन्होंने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने भाई के ऊपर आरोप लगाया है। वह पिताजी को गुमराह कर रहे हैं। तेलंगाना की राजनीति में अब कविता भाजपा या कांग्रेस किसको ज्वाइन करेंगी ।इसको लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। वह अपनी पार्टी भी बना सकती हैं। भाजपा की वाशिंग मशीन में जाकर धुल भी सकती हैं। तेलंगाना में के कविता चचाओं में बनी हुई हैं।

पवित्र धर्मस्थली मे मेगा रिसोर्ट

मिश्र का सीनाई पर्वत जहां उगते सूरज को देखने के लिए लाखों पर्यटक हर साल जुटते हैं। यह सबसे पवित्र स्थल है। ईसाई यहूदी और इस्लाम धर्म के लोगों की विशेष आस्था है। तीनों धर्म के मानने वाले यहां पर पहुंचते हैं। स्थानीय लोग इसे मूसा के नाम से जानते हैं। मूसा में इन तीनों धर्म का जन्म हुआ है। यह वही जगह है जहां से बाइबल और कुरान के अनुसार जलती हुई झाड़ी से पैगंबर ने बात की थी। ईसाइयों का मठ भी यहीं स्थित है। यूनेस्को की वैश्विक धरोहर में शामिल है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस स्थल को आलीशान होटल विला और शॉपिंग मॉल के रूप में विकसित करने जा रहे हैं। जहां मौज मस्ती के सारे साधन होंगे। इसको लेकर सारी दुनिया में तीनों धर्म के लोगों में प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। अब खुदा-गॉड या मनुष्य में से कौन पावरफुल होगा। इसका पता तो कुछ समय के बाद ही लगेगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1388: दिल्ली के सुल्तान फिरोज तुगलक शाह तृतीय का निधन, 1519: पुर्तगाली नाविक फडीनांड मैगेलान नयी दुनिया की खोज में निकला. 1857: ब्रिटिश सैनिकों ने दिल्ली पर पुनः कब्जा कर लिया. 1870: इटली का संपूर्ण एकीकरण हुआ. 1878: 'द हिंदू' समाचार पत्र साप्ताहिक के रूप में प्रकाशित हुआ. 1960: अफ्रीका के नव स्वतंत्र तेरह राष्ट्रों और साइप्रस ने राष्ट्रसंघ की सदस्यता ग्रहण की. 1963: अमरीकी राष्ट्रपति जान एफ केनेडी ने सोवियत संघ के साथ चांद के लिए संयुक्त अभियान का प्रस्ताव किया. 1974: हौंडरास में समुद्री तूफान से हजारों लोगों की मौत हो गयी. 1977: वियतनाम राष्ट्रसंघ का सदस्य बना. 1988: हैती में सेना में विद्रोह बड़े पैमाने पर भड़क उठा. 1989: भारतीय शांति सेना ने श्रीलंका में संघर्ष विराम की घोषणा की.

दैनिक पंचांग

20 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.34 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	07.49 बजे से
मंगल	तुला में	वृश्चिक	10.04 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.20 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	14.25 बजे से
शुक्र	सिंह में	कुंभ	16.11 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.44 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.15 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	20.55 बजे से
राहुकाल		मिथुन	22.53 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		कर्क	01.06 बजे से
		सिंह	03.22 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 263 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 00.17 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र मघा 08.06 बजे को समाप्त।
योग साध्य 20.07 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 11.54 बजे तदनन्तर शकुनि 00.17 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 05'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872473
जूलियन दिन 2460938.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 27
विशेष चतुर्दशी श्राद्ध।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

सबसे पहले अच्छे इंसान और सच्चे देशभक्त बनें, राज्यपाल ने बच्चों का किया आह्वान

राज्य ब्यूरो, रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राजभवन के बिरसा मंडप में आयोजित बच्चों से संवाद कार्यक्रम में कहा कि भारतीय सेना केवल हमारी सीमाओं की रक्षा ही नहीं करती, बल्कि हमारे सपनों और भविष्य की भी सुरक्षा करती है। हमारे वीर जवान विषम से विषम परिस्थितियों में भी देश की सुरक्षा में सदैव तत्पर रहते हैं। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वे जीवन में चाहे जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़ें, सैनिक, डाक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या वैज्ञानिक बनें, सबसे पहले अच्छे इंसान और सच्चे देशभक्त नागरिक बनें।

राज्यपाल ने 'आपरेशन सिंदूर' को केंद्र में रखकर स्कूली विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स का उल्लेख करते हुए कहा कि ये केवल चित्र नहीं हैं, बल्कि बच्चों के हृदय में बसे देशप्रेम और वीर जवानों के प्रति सम्मान का सजीव प्रतीक हैं।

जब ये चित्र हमारे वीर सैनिकों तक पहुंचेंगे तो उन्हें अपार प्रेरणा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं में सेना में जाने की गहरी अभिरुचि रही है। यह पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय है।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को अनुशासन, निरंतर अध्ययन और ऊंचे आदर्श अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि राष्ट्र का भविष्य इन्हीं बच्चों के हाथों में सुरक्षित है।

रक्षा राज्य मंत्री ने कहा, अधिक से अधिक बच्चे सेना से जुड़ें

कार्यक्रम में उपस्थित रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सेना द्वारा हाल के दिनों में रांची में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य है कि इनसे प्रेरणा लेकर अधिक से अधिक बच्चे सेना से जुड़ें। इसी उद्देश्य से पिछले वर्ष 卐नो योर आर्म्ड फोर्सेस卐 अभियान तथा इस वर्ष एयर शो का आयोजन भी किया गया। सांसद कला महोत्सव के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा आपरेशन सिंदूर पर बनाई गई पेंटिंग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें 36 विद्यालयों के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। पिछले 20–25 दिनों में विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स सशस्त्र बलों के साहस और शौर्य को नमन करने का जीवंत प्रतीक हैं। इस कार्यक्रम के तहत 175 स्कूलों के 50 हजार बच्चों तक पहुंचने की योजना है। उन्होंने उन सारी पेंटिंग्स को बॉर्डर पर भेजने की घोषणा की ताकि वहां तैनात सैनिक उन्हें देखकर गौरवान्वित महसूस करें। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल यशपाल सिंह एहलावत, रामचंद्र तिवारी, एयर मार्शल सूरज सिंह, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डा. नितिन मदन कुलकर्णी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के बाद राज्यपाल, रक्षा राज्यमंत्री तथा प्रमुख रक्षा अध्यक्ष बच्चों के पास पहुंचकर उनके द्वारा बनाई गई पेंटिंग की सराहना की तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं। तीनों ने बच्चों को गिफ्ट भी दिए। इस मौके पर बड़ी संख्या में अभिभावक तथा शिक्षक भी पहुंचे थे।

बिहार में कांग्रेस-आरजेडी गठबंधन हारेगी, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कसा तंज

रांची, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने गुरुवार को दावा किया कि आने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में कांग्रेस-आरजेडी गठबंधन को भारी हार का सामना करना पड़ेगा और एनडीए राज्य में सत्ता पुनः अपने हाथ में लेगा। अरुण सिंह ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस अगले 25-30 साल तक देश में अदृश्य रहेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बिहार में आगामी चुनावों में पूरी तरह से हार का सामना करना पड़ेगा। चूंकि आरजेडी कांग्रेस के साथ है, इसलिए उसे भी हार झेलनी पड़ेगी। एनडीए बिहार में भारी बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। अरुण सिंह ने राहुल गांधी पर संविधानिक संस्थाओं पर हमला करने का आरोप लगाया और कहा कि हाल ही के सभी चुनावों में लोगों ने कांग्रेस को खारिज कर दिया है।

उन्होंने झारखंड की जेएमएम सरकार पर भी आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य को 'जंगल राज' की ओर धकेल दिया है और अवैध रेत-माफिया और आतंकवाद से जुड़े लोगों को बढ़ावा दिया है। अरुण सिंह ने कहा कि कानून-व्यवस्था का हाल बिगड़ गया है। उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता सूर्य हंसदा के मारे जाने का जिक्र किया, जिन्होंने रेत-माफिया और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी।

सूर्य हंसदा को कई चुनावों में भाग लेने के साथ ही कई आपराधिक मामलों में वांछित भी था। उन्हें 10 अगस्त को देवघर के नवाडीह गांव से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार हथियारों की बरामदगी के दौरान हंसदा ने पुलिस पर हमला किया और जवाब में पुलिस ने उसे गोली मार दी। अरुण सिंह ने कहा कि झारखंड में विकास कार्य रुके हुए हैं और नक्सलवाद जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की कनेक्शन राज्य में बढ़ रही हैं। उन्होंने सरकार से कहा कि देशद्रोह करने वाले लोगों की पहचान करें और उन पर सख्त कार्रवाई करें।

सरायकेला में अवैध शराब फैक्ट्री पकड़ी गई, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जमशेदपुर, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिले की पुलिस ने चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के नीमडीह थाना अंतर्गत तेतलो गांव में अवैध मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। सूचना के बाद चांडिल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन हुआ। टीम ने छापेमारी कर फैक्ट्री का खुलासा किया और मौके से भारी मात्रा में नकली शराब व उपकरण जब्त किए। पुलिस ने बताया कि फैक्ट्री से नकली अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप, खाली बोतलें, नकली होलोग्राम, ढक्कन, केमिकल और शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण बरामद हुए हैं। मौके से दो आरोपी निरंजन गोराई और प्रकाश कुमार गुप्ता को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे आगामी दुर्गा पूजा में शराब की बढ़ती मांग का फायदा उठाने की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे नकली अंग्रेजी शराब तैयार कर चांडिल और नीमडीह क्षेत्र में खपाने की तैयारी कर रहे थे। पुलिस को संदेह है कि इस अवैध कारोबार में और भी लोग शामिल हैं। इसके मद्देनजर लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इस मामले में नीमडीह थाना कांड संख्या 53/2025 दर्ज कर ली गई है। रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत ने कहा कि दुर्गा पूजा जैसे पर्व के दौरान अवैध शराब का उत्पादन और बिक्री जनता की सेहत और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे इस तरह की किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस समय रहते कार्रवाई करेगी और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

पलामू, गढ़वा और चाईबासा समेत 7 जिलों में पेट्रोल के भाव 99 रुपए के पार

रांची, एजेंसी। झारखंड में पेट्रोल की कीमतें 7 जिलों में 99 रुपए प्रति लीटर से अधिक हो गयी है। राजधानी रांची उन जिलों में शामिल नहीं है, जहां पेट्रोल के भाव सबसे ज्यादा हैं, लेकिन बुधवार को यहां पेट्रोल की कीमतों में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई। राजधानी में एक लीटर पेट्रोल का भाव आज 84 पैसे बढ़कर 97।86 रुपए हो गया। गढ़वा, चतरा, गिरिडीह, लातेहार, पलामू, साहिबगंज और चाईबासा में पेट्रोल के भाव सबसे ज्यादा हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा कीमत गढ़वा, पलामू और चाईबासा में हैं। इन तीनों जिलों में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 99।60 रुपए रही। चतरा में 99।49 रुपए, गिरिडीह में 99।11 रुपए, लातेहार में 99।10 रुपए और साहिबगंज में 99।36 रुपए प्रति लीटर डीजल बुधवार को बिका। तेल कंपनियों ने जो रेट जारी किये हैं।

असम के 377 सिम कार्ड के साथ जामताड़ा से साइबर अपराधी अरेस्ट, फ्लाइट से जाता और ट्रेन से लौटता था अकबर हुसैन

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा साइबर थाने की पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। साइबर अपराधियों तक सिम कार्ड सप्लाई करने वाले को करमाटांड़ थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। इसका खुलासा बुधवार शाम को साइबर थाने में आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी राजकुमार मेहता ने किया। उन्होंने बताया कि साइबर पुलिस ने साइबर अपराध की रोकथाम को लेकर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने अकबर हुसैन के पास से 377 अवैध सिम कार्ड बरामद किया है। ये सभी सिम कार्ड असम के हैं, जिसे अकबर हुसैन ने ही फ्लाइट से जाकर लाया है और उसकी सप्लाई साइबर अपराधियों को करता है। एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि इस संदर्भ में उन्हें लगातार सूचना प्राप्त हो रही थी। साइबर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार महतो के नेतृत्व में टीम बनाकर काम किया जा रहा था। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर कर्माटांड़ थाना क्षेत्र के नावाडीह ग्राम में छापेमारी की गयी, जहां अकबर हुसैन नामक व्यक्ति के पास से 377 सिम कार्ड बरामद हुए। यह सिम कार्ड असम से मंगाए गए थे। अकबर हुसैन खुद लेकर आया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से असम की फ्लाइट का टिकट मिला है। इससे पता चला कि यह असम जाता है फ्लाइट से और आता है ट्रेन से। जामताड़ा एसपी ने कहा कि गिरफ्तार आरोपी सीधे तौर पर साइबर अपराध से जुड़ा हुआ है और सिम कार्ड सप्लाई का काम करता है। उसके पास से दो मोबाइल जब्त किए गए हैं। उसमें भी फर्जी सिम ही लगा हुआ पाया गया। तीन एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड और इंडिगो फ्लाइट की टिकट बरामद हुई है। लोकल मार्केट में यह ढाई हजार रुपए प्रति सिम बेचता है। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ पूर्व में भी साइबर थाने में मामला दर्ज है।

आपकी गाड़ी का हुआ है चालान तो ये मौका है बेहद खास, वर्ना होगी कार्रवाई, नोट कर लें ये तारीख

देवघर, एजेंसी। देवघर-मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) का पालन नहीं करने वालों पर देवघर जिला प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसके तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन मालिकों पर ऑनलाइन जुर्माना किया जा रहा है, लेकिन जुर्माने की राशि समय पर जमा नहीं की जा रही है। ऐसी स्थिति में जुर्माना वसूलना चुनौती बन गया है। इसे देखते हुए डीसी नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देश पर जिला परिवहन कार्यालय ने बकाया चालान जमा कराने के लिए दो दिवसीय विशेष कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया है। 24-25 सितंबर 2025 को थानों में विशेष कैंप लगेगा।

डीटीओ शैलेश प्रियदर्शी ने बताया कि मोटर वाहन अधिनियम-1988 का उल्लंघन करने के आरोप में जारी चालान अब तक जमा नहीं किये जाने से राज्य सरकार को राजस्व की क्षति हो रही है। ऐसे में लंबित चालानों की वसूली सुनिश्चित कराने के लिए 24 और 25 सितंबर को देवघर जिले के सभी थानों में विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए परिवहन विभाग के पदाधिकारियों और कर्मियों की प्रतिनियुक्ति भी कर दी गयी है।

डीटीओ ने कहा कि सभी वाहन मालिक निर्धारित तारीख को अपने-अपने थाना क्षेत्र में लगे कैंप में उपस्थित होकर लंबित चालान अवश्य जमा करें। यदि चालान समय पर जमा नहीं किया गया, तो विभागीय कार्रवाई की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेवारी वाहन मालिक की होगी।

देवघर जिले के नगर, कुंडा, जसीडीह, देवीपुर, सारवां, सोनारायठाढ़ी, मोहनपुर और रिखिया थाना क्षेत्रों के लिए एमवीआई विमल किशोर सिंह को प्रतिनियुक्त किया गया है। उनके सहयोग में सड़क सुरक्षा प्रबंधक शिव कुमार रॉय और कंप्यूटर ऑपरेटर संजीत कुमार सिंह रहेंगे। मधुपुर, करौं, बुढ़ई, मारगोमुंडा, पथरौल, सारठ, चितरा, खागा, पथरड्डा और पालोजोरी के लिए प्रशिक्षु एमवीआइ अमित कुमार झा, सुभाष तिग्गा और प्रथम कुमार रजवार को जिम्मेवारी दी गयी है। इनके सहयोग के लिए प्रविंद कुमार और अजय कुमार को प्रतिनियुक्त किया गया है।

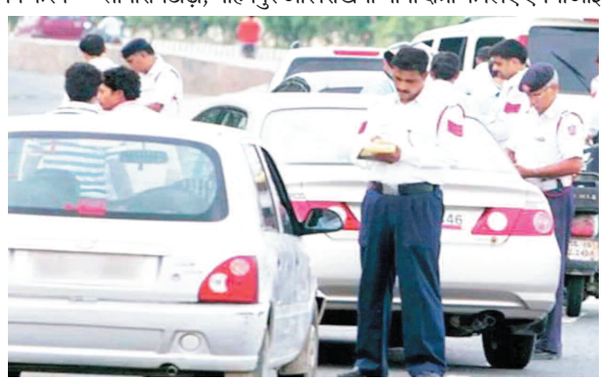

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा-गड़बड़ा गया है राहुल गांधी का दिमाग

रांची, एजेंसी। झारखंड दौरे पर आए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा है. भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान अरुण सिंह ने कहा कि राहुल गांधी का दिमाग थोड़ा गड़बड़ा गया है. उन्होंने राहुल गांधी को अपरिपक्व और कन्फ्यूज बताया. अरुण सिंह ने कहा कि अपने आपको बेताज बादशाह समझनेवाले राहुल गांधी को समझाने वाला कोई नहीं है. यही वजह है कि लगातार वो कई वर्षों से संवैधानिक संस्थाओं पर प्रहार कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि देश में अगर कोई सबसे अधिक झूठ बोलनेवाला व्यक्ति है तो वह हैं राहुल गांधी. इसलिए जनता उन्हें लगातार अस्वीकार कर रही है और हरा रही है, लेकिन यह उन्हें समझ में नहीं आ रहा है.

अरुण सिंह ने कहा कि अभी कांग्रेस जमीन पर है और यही हाल रहा तो 25-30 साल में राहुल गांधी के नेतृत्व में पाताल में चली जाएगी. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी रायबरेली से जीतते हैं. यही आप कर्नाटक और अन्य जगह हारते हैं तो वोट चोरी की बात करते हैं. उन्होंने कहा कि यह बात एक बड़ा झूठ है.

बिहार चुनाव में एनडीए की जीत का दावा: अरुण सिंह ने बिहार विधानसभा चुनाव में एक बार फिर एनडीए की जीत का दावा करते हुए कहा है कि वहां नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के सर्वमान्य चेहरा हैं और वही मुख्यमंत्री बनेंगे. सीटों को लेकर एनडीए में किसी तरह का मतभेद से इनकार करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि जल्द ही यह तय हो जाएगा.

भाजपा चलाएगी स्वदेशी अभियान : भारतीय जनता पार्टी ने 25 सितंबर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी की जयंती तक स्वदेशी अपनाओ आत्मनिर्भर भारत बनाओ अभियान चलाएगी. इस अभियान को व्यापक बनाने के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय महामंत्री और इस अभियान के प्रमुख अरुण सिंह ने पार्टी नेता और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की. जिसमें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र कुमार राय सहित पार्टी के कई पूर्व विधायक और पदाधिकारी मौजूद थे.
इस मौके पर अरुण सिंह ने कहा कि ऐसी वस्तुएं जिसमें देश के लोगों का पसीना लगा है और देश में वह निर्मित हुआ है उसे अपनाने के लिए जागरुकता अभियान चलाया जाएगा. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से आह्वान किया है कि गो वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का. इससे जहां एक तरफ रोजगार को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर देश आर्थिक रूप से मजबूत होकर और भी उभरेगा.
जीएसटी दरों में कटौती से लोगों को राहत : भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि जीएसटी की दरों में प्रधानमंत्री ने कटौती कर आम लोगों से जुड़ी वस्तुओं के दाम को कम करने का काम किया है. नई जीएसटी दरें 22 सितंबर से लागू हो जाएंगी और शैंपू, साबुन से लेकर आम उपभोक्ता से जुड़े सामानों के दामों में कमी दिखने लगेगी.

मुंबई की युवती को अश्लील तस्वीर के नाम पर किया ब्लैकमेल, आरोपी रांची से गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। मुंबई की एक युवती के साथ शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और निजी तस्वीरें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने वाले युवक को लालपुर इलाके स्थित एक स्पा सेंटर से गिरफ्तार किया गया है. महिला के द्वारा दर्ज जीरो एफआईआर पर यह कार्रवाई की गई है.

स्पा सेंटर से हुआ आरोपित गिरफ्तार

रांची की कोतवाली पुलिस और महिला थाना की संयुक्त टीम ने मुंबई की एक युवती को ब्लैकमेल कर यौन शोषण करने वाले आरोपित नदीम को लालपुर इलाके से गिरफ्तार कर लिया है. पीड़ित युवती ने बताया कि आरोपित नदीम ने एक साथ काम करने के दौरान उससे दोस्ती की फिर शादी का झांसा देकर उसके साथ यौन शोषण किया.

इसी दौरान नदीम ने पीड़िता की अश्लील तस्वीरें भी बना ली, जिसके आधार पर वो युवती को ब्लैकमेल कर उसका यौन शोषण करता था. रांची के कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद आरोपित नदीम को गिरफ्तार कर लिया गया है. आरोपित नदीम मूलरूप से झारखंड के गोमिया का रहने वाला है और फिलहाल रांची में ही रह रहा था. कोतवाली डीएसपी का कहना है कि पुलिस को जो शिकायत मिली है उसके आधार पर आरोपी को पकड़ा गया है. फिलहाल अनुसंधान किया जा रहा है.

अश्लील तस्वीरें दिखाकर करता था यौन शोषण

पीड़िता ने बताया कि नदीम और वह मुंबई में एक ही कंपनी में काम करते थे. इस दौरान दोनों के बीच दोस्ती हुई. दोनों एक साथ रहने लगे. इसी दौरान शादी का झांसा देकर युवती के साथ संबंध बनाया. जब युवती ने शादी का दबाव बनाया तो आरोपी भागकर रांची पहुंच गया. युवती ने नदीम से जब संपर्क किया तो उसने लड़की पर स्पा सेंटर में काम करने का दबाव देने लगा लेकिन लड़की ने स्पा सेंटर में काम करने से इनकार कर दिया.

हालांकि नदीम के पास लड़की की कुछ अश्लील तस्वीरें भी थीं, जिसको दिखाकर वह उसका यौन शोषण करता था. युवती ने पुलिस को बताया कि उन दोनों के बीच करीब पांच महीने से संबंध था. नदीम ने जब शादी करने से इनकार किया तो पीड़िता सीधे रांची पहुंची और कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को स्पा सेंटर से ही गिरफ्तार कर लिया.

प्रदेश में शुरू होगी डीपीएसई की पढ़ाई, सिलेबस को मिली मंजूरी, सचिव ने जारी किया नोटिफिकेशन

रांची, एजेंसी। झारखंड में भी डिप्लोमा इन प्री स्कूल एजुकेशन (डीपीएसई) की पढ़ाई शुरू होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत यह पाठ्यक्रम प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में डिप्लोमा (डीपीईसीई) के नाम से भी जाना जाएगा। यह दो वर्षीय पूर्णकालिक प्रोफेशनल डिप्लोमा पाठ्यक्रम है, जो प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा क्षेत्र के लिए शिक्षक-प्रशिक्षुओं को तैयार करने के लिए डिजाइन किया गया है।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा तैयार इस कोर्स के करिकुलम को मंजूरी प्रदान कर दी है।

विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने करिकुलम को स्वीकृति देते हुए प्राथमिक शिक्षा निदेशक को अधिसूचना जारी कर संस्थानों को संबद्धता प्रदान करने तथा झारखंड एकेडमिक काउंसिल को परीक्षा आयोजित करने से संबंधित आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

इस पाठ्यक्रम के लिए परीक्षा प्राधिकारी के रूप में झारखंड एकेडमिक काउंसिल को नामित किया गया है। संस्थानों को संबद्धता प्राथमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रदान की जाएगी। साथ ही एनसीटीई से मान्यता लेना अनिवार्य होगा। इस पाठ्यक्रम में नामांकन 12वीं कक्षा के बाद होगा।

इसमें नेशनल क्रेडिट फ्रेवमर्क के अनुसार कई क्रेडिट होंगे, जिनका उल्लेख भी करिकुलम में किया गया है। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद प्री स्कूल एजुकेशन जैसे नर्सरी, केजी या सरकारी स्कूलों में बाल वाटिका तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए शिक्षक नियुक्त हो सकेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत इन कक्षाओं के लिए शिक्षकों के पद सृजन किए जाने हैं। करिकुलम तैयार करने में अपनी भूमिका निभाने वाले

जेसीईआरटी के स्टेट रिसोर्स पर्सन मणिलाल साहू के अनुसार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा पर जोर दिया गया है। इसे ध्यान में रखकर ही एनसीईआरटी के निर्देश पर इस कोर्स को तैयार किया गया है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से मान्यता प्राप्त किसी भी संस्थान में इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम में अधिकतम 50 सीटों पर नामांकन होगा।

झारखंड में एक ही संस्थान, नहीं हो पा रही थी परीक्षा

झारखंड में यह कोर्स संचालित करनेवाला एकमात्र संस्थान गढ़वा में है, जिसे एनसीटीई से मान्यता मिली है। अब उक्त संस्थान को प्राथमिक शिक्षा निदेशालय से भी संबद्धता लेनी होगी। निदेशालय द्वारा अधिसूचना जारी होते ही अन्य संस्थान भी इस पाठ्यक्रम को शुरू कर सकेंगे। साथ ही सभी संस्थानों के लिए जैक परीक्षा आयोजित कर सकेगा।

बच्चों की हो गई मौज, नवरात्र में यहां हुई पूरे 9 दिनों की छुट्टियां

धनबाद, एजेंसी। नवरात्र 22 सितंबर से प्रारंभ हो रहा है। इसके साथ ही धनबाद पूजोत्सव में रंग जाएगा। निजी व सरकारी स्कूलों ने भी दुर्गा पूजा को लेकर अवकाश की घोषणा की दी है।

अधिकतर स्कूलों में 27 सितंबर से पांच अक्टूबर तक छुट्टी होगी। रविवार को लेकर स्कूलों में नौ दिनों का पूजा अवकाश होगा। सरकारी स्कूलों में सिर्फ चार दिन 29 सितंबर से दो अक्टूबर तक छुट्टी दी गई है।

आईसीएसई स्कूलों में 27 सितंबर से दो अक्टूबर तक छह दिन के अवकाश की घोषणा की गई है। अधिकतर निजी स्कूल छह अक्टूबर को खुल जाएंगे।

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में 28 सितंबर से तीन अक्टूबर तक पूजा अवकाश है। इसके साथ ही 22 सितंबर को कलश स्थापना की भी छुट्टी रहेगी।

शानदार कॅरियर बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स, मिलेगी मनचाही सफलता

अगर आप भी अपने कॅरियर में बहुत अच्छा करना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसी 5 चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके बहुत काम आएंगे।

हम सभी का सपना होता है कि हमारा कॅरियर अच्छा होता है। हालांकि इसके लिए अलग-अलग फैक्टर काम करते हैं। सिर्फ अकेले पढ़ाई से ही काम नहीं चल पाता है। जब आप कहीं इंटरव्यू देने जाते हैं, आपसे कुछ सवाल पूछे जाते हैं। वहीं आपको उन सभी सवालों के जवाब अच्छे से आते हैं, तो आपको नौकरी मिलने में दिक्कत नहीं आती है। वहीं अगर आपको उन सवालों के जवाब नहीं आते हैं, तो जॉब आपके हाथ से चली जाएगी। ऐसे में अगर आप भी अपने कॅरियर में बहुत अच्छा करना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऐसी 5 चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके बहुत काम आएंगे।

बता दें कि कॉन्फिडेंस एक ऐसी चीज होती है, जो फील्ड में काम आती है। फिर चाहे वह पर्सनल लाइफ हो या फिर प्रोफेशनल लाइफ हो। दोनों की हालातों में कॉन्फिडेंस का होना बेहद जरूरी है। अगर आपके पास योग्यता के साथ-साथ सेल्फ कॉन्फिडेंस है, तो आपको कोई हरा नहीं सकता है। इसलिए पढ़ाई के अलावा अलग-अलग एक्टिविटी का भी हिस्सा बनें। जिससे आपका कॉन्फिडेंस स्किल्स बढ़ता जाए। हालांकि यह हम सभी लोग जानते हैं कि कॅरियर बनाने में हमेशा नई-नई टेक्नोलॉजी की मांग होती रहती है। नई तकनीक पुरानी होने से पहले आपको उसके बारे में पूरी तरह से जान लेना चाहिए। साथ ही अपने ज्ञान को बढ़ाते रहना चाहिए। क्योंकि आप जितनी ज्यादा जानकारी रखेंगे, उतना ही आपके कॅरियर को फायदा मिलेगा।

कई लोग कॅरियर बनाने के कारण अपने परिवार से दूर होते जाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। क्योंकि हमें तनाव मुक्त होकर और खुश रहकर कॅरियर बनाने का प्रयास करना चाहिए।

नौकरी से जुड़ी जानकारी पाने के लिए आपका कॉन्टैक्ट में बने रहना चाहिए। जिससे आपको समय-समय पर कई तरह की जानकारी और कॅरियर बनाने के लिए अलग-अलग टॉपिक्स के बारे में जानकारी मिलती रहती है। इसलिए अपने कॉन्टैक्ट बढ़ाएं और लोगों से कॅरियर से संबंधित जानकारियां एकत्र करते रहें।

कॅरियर के मार्केट में खुद को कीमती समझें और पैसे से बिकने का प्रयास नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही अपने काम और टैलेंट पर भरोसा रखें और समय-समय पर अपनी योग्यताओं को लगातार डेवलप करते रहना चाहिए।

अगर आपके पास 40 लाख तक का बजट है, तो आप भारत में सीट मिलने का इंतजार करने के बजाय विदेशी यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस सीट बुक कर सकते हैं। क्योंकि विदेश की यूनिवर्सिटी में आवेदन करने के बाद पूरा प्रोसेस होने में 2-3 सप्ताह का समय लग जाता है।

विदेश में एमबीबीएस करने से पहले करें बजट प्लानिंग

जागरुकता की कमी के चलते लाखों की संख्या में ऐसे नीट अभ्यर्थी होते हैं, जो 500 या इससे कम स्कोर लाते हैं। इसके बाद भी वह काउंसिलिंग के लास्ट राउंड तक सीट मिलने का वेट करते हैं। लेकिन अगर आपके पास 40 लाख तक का बजट है, तो आप भारत में सीट मिलने का इंतजार करने के बजाय विदेशी यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस सीट बुक कर सकते हैं। क्योंकि विदेश की यूनिवर्सिटी में आवेदन करने के बाद पूरा प्रोसेस होने में करीब 2-3 सप्ताह का समय लग जाता है। ऐसे में आप बिना देर किए बेहतर विदेशी यूनिवर्सिटी चुनकर एमबीबीएस सीट के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको विदेश से एमबीबीएस करने में लगने वाले बजट के बारे में बताने जा रहे हैं।

कैसे करें विदेशी यूनिवर्सिटी का चुनाव

ट्यूशन फीस - 5 साल के लिए
एक साल बाद - वापसी के लिए टिकट
विदेश में रहने का खर्च
भोजन का खर्च
कपड़े या अन्य जरूरी एसेसरीज का खर्च

यदि आप रूस, चीन, कजाकिस्ता, जॉर्जिया, नेपाल, इजिप्ट और बांग्लादेश जैसे देशों से एमबीबीएस करने पर आपकी पढ़ाई से लेकर रहने, खाने और अन्य चीजों को मिलाकर कुल खर्च 25 से 30 लाख के बीच होगा।

मेडिकल सीट्स

इन देशों की तमाम यूनिवर्सिटी में करीब 16,000 मेडिकल सीट्स हैं। हर विश्वविद्यालय की ट्यूशन फीस अलग हो सकती है। ऐसे में स्टूडेंट्स एमबीबीएस के लिए एनएमसी के दिशा-निर्देशों को अच्छे से पढ़ व समझ लें। क्योंकि ये कार्यक्रम 54 महीने की अवधि के गैर-अनुपालन की वजह से भारत में मान्य नहीं हैं। आपका MBBS NMC निर्देशानुसार कम से कम 60 महीने का होना चाहिए।

ऐसे शॉर्टलिस्ट करें यूनिवर्सिटी

विदेश यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने से पहले आप पिछले 3 सालों की कटऑफ और विश्वविद्यालय की ट्यूशन फीस आदि देख सकते हैं। इसके साथ ही भारत के प्राइवेट यूनिवर्सिटी और डीम्ड यूनिवर्सिटी आदि की भी फीस देख सकते हैं। फिर आप अपने बजट, रैंक और ग्रेड के हिसाब से यूनिवर्सिटी चुन सकते हैं।

यूनिवर्सिटीज की ट्यूशन फीस का ऐसे करें भुगतान

फीस का भुगतान सीधे यूनिवर्सिटी के बैंक अकाउंट में करना चाहिए। विदेश से एमबीबीएस करने के लिए किसी एजेंट का सहारा न लें। क्योंकि इससे आप धोखाधड़ी का शिकार हो सकते हैं। आपकी फीस, हॉस्टल और आगमन का शुल्क बंटा होना चाहिए। अन्य सेवाओं के लिए उस देश में पहुंचने के बाद भुगतान करें। वहीं यूनिवर्सिटी द्वारा दिया गया बैंक अकाउंट आपको मिलता है। ऐसे में फीस सीधे उसी अकाउंट में भेजे।

बता दें कि रूस में 2 तरीकों से वार्षिक ट्यूशन फीस विश्वविद्यालय 2 पार्टी और 3 पार्टी अनुबंधों के तहत ली जाती है। 2 पार्टी अनुबंध के तहत यूनिवर्सिटी प्रवेश पत्र के मुताबिक ट्यूशन फीस अपने अकाउंट में जमा करवाता है। वहीं 3 पार्टी अनुबंध के तहत यूनिवर्सिटी एजेंट के जरिए ट्यूशन फीस वसूलती है।

पहले साल का बजट

ऐसे में अगर आप भी विदेश से एमबीबीएस की पढ़ाई करने का मन बना रहे हैं, तो पहले साल के खर्चों का बजट जैसे छात्रावास खर्च, आगमन के बाद की सेवाएं, ट्यूशन फीस, हवाई टिकट, वीजा, भारतीय भोजन पैकेज (अगर कोई हो), परामर्श शुल्क कोचिंग आदि तैयार रखें। पहले साल में आपका खर्च 8-10 लाख के बीच आता है। वहीं अगर कोई स्टूडेंट जॉर्जिया से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा है, तो पहले साल में 10-12 लाख रुपए की जरूरत होगी।

जरूरी टिप्स

- विदेशी यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस करने से पहले अपना बजट योजना अच्छे से तैयार कर लें। वहीं अकादमिक सत्र शुरू होने के पहले अप्लाई करें।
- रूस और जॉर्जिया की यूनिवर्सिटी में अक्तूबर महीने में आवेदन हो जाना चाहिए। वरना अगले साल के एमबीबीएस सीट दाखिला सत्र के लिए ट्रांसफर कर दिया जाएगा।
- एजेंट द्वारा एमबीबीएस सीट बुक करने के दौरान कभी भी 3 पार्टी समझौते पर हस्ताक्षर न करें। बल्कि सीधे यूनिवर्सिटी के बैंक अकाउंट में फीस जमा करें।
- विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज में जल्दी सीटें बुक हो जाती हैं, इसलिए आवेदन में देरी न करें।

पायलट बन चमकाएं कॅरियर

वर्तमान समय में एविएशन इंडस्ट्री में तेजी से ग्रोथ हो रही है। साथ ही इस फील्ड में अवसरों की भरमार है। ऐसे में आप इस फील्ड में कॅरियर बनाकर अपने भविष्य को एक नई दिशा दे सकते हैं।

अक्सर आसमान में उड़ते हवाई जहाज को देखकर लोगों के मन में आसमान मापने का सपना होता है। अधिकतर लोग पायलट बनकर आसमान में ऊंची उड़ान भरने का सपना देखते हैं। हालांकि आज के समय में कॅरियर के लिहाज से युवाओं के पास कई तरह के ऑप्शन होते हैं। जिसमें वह डिग्री, डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स कर आगे बढ़ सकते हैं। तो वहीं कई युवा ऐसे में हैं, जो पायलट बनने का ख्वाब देखते हैं। अगर आपका लक्ष्य क्लियर होता है, तो आपको सिर्फ इस ओर बढ़ने की जरूरत होती है। ऐसे में अगर आप भी पायलट बनकर अपना भविष्य चमकाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस फील्ड में बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

वर्तमान समय में एविएशन इंडस्ट्री में तेजी से ग्रोथ हो रही है। साथ ही इस फील्ड में अवसरों की भरमार है।

ऐसे करें पायलट बनने की तैयारी

पायलट बनने के लिए आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्य के साथ कम से कम 50 फीसदी अंको से पास होना चाहिए। जिसके बाद आपको किसी एविएशन संस्थान में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम पास करना होगा। फिर आपको इंटरव्यू और मेडिकल टेस्ट में पास होना होता है। सभी प्रोसेस में सफल होने के बाद संस्थान में एडमिशन मिलता है। जहां पर आपको प्लेन से जुड़ी बारीकियां सिखाने के साथ प्लेन उड़ाने की पूरी ट्रेनिंग दी जाएगी।

एयरफोर्स में बनें पायलट

अगर आप इंडियन एयरफोर्स में पायलट बनने का ख्वाब देख रहे हैं, तो आपको 12वीं पास करने के बाद एयरफोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट, एनसीसी स्पेशल एंट्री स्कीम एग्जाम और यूपीएससी एनडीए एग्जाम क्लियर करना होगा। जिसके बाद इंडियन एयरफोर्स कैंडिडेट्स को ट्रेनिंग देती है। वहीं इंडियन एयरफोर्स में पायलट बनने के लिए आप कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज एग्जाम भी दे सकते हैं। हालांकि इस एग्जाम के लिए आपको साइंस स्ट्रीम से 12वीं या फिर बीई/बीटेक की डिग्री होनी चाहिए।

कमर्शियल पायलट

बता दें कि 12वीं की पढ़ाई के बाद आप एविएशन संस्थान से ट्रेनिंग लेकर बतौर कॉमर्शियल पायलट अपना कॅरियर बना सकते हैं। इसके लिए ट्रेनिंग पीरियड 18-24 महीने का होता है। फिर कमर्शियल पायलट के लिए आपको रिटेन एग्जाम और फिटनेस टेस्ट देना होता है। इन दोनों चीजों को क्लीयर करने के बाद आपको कमर्शियल पायलट बनने की योग्यता हासिल हो जाती है।

पढ़ाई के साथ-साथ कनाडा में करें पार्ट टाइम जॉब, इन जॉब्स को करने से लाखों रुपये मिलेंगे

कनाडा में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों के लिए पढ़ने के साथ ही पार्ट टाइम जॉब करने के लिए आप ये जॉब्स जरुर कर सकते है। भारतीय छात्रों के लिए कनाडा में जॉब करना बेहद पॉपुलर है। इन जॉब्स की मदद से आप रोजमर्रा के खर्चों को पूरा कर सकते हैं।

अब्रॉड में पढ़ने की चाह कई लोग रखते हैं। ऐसे में कनाडा भारतीय छात्रों के लिए स्टाडी करने के लिए काफी पॉपुलर है। भारत के लाखों छात्र इस समय कनाडा में पढाई कर रहे हैं। कनाडा पढ़ाई के मामले मे बहुत ही खर्चा आता है। यहां महीने का खर्च के लगभग 1 लाख रुपये तक होता है। इसी कारण भारतीय छात्र यहां पर पार्ट टाइम जॉब करते हैं ताकि खर्चा निकल सके। आइए जानते है कनाडा में पार्ट टाइम जॉब्स के बारे में, जिन्हें करने से आपको लाखों रुपये तक सैलरी मिल सकती है।

एडमिनिस्ट्रेटिव क्लर्क

एडमिनिस्ट्रेटिव क्लर्क की जॉब में ऑफिस से जुड़े काम देखते हैं, जैसे कि रिपोर्ट बनाना, बयान तैयार करना, फोन कॉल या दस्तावेज तैयार करना। गौरतलब है कि यहां पर क्लर्क के तौर पर काम करना काफी आसान है। हर घंटे काम करने से सिर्फ आपको 22.50 डॉलर मिलेंगे (1367 रुपये) मिलेंगे।

टीचिंग असिस्टेंट

पढ़ाई के साथ-साथ अगर आप भी पार्ट टाइम जॉब करना चाहते हैं, तो टीचिंग असिस्टेंट के तौर पर काम करना बेहद आसान होता है। आपको इस प्रकार की नौकरी कैंपस के भीतर ही मिल जाती है और इसके लिए सिर्फ स्टूडेंट्स की भर्ती होती है। टीचिंग असिस्टेंट के तौर पर छात्रों को प्रोफेसर्स की रिसर्च जैसी चीजों में मदद करती है। इस पार्ट टाइम नौकरी में हर घंटे 25.48 डॉलर (1550 रुपये) दिए जाते हैं। इस तरह एक महीने में 1798 डॉलर (1.09 लाख रुपये) कमाएं जा सकते है।

ट्रांसलेटर

अगर आप भाषाओं का ज्ञान रखते हैं, तो उनके लिए ट्रांसलेटर की नौकरियां सबसे ठीक है। ट्रांसलेटर के तौर पर काम करना काफी फायदे का सौदा हो सकता है। ट्रांसलेटर की नौकरी के लिए हर घंटे 30.77 डॉलर मिलते हैं। अगर आप कोई छात्र एक महीने में 80 घंटे ट्रांसलेटर की जॉब करता है। तो वह 2461 डॉलर (1.49 लाख रुपये) कमा सकते है।

फ्रीलांसर

यदि आप कनाडा में फ्रीलांसर के तौर पर कार्य कर सकते है। ग्राफिक डिजाइनिंग, कंटेट राइटर, डिजिटल मार्केटिंग जैसे काम फ्रीलांसर के तौर पर आराम से कर सकते हैं। फ्रीलांसर तौर पर जॉब करने पर 23.51 डॉलर (1428 रुपये) कमाते हैं। एक महीने में 1880 डॉलर की कमाई की जा सकती है। भारतीय रुपये में बात करें तो आप महीने में 1.14 लाख रुपये कमा सकते हैं।

46 मिनट की पार्किंग के 500 रुपये !

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप नई दिल्ली रेलवे स्टेशन (अजमेरी गेट की तरफ) पर गाड़ी पार्क करते हैं तो आपको इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। यहां पार्किंग का चार्ज सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। दरअसल, हाल ही में एक शख्स को ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा। जब करीब 46 मिनट बाद अपनी गाड़ी लेने आए तो पार्किंग के बिल की पर्ची देख हैरान हो गए। पार्किंग वाले ने उन्हें 500 रुपये के चार्ज की पर्ची थमा दी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर इतने चार्ज का यह पहला मामला नहीं है। पहले भी ऐसे कई मामले आए हैं जब गाड़ी मालिकों से एक घंटे से भी कम समय के 500 रुपये लिए गए। इस मामले में कई बार गाड़ी वालों का पार्किंग वालों से विवाद भी हो गया है। काफी लोगों ने इस बारे में सोशल मीडिया के जरिए रेलवे से भी शिकायत की है। हालांकि इस मामले में रेलवे का भी जवाब आया है।
नोएडा के रहने वाले कन्हैया मिश्रा गुरुवार 16 सितंबर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन अपनी मां को गांव के लिए ट्रेन में बैठाने गए थे। वहां उन्होंने अजमेरी गेट की तरफ बनी पार्किंग में अपनी गाड़ी पार्क कर दी। जब वह करीब 46 मिनट बाद वापस गाड़ी लेकर जाने लगे तो पार्किंग वाले ने उन्हें 500 रुपये की पर्ची थमा दी। इतने ज्यादा चार्ज को लेकर उनका पार्किंग वाले के साथ कुछ विवाद भी हुआ, लेकिन अंतत- उन्हें 500 रुपये देने ही पड़े। ऐसा नहीं है कि अमन के साथ ही ऐसा हुआ है। इससे पहले भी यहां नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर गाड़ी पार्क करने वालों को एक घंटे से भी कम समय के 500 रुपये देने पड़े हैं। इस साल फरवरी में पूर्व पुलिस प्रमुख डीजी बीएसएफ प्रकाश सिंह के साथ भी कुछ ऐसा ही वाकया हुआ था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, आज प्रयागराज से लौटा हूं। मेरी कार नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मेरा इंतजार कर रही थी। बाहर निकलने पर हमें रुपये देने को कहा गया। 44 मिनट की पार्किंग के लिए टोल बूथ पर 500 रुपये मांगे गए। आश्चर्य है कि क्या यह पार्किंग शुल्क या चालान था या भारतीय रेलवे द्वारा अनुमोदित डकैती थी।

होटलों में खाना युवा पीढ़ी की जीवनशैली का अब हिस्सा, टियर-2 शहरों में बढ़ेंगे रेस्तरां

नई दिल्ली, एजेंसी। युवा पीढ़ी के लिए अब बाहर खाना कभी-कभार की बात नहीं रह गई है। यह एक जीवनशैली के रूप में बदल रहा है। इसलिए, टियर-2 शहरों में होटलों की वृद्धि होने की उम्मीद है। ग्रांट थॉर्नटन की रिपोर्ट के अनुसार, जेनरेशन जेड यानी 1995 से 2012 के बीच पैदा युवा इस समय तेजी से होटलों और रेस्तरां का रुख कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ता उपभोक्ता खर्च, अनुकूल लागत संरचना और बेहतर बुनियादी ढांचा टियर-2 शहरों को महानगरों का एक आकर्षक विकल्प बना रहे हैं। जेनरेशन जेड और मिलेनियल्स उपभोक्ता आधार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनके लिए होटल रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। औसत मासिक आय महानगरों के स्तर के करीब पहुंचने के साथ ग्राहक नए व्यंजनों और स्वरूपों के साथ प्रयोग कर रहे हैं। 72 फीसदी से ज्यादा उपभोक्ता विदेशी व्यंजनों को पसंद करते हैं। प्रयागराज, वाराणसी, पुरी और शिर्डी जैसे शहरों में न केवल श्रद्धालुओं की, बल्कि निवेशकों और आतिथ्य ब्रांडों की भी संख्या बढ़ रही है। ये शहर विश्वसनीय अनुभवों की जरूरत को पूरा कर रहे हैं।

स्कूल छोड़कर कम उम्र में संभाला कारोबार

आज 2300 करोड़ रूपये की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
किसी भी काम को करने के लिए उम्र जरूरी नहीं होती। जरूरी है तो हौसला। यह सच कर दिखाया है मिल्की मिस्ट के फाउंडर टी सतीश कुमार ने। महज 16 साल की उम्र में उन्होंने स्कूल छोड़कर डूबते हुए पारिवारिक दूध कारोबार को बचाने का जिम्मा उठाया और आज 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का साम्राज्य खड़ा कर दिया। अब उनकी कंपनी स्टॉक मार्केट में कदम रखने जा रही है।

सतीश कुमार की यात्रा1980 के दशक की शुरुआत में शुरू होती है, जब उनके पिता और चाचा एक छोटी पावर लूम यूनिट चला रहे थे। वह बिजनेस ज्यादा समय तक नहीं चला और तीन साल में बंद करना पड़ा। फिर उन्होंने दूध का बिजनेस शुरू किया। वे लोकल वेंडरों से दूध खरीदते थे, उसे ठंडा करते थे और लगभग 3,000 लीटर प्रतिदिन कैन में भरकर बेंगलुरु भेजते थे। वह भी सफल नहीं हुआ। उनके चाचा साल 1990 में गुजर गए और 1992 तक बिजनेस बंद हो गया।

16 साल की उम्र में संभाला कारोबार

उस समय सतीश सिर्फ 16 साल के थे। उन्होंने स्कूल छोड़ बिजनेस की दुनिया में कदम रख दिया। उन्होंने देखा था कि बेंगलुरु में उनके दूध के खरीदारों में से एक उनसे ही दूध खरीद कर उससे पनीर बनाता है और होटलों को बेचता था। बस यहीं से सतीश को आइडिया मिल गया। उसने भी ऐसा करने का फैसला किया। उस समय सिखाने के लिए कोई इंटरनेट नहीं था। इसलिए उन्होंने प्रयोग करके सीखा। उन्होंने दूध उबाला, उसमें सिरका डाला और तब तक प्रोसेस को रिफाइन किया जब तक उन्हें सही स्वाद और टेक्सचर नहीं मिल गया। साल 1993 में वह अपना पहला 10 किलो पनीर एक बैग में भरकर बेंगलुरु ले गए। जल्द ही वह होटलों को प्रतिदिन 50 से 100 किलो पनीर पहुंचाने लगे।

सिर्फ पनीर पर किया फोकस

साल 1995 तक उन्होंने लिक्विड दूध की सप्लाई बंद कर दी और पूरी तरह से पनीर पर फोकस किया। साल 1997 में उन्होंने चेन्नई, बेंगलुरु और कोयंबटूर में रिटेल मार्केट में प्रवेश किया। साल 2010 में वे मिल्की मिस्ट ब्रांड लेकर आए और अपना पहला टेलीविजन कमर्शियल लॉन्च किया। उसके बाद से कंपनी तेजी से बढ़ी।

अब कितना है टर्नओवर

साल 2015 में मिल्की मिस्ट में ज्यादातर काम मैन्युअल रूप से किया जाता था। उस समय उनका टर्नओवर लगभग 120 करोड़ रुपये था। आज यह 2300 करोड़ रुपये को पार कर गया है। आज उनके कैटलॉग में प्रोडक्ट की रेंज चौंका देने वाली है। कंपनी आज आइसक्रीम से लेकर डार्क चॉकलेट, वेफर चॉकलेट, बटर, चीज, दही, फ्रूट योगर्ट, घी, मिल्कशेक और यहां तक कि रेडी-टू-कुक प्रोडक्ट जैसे पिज्जा और डेसर्ट तक बनाती है।

आईपीओ की तैयारी

मिल्की मिस्ट आईपीओ के लिए तैयार है। एक ऐसा कदम जो इस होम-ग्रोन डेयरी ब्रांड को पूरी तरह से एक नई लीग में ले जाएगा। कंपनी 2,035 करोड़ रुपये के आईपीओ के साथ दलाल स्ट्रीट पर उतर रही है। इसमें 1,785 करोड़ रुपये का नया इश्यू और 250 करोड़ रुपये के प्रमोटर्स द्वारा ओएफएस शेयर जारी किए जाएंगे।

इससे कंपनी अपने 750 करोड़ रुपये के कर्ज का भुगतान करेगी। साथ ही 414.7 करोड़ रुपये से दही, क्रीम, चीज और मट्ठा के लिए प्लांट की क्षमता का विस्तार होगा। इसके अलावा कंपनी 129.4 करोड़ रुपये कोल्ड-चेन गियर में इस्तेमाल करेगी।

तकनीक आज की और कीमत 5 साल पुरानी !

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी स्ट्रक्चर में बदलाव करने के फैसले का सबसे बड़ा असर छोटी और एंट्री लेवल कारों पर दिख रहा है। टैक्स घटने के बाद मारुति सुजुकी, रेनॉ, टाटा और ह्यूंदै जैसी कंपनियों की बजट कारें पहले से ज्यादा किफायती हो गई हैं। इसका सीधा फायदा उन ग्राहकों को होगा जो पहली बार कार खरीदने की योजना बना रहे हैं। सबसे बड़ा धमाका तो मारुति सुजुकी की तरफ से हुआ है। कंपनी ने जीएसटी 2.0 का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाते हुए कीमतों में कमी का ऐलान किया है। इसमें भी एंट्री लेवल कारों में जबर्दस्त कमी आई है। मारुति की एस-प्रेसो कार की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 3.49 लाख रुपये हो गई है। मजेदार बात यह है कि यह कार 2019 में जब लॉन्च हुई थी तब इसकी शुरुआती कीमत 3.69 लाख रुपये थी। यानी इसे प्री- कोविड युग की कीमतों के भी नीचे पहुंचा दिया गया है। फेस्टिव सीजन के साथ कीमतों में इस भारी कमी के बाद लंबे समय से ठंडे पड़े एंट्री लेवल कारों के बाजार को नई जान मिल सकती है।

कितनी सस्ती हुई गाड़ियां: यह बदलाव न केवल मारुति के लिए बल्कि पूरे ऑटो सेक्टर के लिए गेम चेंजर साबित हो रहा है। टाटा, ह्यूंदै और रेनॉ जैसे कंपनियां जिनके पास लेवल कारें हैं उन सभी के लिए यह बेहतरीन मौके के तौर पर आया है। छोटी कारों की सेल्स में 20-30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो सकती है, जो अर्थव्यवस्था को बूस्ट भी देगी क्योंकि इससे वो ग्राहक मार्केट में लौट सकते हैं जो अभी तक कार खरीदने का प्लान ठंडे बस्ते में डालकर बैठे थे।

वोडा-आइडिया की गुहार सुनने को सुप्रीम कोर्ट तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम की लीडिंग कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड को बड़ी राहत दी है। दरअसल, कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया, जिसमें 2016-17 तक के लिए अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मांगों को रद्द करने की मांग की गई है। न्यायालय 26 सितंबर को मामले की सुनवाई करेगा। इस खबर के बाद वोडाफोन आइडिया के 9 रुपये से कम वाले शेयर पर निवेशक टूट पड़े और इसमें 12 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई। ट्रेडिंग के दौरान शेयर का भाव 8.82 रुपये पर पहुंच गया। एक दिन पहले इस शेयर की कीमत 8 रुपये से भी कम थी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने दूरसंचार कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर करने के बाद याचिका पर विचार के लिए अगले शुक्रवार की तारीख तय की। विधि अधिकारी ने कहा कि अब परिस्थितियां बदल गई हैं और संबंधित पक्ष समाधान खोजना चाहते हैं। कंपनी ने आठ सितंबर को एक नई याचिका दायर कर दूरसंचार विभाग (डॉट) को तीन फरवरी, 2020 के कटौती सत्यापन दिशानिर्देशों के अनुसार वित्त वर्ष 2016-17 तक के सभी एजीआर बकाया का व्यापक पुनर्मूल्यांकन करने का अनुरोध किया था।

कर संग्रह 9 फीसदी बढ़कर 10.82 लाख करोड़

● कंपनियों से अग्रिम कर वसूली में 6.11 फीसदी का उछाल ● प्रतिभूति लेनदेन कर से जुटाए गए 26,306 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी।
शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में सालाना आधार पर अब तक 9.18 फीसदी बढ़कर 10.82 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में यह संग्रह 9.91 लाख करोड़ रुपये था। कंपनियों से अग्रिम टैक्स वसूली में वृद्धि और रिफंड में गिरावट से शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह में तेजी आई है। इस अवधि में करदाताओं को जारी रिफंड 24 फीसदी घटकर 1.61 लाख करोड़ रुपये रह गया।

आयकर विभाग के बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, एक अप्रैल से 17 सितंबर के बीच सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह सालाना आधार पर 3.39 फीसदी बढ़कर 12.43 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इस अवधि में कॉरपोरेट यानी कंपनियों से अग्रिम कर वसूली 6.11 फीसदी बढ़कर 3.52 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। हालांकि, गैर-कॉरपोरेट से अग्रिम कर वसूली 7.30 फीसदी घटकर 96,784 करोड़ रुपये रह गई। शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह एक साल पहले की समान अवधि के 4.50 लाख करोड़ से बढ़कर 4.72 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में अब तक प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) के रूप में 26,306 करोड़ रुपये जुटाए गए। एक साल पहले की समान अवधि में एसटीटी 26,154 करोड़ रुपये रहा था। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर के रूप में 25.20 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है, जो सालाना आधार पर 12.7 फीसदी अधिक है। इस दौरान प्रतिभूतियों के लेनदेन से 78,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, अग्रिम कर की निकासी के चलते बैंकों में नकदी घटकर चार महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। इस कारण बैंकों को अब धन जुटाने के लिए विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे रोजाना के फाइनेंस की लागत भी बढ़ गई है। दरअसल, हर तिमाही के अंतिम महीने की 15 तारीख को कंपनियां अग्रिम कर भरती हैं।

कानूनी लड़ाई में अंबानी की रिलायंस को सबसे बड़ी चपत

● वकीलों की जेब में चले गए 62,146 करोड़ ! रूपये

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की कंपनियों का कानूनी खर्च पिछले वित्त वर्ष में 11 प्रतिशत बढ़कर 62,146 करोड़ हो गया। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज, कोफोर्ज, इन्फोसिस और लार्सन एंड टुब्रो सबसे ज्यादा खर्च करने वाली टॉप 5 कंपनियां रहीं। इंटीआइजी द्वारा टॉप 500 कंपनियों की सालाना रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। खर्च बढ़ने के कई कारण हैं। इसमें विदेशों में ज्यादा डील होना, विवादों को सुलझाने पर भारी खर्च और नियमों का पालन करने में ज्यादा लागत आना शामिल है।

फाइनेंशियल ईयर 2024 में निफ्टी 500 कंपनियों ने कानूनी मामलों पर 56,016 करोड़ (6.72 बिलियन) खर्च किए थे। इसमें से, मार्केट कैपिटल के हिसाब से टॉप 50 कंपनियों का खर्च सबसे ज्यादा था। डेटा बताता है कि फाइनेंशियल ईयर 2025 में निफ्टी 50 कंपनियों का कानूनी खर्च 10 प्रतिशत बढ़कर 20,640 करोड़ हो गया। लॉ फर्म ष्ठस्र्च्य लीगल के मैनेजिंग पार्टनर आनंद देसाई ने कहा, मुझे लगता है कि जब तक टेक्नोलॉजी का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं किया जाता, तब तक कानूनी खर्च बढ़ता रहेगा।

आमतौर पर कानूनी खर्च में मुकदमे और मध्यस्थता, पेशेवर फीस, नियामक फाइलिंग, जुर्माना और सामान्य स्टाम्प ड्यूटी जैसे खर्च शामिल होते हैं। एल एंड टी ग्रुप के ग्रुप जनरल काउंसिल हेमंत कुमार ने कहा कि भारत के बाहर मर्जर एंड एक्विजिशन और अन्य डील-मेकिंग गतिविधियों के कारण भारत की कंपनियों का कानूनी खर्च बढ़ गया। कानूनी खर्च के मामले में टॉप 5 सेक्टरों में फार्मास्युटिकल्स (10,776 करोड़), आईटी (9,520 करोड़), फाइनेंस (4,625 करोड़), तेल और गैस (4,126 करोड़) और कैपिटल गुड्स (3,870 करोड़) शामिल हैं।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमारे कानूनों और नियमों में स्थिरता होनी चाहिए और सरकार को ज्यादा से ज्यादा एक या दो अपील करनी चाहिए। फाइनेंशियल ईयर 2025 में सबसे ज्यादा कानूनी खर्च करने वाली टॉप 5 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 3,459 करोड़, सन फार्मास्युटिकल ने 3,261 करोड़, कोफोर्ज ने 1,664 करोड़, इन्फोसिस ने 1,655 करोड़ और एलएंडटी ने 1,615 करोड़ खर्च किए।

एक लाख के 90 लाख रुपये बनाने वाले शेयर में लगा अपर सर्किट

कभी 2 रुपये थी इसकी कीमत

ई दिल्ली, एजेंसी।
ल्टीबैगर स्टॉक जयके एंटरप्राइजेज लिमिटेड का यर आज यानी गुरुवार को 20 प्रतिशत के अपर र्किट तक पहुंच गया। यह शेयर बीएसई (बॉम्बे ॉक एक्सचेंज) पर 193 रुपये के उच्चतम स्तर र पहुंच गया। यह उछाल कंपनी की एक सहायक ंपनी, एलन रीइन्फोर्स्ड प्लास्टिक्स लिमिटेड को क बड़ा ऑर्डर मिलने के कारण आया। हालांकि ह 14.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 184.35 पये पर बंद हुआ।

एलन रीइन्फोर्स्ड प्लास्टिक्स लिमिटेड को ह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड से यह ऑर्डर ला है। जयके एंटरप्राइजेज ने स्टॉक एक्सचेंजों ो बताया कि यह ऑर्डर लगभग 94.45 करोड़ पये का है, जिसमें गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स भी ामिल है। कंपनी ने पहले 11 अगस्त को इस बारे एक लेटर ऑफ इंटेंट की घोषणा की थी। अब ह आर्डर में बदल गया है। जयके एंटरप्राइजेज हले भी निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे चुकी है।

भारत में पूरा होगा कॉन्ट्रैक्ट: कंपनी ने ताया कि यह कॉन्ट्रैक्ट भारत में ही पूरा किया ाएगा। इसे ब्रह्मोस एयरोस्पेस की शर्तों के अनुसार या जाएगा। जयके एंटरप्राइजेज ने यह भी साफ या कि ब्रह्मोस एयरोस्पेस में उसके प्रमोटर ग्रुप या प कंपनियों की कोई हिस्सेदारी नहीं है। जयके टरप्राइजेज लिमिटेड कंपनी निवेशकों को पहले भी

बेहतर रिटर्न दे चुकी है। 5 साल पहले इसके शेयर की कीमत करीब 2 रुपये थी। अब यह 193 रुपये पर पहुंच गया है। ऐसे में इसने 5 साल में निवेशकों को 8980 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। यानी 5 साल में यह शेयर एक लाख रुपये के निवेश को 90 लाख रुपये से ज्यादा में बदल चुका है।

क्या है कंपनी का काम: जयके एंटरप्राइजेज कई तरह के कारोबार करती है। यह हाई-प्रिसिजन, 3डी प्रिंटिंग और कंपोजिट मैन्युफैक्चरिंग में काम करती है। यह हेल्थकेयर, डिफेंस और एयरोस्पेस सेक्टरों को अपनी सेवाएं देती है। यानी यह कंपनी अलग-अलग तरह की चीजें बनाती है जो स्वास्थ्य, रक्षा और हवाई जहाज जैसे क्षेत्रों में काम आती हैं। कंपनी इंजीनियरिंग, डिजिटल प्रिंटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित समाधानों पर भी काम करती है। इसका लक्ष्य ऑटोमेशन और मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रियाओं को बेहतर बनाना है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को 131 लाख करोड़ की क्षति

नई दिल्ली, एजेंसी।
जलवायु परिवर्तन के कारण अगले 25 वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था को कम-से-कम 1.5 लाख करोड़ डॉलर (करीब 131 लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान उठाना पड़ सकता है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की तरफ से बृहस्पतिवार को जारी एक रिपोर्ट में खाद्य एवं कृषि, ढांचागत परिवेश निर्माण, स्वास्थ्य एवं देखभाल और बीमा क्षेत्रों पर जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल असर के आकलन के आधार पर यह अनुमान लगाया गया है।

उत्पादकता के स्तर पर होने वाले इस नुकसान के आकलन पर डब्ल्यूईएफ ने यह अध्ययन रिपोर्ट बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के साथ मिलकर तैयार की है। रिपोर्ट बताती है कि

इन क्षेत्रों पर भी दिखेगा असर

1.5 लाख करोड़ डॉलर का यह आर्थिक नुकसान तो केवल खाद्य एवं कृषि, ढांचागत परिवेश निर्माण, स्वास्थ्य एवं देखभाल जैसे तीन क्षेत्रों में ही हो सकता है। ऐसे में स्पष्ट है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर वास्तविक बोझ इससे कहीं अधिक हो सकता है। अध्ययन में कंपनियों से अपने कार्यबल की सेहत पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने, परिचालन में लचीलापन लाने और उत्पादकता सुरक्षा के लिए तात्कालिक तौर पर उपयुक्त कदम उठाने का आह्वान किया गया है ताकि जलवायु अनुकूलन का प्रबंधन किया जा सके। डब्ल्यूईएफ के प्रमुख (जलवायु जुझारूपन) एरिक व्हाइट ने कहा, कर्मचारियों के स्वास्थ्य की रक्षा अब कारोबारी निरंतरता और दीर्घकालिक मजबूती के लिए आवश्यक हो गई है। अनुकूलन में हर साल की देरी स्वास्थ्य और उत्पादकता का जोखिम बढ़ाती है तथा लागत भी बढ़ती है। रॉकफेलर फाउंडेशन के उपाध्यक्ष (स्वास्थ्य) नवीन राव ने कहा, तापमान बढ़ने से लाखों नौकरियां असुरक्षित होती जा रही हैं या फिर पूरी तरह खत्म होती जा रही हैं। इससे परिवार बेहद गरीबी की स्थिति में धकेले जा रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि जलवायु स्वास्थ्य अनुकूलन में जल्द निवेश करने वाली कंपनियां जोखिम घटाने के साथ नवाचार और विकास के नए अवसर भी हासिल कर सकती हैं।

अव्यवस्था के कारण बढ़ेंगे बीमा दावे

रिपोर्ट कहती है कि खाद्य एवं कृषि क्षेत्र में जलवायु जोखिमों की वजह से 740 अरब डॉलर तक का नुकसान वैश्विक खाद्य सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है, जबकि ढांचागत परिवेश निर्माण (घर, दफ्तर, पार्क आदि बनाने) में 570 अरब डॉलर और स्वास्थ्य क्षेत्र में 200 अरब डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। वहीं, बीमा उद्योग को जलवायु जोखिम के चलते स्वास्थ्य दावों में तेज बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है।

चाईना मास्टर्स

सिंधू चाइना मास्टर्स से बाहर, कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 38 मिनट में सीधे गेमों में हारीं

शेनझेन, एजेंसी। कोरिया के खिलाड़ी ने मैच में शानदार खेल दिखाया और पीछे मुड़कर नहीं देखा और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपना दबदबा बरकरार करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई।भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू का विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग के खिलाफ निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और वह शुक्रवार को यहां चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में इस कोरियाई खिलाड़ी से सीधे गेम में हार गई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली 23 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ 38 मिनट में 14-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू की आन के खिलाफ यह लगातार आठवीं हार थी। वह कोरिया की खिलाड़ी के खिलाफ अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाई हैं। सिंधू की शुरुआत खराब रही और वह पहले गेम में एक समय 1-6 से पीछे चल रही थीं, लेकिन बाद में उन्होंने स्कोर 5-9 कर लिया। आन ने हालांकि ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली। सिंधू 11-14 पर स्कोर को करीब लाने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी और पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधू ने कुछ देर के लिए 3-2 की बढ़त बना ली, लेकिन आन ने जल्द ही नियंत्रण हासिल कर लिया। भारतीय खिलाड़ी ने आक्रामक खेल से बढ़त बनाने की कोशिश की और एक समय वह 7-8 से पीछे चल रही थीं, लेकिन आन के बेहतरीन खेल और विविधता ने उन्हें ब्रेक तक 11-7 से आगे कर दिया।

इंडिया-ए-ऑस्ट्रेलिया-ए

देवदत्त पडिक्कल की धमाकेदार वापसी, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने भारत की ए टीम में वापसी करते हुए शतक लगा दिया. उन्होंने शुक्रवार को लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपना सातवां फर्स्ट क्लास शतक लगाया. गुरुवार के अपने 86 रन के स्कोर को आगे बढ़ते हुए पडिक्कल ने चौथे दिन यानी शुक्रवार की सुबह केवल 20 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. उनकी इस पारी से भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया ए की पहली पारी के 532/6 के विशाल स्कोर के करीब पहुंच. पडिक्कल ने इस दौरान अपने 3000 फर्स्ट क्लास रन भी पूरे किए. उन्होंने 74वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की. 25 साल के पडिक्कल मई के बाद से केवल अपना दूसरा प्रतिस्पर्धी मैच खेल रहे हैं. वह आईपीएल 2025 में चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा थे. पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ धर्मशाला में अपने टेस्ट डेब्यू पर अर्धशतक लगाने के बाद पडिक्कल 2024 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 केवल एक और मैच खेले थे. 23 गेंदों में जीरो पर आउट होने और दूसरी पारी में 25 रन बनाने के बाद पडिक्कल को बाकी मैचों की प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया था,

हाथ मिलाने पर नहीं क्रिकेट पर ध्यान दें

इंडिया-पाकिस्तान मैच कंट्रोवर्सी

हैंडशेक विवाद पर भड़के कपिल , पाक को दी नसीहत

दुबई, एजेंसी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें। एशिया कप 2025 के दौरान ग्रुप स्टेज में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा की तरह हाईवोल्टेज रहा। रविवार को दुबई में खेले गए मैच में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। हालांकि, मैच के बाद असली सुर्खियां टीम इंडिया के खिलाड़ियों के फैसले ने बटोरीं। भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाए बिना ड्रेसिंग रूम में लौट गई। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। पाकिस्तान ने तो इस पर विवाद खड़ा कर दिया। उसने आईसीसी तक से शिकायत कर दी। हालांकि, उन्हें ही आईसीसी से मुंह की खानी पड़ी। अब इस पूरे मामले पर भारत के दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि इन बयानबाजी से दूर रहकर क्रिकेट पर ध्यान दें।

पहलगाम हमले के बाद पहला मुकाबला

यह मुकाबला पहलगाम आतंकी हमले के बाद दोनों टीमों के बीच पहला मैच था। इस हमले के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया था। सूर्यकुमार यादव ने मैच के बाद जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया और कहा कि टीम पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों के साथ खड़ी है।

टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन

भारत ने इस मुकाबले में पहले गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को 127/9 के स्कोर पर रोक दिया। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर टीम को आराम से जीत दिलाई। यह भारत की ग्रुप स्टेज में लगातार दूसरी जीत थी। भारत और पाकिस्तान का सामना 21 सितंबर को फिर से होना है। सुपर-फोर स्टेज में यह मुकाबला खेला जाएगा।

कपिल देव का बयान

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कपिल देव ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पाकिस्तानी टीम या खिलाड़ियों को खेल पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा- ये सब छोटी-छोटी बातें हैं। ध्यान क्रिकेट खेलने पर होना चाहिए। अगर कोई हाथ नहीं मिलाना चाहता है तो इसे बड़ा मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। दोनों तरफ से बेवजह बयानबाजी करना ठीक नहीं है।

कपिल देव ने दी टीम इंडिया को बधाई

कपिल देव ने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, भारतीय टीम पिछले 20 वर्षों से बहुत अच्छा खेल रही है। हमारी क्रिकेट बहुत संगठित है और आईसीसी टूर्नामेंट्स में हमेशा शानदार प्रदर्शन करती है। मुझे पूरी उम्मीद है कि टीम इंडिया एशिया कप 2025 जीतेगी।

मैच रेफरी से पंगा लेना पाकिस्तान को पड़ेगा भारी...

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में पाकिस्तानी टीम खेल से ज्यादा दूसरी वजहों से सुर्खियां बटोर रही है. पाकिस्तानी टीम ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मुकाबले से पहले खूब नाटक किया. पाकिस्तान की ओर से मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की गई थी. इसे इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने खारिज किया था. फिर पाकिस्तान ने टूर्नामेंट से हट जाने की धमकी दी, लेकिन 70 मिनट में ही सरेंडर कर दिया और यूएई के खिलाफ मुकाबला खेलने उतरी. अब आईसीसी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी कर रही है. आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने पीसीबी को आधिकारिक रूप से एक ईमेल भेजा है. पाकिस्तानी टीम ने आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया, जिसका जिक्र इसमें किया गया है. आईसीसी पीसीबी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकती है.

एशिया कप खेल रहे इस क्रिकेटर के पिता का निधन... टूटा दुखों का पहाड़

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका ने अफगानिस्तान को छह विकेट से हराकर एशिया कप 2025 के सुपर-चार स्टेज में एंट्री ले ली. श्रीलंका के साथ-साथ ग्रुप-बी से बांग्लादेश भी अगले राउंड में पहुंच गया. जबकि अफगानिस्तान की टीम बाहर हो गई. ग्रुप-ए से भारत और पाकिस्तान की टीम्स पहले ही सुपर-चार स्टेज के लिए क्वालिफाई कर चुकी थी.

18 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में हुए इस मुकाबले के दौरान श्रीलंकाई स्पिनर दुनिथ वेलालगे के लिए मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह बेहद कठिन पल रहे. पहले तो 22 वर्षीय वेलालगे के आखिरी ओवर में मोहम्मद नबी ने लगातार पांच छक्के लगाए. वही मैच के बाद उन्हें काफी दुखद खबर मिली. दुनिथ वेलालगे के पिता सुरंगा वेलालगे का हार्ट अटैक से निधन हो गया. सुरंगा वेलालगे 54 साल के थे. मैच खत्म होने के बाद दुनिथ वेलालगे को ये दुखद खबर मिली. मैच के बाद टीम मैनेजर ने दुनिथ वेलालगे को सांत्वना दी. एक तस्वीर भी वायरल हुई जिसमें टीम मैनेजर वेलालगे को गले लगाकर ढांढस बंधा रहे हैं. सुरंगा वेलालगे खुद भी एक क्रिकेटर रहे थे. उन्होंने श्रीलंका की एक प्रमुख स्कूल टीम की कप्तानी की थी. जब सुरंगा प्रिंस ऑफ वेल्स कॉलेज के कप्तान थे, तब दूसरी तरफ श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर रसेल अर्नोल्ड सेंट पीटर्स कॉलेज की कप्तानी करते थे.

एशिया कप

श्रीलंका से 6 विकेट से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई अफगानिस्तान

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 के ग्रुप बी के आखिरी लीग मैच में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को हरा दिया। गुरुवार को शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मैच में कुसाल मेंडिस के बेहतरीन अर्धशतक के दम पर श्रीलंका ने 6 विकेट से मैच जीता। हार के साथ ही अफगानिस्तान एशिया कप 2025 से बाहर हो गई। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 22 के स्कोर पर पाथुम निसांका का विकेट खो दिया। अहम मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज कुसाल मेंडिस ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। वह 52 गेंद पर 10 चौके की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद रहे। मेंडिस को कुसाल परेरा (20 गेंद पर 28 रन), चरिथ असालंका (12 गेंद पर 17 रन) और कामिंदु मेंडिस (13 गेंद पर 26 रन) का अच्छा सहयोग मिला। श्रीलंका ने 18.4 ओवर में 4 विकेट पर 171 रन बनाए।

गांगुली, हरभजन, मोरे या फिर कोई चौंकाने वाला नाम? बीसीसीआई अध्यक्ष पर फैसला 20 सितंबर को

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड का अगला मुखिया कौन होगा, यह सवाल एक बार फिर सुर्खियों में है. औपचारिक चुनाव 28 सितंबर की एजीएम में होंगे, लेकिन असली फैसला 20 सितंबर की रात दिल्ली में होने वाली बैठक में निकलने की संभावना है.

भारतीय क्रिकेट में 28 सितंबर बड़ा दिन साबित हो सकता है, जब बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोल्ड) अपनी वार्षिक आम सभा में नए पदाधिकारियों का चुनाव करेगा. हालांकि असली फैसला उससे पहले ही हो जाने की उम्मीद है. सूत्रों के मुताबिक, 20 सितंबर की रात दिल्ली में होने वाली अहम बैठक में बीसीसीआई की अगली कमान किसे मिलेगी, इसका रास्ता साफ हो जाएगा.

अध्यक्ष के तौर पर रोजर बिन्नी का कार्यकाल जुलाई में उनके 70 वर्ष के होने पर समाप्त हो गया था. बिन्नी को अक्टूबर 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष नियुक्त किया गया था और बोर्ड के संविधान में इस पद के लिए 70 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित है. दिल्ली की बैठक में बीसीसीआई के भविष्य की तस्वीर तय की जाएगी. अबकी बार सौरव गांगुली का नाम चर्चा में है.

क्रिकेट खेलते-खेलते कैसे जैवलिन में भारत की शान बने सचिन? धोनी के शहर में पहली बार किया...

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड चैंपियनशिप में जो कमाल किया है, उसके बाद सचिन यादव का नाम अब जुबां से जाएगा नहीं. सचिन यादव भले ही मेडल नहीं जीत पाए लेकिन जो किया है, उससे जैवलिन में भारत की उम्मीदों की लौ को और रोशनी दे दी है. टोक्यो के जिस स्टेडियम में नीरज चोपड़ा ने साल 2020 में भारत को ओलंपिक का गोल्ड मेडल दिलाया था. उसी जगह पर 2025 में सचिन यादव ने देश का परचम बुलंद किया है. उन्होंने एक बार नहीं, दो बार नहीं बल्कि तीन बार इतनी दूर तक भाला फेंक दिया, जितनी दूर नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम जैसे चैंपियन भी नहीं फेंक पाए. हालांकि, बहुत कम ही लोग ये जानते होंगे सचिन यादव के जैवलिन थ्रोअर बनने की कहानी.

सचिन यादव को जैवलिन की ओर मोड़ने वाले उनके एक पड़ोसी और साथी संदीप यादव थे. उन्होंने ही सचिन को अपने गांव में एक दोस्ताना मैच के दौरान देखा था. जब संदीप ने सचिन को देखा तो वो गेंदबाजी कर रहे थे और उनकी स्पीड भी अच्छी थी. वो देख संदीप यादव इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने सचिन को भाला फेंकने की सलाह दी. उन्होंने सचिन से कहा था कि उनकी कद-काठी लंबी है और कंधे की स्पीड भी अच्छी है. ऐसे में उन्हें भाला फेंकना चाहिए. सचिन के मुताबिक शुरू-शुरू में तो संदीप यादव ने ही उन्हें प्रशिक्षण दिया. लेकिन, फिर उन्हीं की सलाह पर ही उन्होंने नई दिल्ली जाकर जैवलिन थ्रो के जाने-माने कोच नवल सिंह के अंदर ट्रेनिंग लेनी शुरू की.

चेन्नई ओपन 2025: श्रीलंका के एन थंगराजा शीर्ष पर पहुंचे

चेन्नई। श्रीलंका के एन. थंगराजा गुरुवार को यहां कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये इनामी चेन्नई ओपन 2025 के तीसरे राउंड में टूर्नामेंट के न्यूनतम स्कोर नौ अंडर 63 की बराबरी करते हुए लीडरबोर्ड में शीर्ष पर पहुंच गए। तीसरे राउंड को मूविंग डे के रूप में भी जाना जाता है। थंगराजा (69-66-63), जो मध्यांतर तक संयुक्त चौथे स्थान पर थे, ने तीसरे दिन अच्छी शुरुआत की और तीन स्थान ऊपर चढ़कर 18-अंडर 198 के स्कोर के साथ एक शॉट की बढ़त बना ली। पीजीटीआई में पांच बार विजेता रहे थंगराजा, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में अपनी आखिरी जीत हासिल की थी, अब दूसरे स्थान पर काबिज मनु गंडास के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू कर रहे हैं, जिन्होंने तीन साल पहले चेन्नई ओपन में पिछले दिन पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए थंगराजा को हराया था। यह प्रतियोगिता भी कॉस्मो टीएनजीएफ गोल्फ कोर्स में ही खेली गई थी। गुरुग्राम के मनु गंडास (66-68-65) ने त्रुटिरहित 65 का स्कोर बनाकर एक स्थान का सुधार किया और 17-अंडर 199 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। दिल्ली के शौर्य भट्टाचार्य (67-65-69) तीसरे दिन 69 का स्कोर बनाने के बाद 15-अंडर 201 के स्कोर के साथ एक स्थान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गए।

चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा, जो एक शॉट से आधे रास्ते पर आगे चल रहे थे, गुरुवार को 71 के अपने राउंड के बाद 14-अंडर 202 के स्कोर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर खिसक गए। अक्षय के साथ हनी बैसोया (66) संयुक्त चौथे स्थान पर रहे। इससे पहले, अधूरा दूसरा राउंड एक ओवर 145 के स्कोर के साथ पूरा हुआ। 57 पेशेवर खिलाड़ियों ने कट हासिल किया। इसके बाद स्थानीय समयानुसार सुबह 9:10 बजे से तीसरा राउंड फिर से शुरू हुआ। 44 वर्षीय कोलंबो निवासी एन. थंगराजा ने तीसरे दिन शानदार 63 का स्कोर बनाया, जिससे उन्होंने टूर्नामेंट के सबसे कम स्कोर की बराबरी कर ली, जो अक्षय शर्मा ने पहले राउंड में और अनंत सिंह अहलावत ने दूसरे राउंड में बनाया था। थंगराजा के राउंड में 16वें राउंड में एक ईगल, आठ बर्डी और एक बोगी शामिल थी। उन्होंने अपने आयरन और वेजेज का बेहतरीन इस्तेमाल किया, जिससे उन्हें चार टैप-इन मिले, एक ईगल के लिए और तीन बर्डी के लिए। दिन का उनका सबसे लंबा पुट पांचवें राउंड में 20 फुट का बर्डी रूपांतरण था। थंगराजा ने कहा, आज मेरे अप्रोच शॉट और वेज शॉट बिलकुल सही थे। पहले दो राउंड में मुझे अपनी पुट लगाने में थोड़ी दिक्कत हुई, लेकिन आज यह ज्यादा मजबूत था, हालांकि मैंने ज्यादा लंबे पुट नहीं लगाए। उन्होंने कहा, मैं इस स्थान से अच्छी तरह वाकिफ हूं और इस जगह पर अपने घर जैसा महसूस करता हूं, क्योंकि मैंने पहले भी यहां अच्छा प्रदर्शन किया है। तीन साल बाद एक ही जगह पर लीडर ग्रुप में मनु के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना बहुत अच्छा है। मैं इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं क्योंकि मैं अपने खेल को लेकर अच्छा महसूस कर रहा हूं, पिछले चार इवेंट्स में टॉप-15 में रहा हूं।

मैं नई चीजें आजमाता रहता हूं इस बार पैसे भी कमाऊंगा

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'निशानची' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। 'निशानची' के जरिए अनुराग एक बार फिर गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी एक एक्शन से भरपूर फैमिली ड्रामा लेकर आ रहे हैं, जिसमें जबरदस्त गैंगवॉर देखने को मिलेगी। अब अनुराग ने फिल्म में नए चेहरों को लेने, फिल्म की कास्टिंग और बॉक्स ऑफिस पर सफलता के उनके लिए मायने को लेकर बात की।

इस बार मैं पैसे कमाऊंगा

बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप से जावेद अख्तर द्वारा उनकी फिल्म 'मुक्काबाज' को लेकर की गई टिप्पणी पर सवाल किया गया। दरअसल, जावेद अख्तर ने अनुराग से पूछा था कि उन्होंने ऐसी फिल्म क्यों बनाई जिसका अंत कोई कमाई नहीं करेगा। अब इस टिप्पणी को लेकर अनुराग ने निशानची के बारे में कहा कि इस बार अंत ऐसा होगा जावेद साहब कि मैं पैसे कमाऊंगा।

मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं

अपनी फिल्म में नए कलाकारों को कास्ट करने के बारे में अनुराग ने कहा कि मैं सिर्फ प्रतिभा देखता हूं। क्या मैं उनमें किरदार देख सकता हूं, वे कितनी मेहनत कर रहे हैं और फिल्म के लिए कितना समय दे रहे हैं? बात सिर्फ इतनी नहीं है कि मैं किसी को मौका दे रहा हूं। मुख्य किरदार ढूंढ रहा हूं। अगर मैं 'निशानची' बना रहा हूं, तो मैं बबलू और डबलू को ढूंढ रहा हूं, मैं रिंकू को ढूंढ रहा हूं, मैं उनकी मां को ढूंढ रहा हूं। मैं अपने किरदारों को ढूंढ रहा हूं। मुझे यह उनमें मिला। मैंने उनके परिवारों से बात की और उनसे कहा कि मुझे इसे बनाने के लिए समय चाहिए होगा।

ऐश्वर्य ने काफी मेहनत की

ऐश्वर्य ठाकरे की तैयारी के बारे में अनुराग ने बताया कि ऐश्वर्य मुंबई से आते हैं, लेकिन उन्हें कनपुरिया बनना था। इसके लिए ऐश्वर्य ने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने मुझे चार साल दिए और फिर हमने फिल्म शुरू की। फिल्म मेकिंग को लेकर अनुराग ने कहा कि अगर आप सिर्फ अपने ही मसाले के साथ काम करते हैं, तो आप अप्रासंगिक हो सकते हैं। मैं भी दूसरों से सीखता हूं। मैं नई चीजें आजमाता रहता हूं और मैं अटकना नहीं चाहता। मैं फॉर्मूले और ऐसे लोगों से दूर रहता हूं जो मुझे नीचे गिराते हैं। 'निशानची' एक गैंगस्टर हार्टलैंड ड्रामा है। इसमें ऐश्वर्या ठाकरे जुड़वां भाइयों बबलू और डबलू की दोहरी भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिका में हैं।

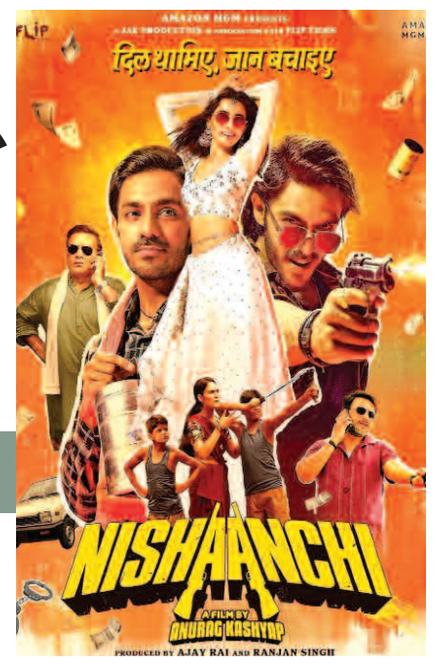

निर्माताओं को मैं विलेन ही लगता हूं

अपनी हालिया रिलीज फिल्मों 'इंस्पेक्टर जेंडे' और 'जुगनुमा- द फेबेल' को लेकर अभिनेता मनोज बाजपेयी चर्चाओं में बने हैं। अब अभिनेता ने खुद को टाइपकास्ट किए जाने पर और एक जैसे ही रोल मिलने पर बात की। साथ ही उन्होंने 'जुगनुमा- द फेबेल' की अपनी को-स्टार तिलोत्तमा शोम को भी लगातार एक जैसी ही किरदार दिए जाने पर अपनी राय रखी और नाराजगी जताई।

तिलोत्तमा शोम को टाइपकास्ट किए जाने पर जताई नाराजगी

बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने बताया कि निर्माता आमतौर पर सोचते हैं कि मैं केवल खलनायक की भूमिकाएं ही निभा सकता हूं। वहीं मानसून वेडिंग से अपने अभिनय करियर की शुरुआत के बाद तिलोत्तमा को नौकरानी की भूमिकाओं में टाइपकास्ट किए जाने के बारे में भी अभिनेता ने बात की। उन्होंने कहा कि मुझे वह बहुत खूबसूरत लगती हैं। उनके चेहरे में क्या समस्या है? यह किसी अभिनेता की गलती नहीं है। हमें यह समझने की जरूरत है। हर बार उन्हें नौकरानी के या एक जैसे ही किरदार दे दिए जाते हैं।

मेरी नजर में मैं बहुत सुंदर हूं

अभिनेता ने आगे कहा कि अगर मैं जैसा दिखता हूं, वैसा ही दिखता हूं तो यह मेरी गलती नहीं है। अगर कोई मेरे पास केवल खलनायक की भूमिकाएं लेकर आता है, तो यह मेरी गलती नहीं है। यह फिल्म निर्माता या मुझे यह भूमिकाएं देने वाले व्यक्ति की दूरदर्शिता की कमी है। मेरी नजर में, मैं बहुत सुंदर हूं, लेकिन वे स्टीरियोटाइप से इतने बंधे हुए हैं कि उन्हें लगता है कि मेरे जैसा व्यक्ति केवल विलेन ही बन सकता है। मुझे उनके मेरे बारे में विचार अपमानजनक नहीं लगते। बल्कि, मैं उन पर और फिल्मों और अभिनेताओं को देखने की उनकी सीमित क्षमता पर हंसता हूं। मैं वाकई सुंदर दिखता हूं। बस बात यह है कि वे मुझमें वह सुंदरता नहीं देख पाते।

वर्कफ्रंट की बात करें तो मनोज बाजपेयी हाल ही में 'इंस्पेक्टर जेंडे' और 'जुगनुमा - द फेबेल' में नजर आए हैं। ओटीटी पर रिलीज हुई 'इंस्पेक्टर जेंडे' को क्रिटिक्स ने सराहा काफी सराहा और लोगों को ये पसंद भी आई है। वहीं 'जुगनुमा - द फेबेल' को भी समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं।

बिग बॉस 19 से बाहर हुईं नतालिया ने खोले राज

बिग बॉस 19 के घर में तीन हफ्ते रहने के बाद हाल ही में एविक्ट हुईं पोलैंड की मॉडल नतालिया जानोसजेक ने बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने अपने अनुभव, घर के अंदर की दोस्ती, ड्रामा और खासकर तान्या मित्तल के लाइफस्टाइल और असली रूप को लेकर अपनी बेबाक राय साझा की।

बिग बॉस का सफर कैसा रहा?

सच कहूं तो ये मेरे जीवन का एक बेहतरीन एडवेंचर रहा। बिग बॉस जैसा शो इंडिया में सबसे बड़ा है और मुझे ये मौका देने के लिए चैनल का दिल से धन्यवाद। सलमान खान सर का भी आभार कि उन्होंने मुझे इस शो का हिस्सा बनाया। सब कुछ मेरे लिए नया था, फिर भी तीन हफ्तों का सफर बहुत मजेदार और स्पेशल रहा।

घर में जाने से पहले आपके मन में क्या था?

जब मैं शो में जा रही थी तब मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि अंदर क्या होगा। बस कुछ क्लिप्स देखी थीं और सुना था कि बहुत ड्रामा होता है। लोगों ने कहा था कि नाम भी बनेगा और साथ ही नफरत भी मिल सकती है। लेकिन मैं बिना किसी डर के गई। मन में था- चलो देखते हैं क्या होता है। घर के अंदर मुझे कई रोल निभाने पड़े, खासकर क्योंकि मैं हिंदी इतनी फ्लुएंट नहीं बोलती। समझ लेती हूं, पर बोलते वक्त थोड़ा झिझकती थी। बाहर आते वक्त थोड़ा अजीब लगा, क्योंकि मैंने सबके साथ अच्छे रिश्ते बनाए थे। मुझे पता था कि लोग मुझे वोट से बाहर करेंगे, पर ये महसूस करना कि मेरी वजह से नहीं बल्कि वोट की वजह से मैं गई, थोड़ी परेशान करने वाली बात थी। फिर भी मुझे लगता है कि मैंने अपना बेस्ट दिया, यही सबसे जरूरी है।

अगर मौका मिले तो दोबारा जॉइन करेंगी?

तीन हफ्ते ही काफी हैं। ये कोई आसान खेल नहीं है, खासकर मेरे जैसे विदेशी के लिए। फिनाले के बारे में जरूर सोचा, पर यहां टिकना ही बड़ी बात है। हां, थोड़ी उदासी भी है क्योंकि अपने परिवार से दूर रहना आसान नहीं था। लेकिन इस दौरान मैंने अच्छे रिश्ते बनाए, खूब मस्ती की, ड्रामा भी देखा और साथ में ग्रो भी किया। सच कहूं तो अगर दोबारा मौका मिला तो मैं जरूर देखना चाहूंगी। कुछ दोस्त अभी बन ही रहे थे, कुछ बातें अधूरी थीं। मन में ये सवाल भी है, अगर मैं रहती तो आगे क्या होता?

आपके करियर पर बिग बॉस का क्या असर पड़ेगा?

मैं चाहती हूं कि बिग बॉस मेरे लिए गेम चेंजर बने। मैं नहीं कह सकती कि मैं काफी थी या नहीं, ये दर्शक और मीडिया तय करें। आगे मेरे पास कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स हैं - 'मस्ती 4' में रितेश देशमुख के साथ और 2026 की शुरुआत में एक और फिल्म। साथ ही मैं म्यूजिक प्रोजेक्ट्स और आइटम नंबर पर भी काम कर रही हूं। टीवी शोज में भी दिलचस्पी है, जहां मैं सिर्फ ड्रामा नहीं बल्कि अपनी स्किल्स दिखा सकूं जैसे डांस, स्काइडाइविंग, स्नोबोर्डिंग या एडवेंचर स्पोर्ट्स। 'खतरों के खिलाड़ी' जैसा शो तो मेरे लिए परफेक्ट रहेगा।

आपके हिसाब से कौन सबसे स्मार्ट खेल रहा है?

मुझे लगता है कि मेरा दोस्त गौरव काफी समझदारी से खेल रहा है। ड्रामा में रहता है पर पूरी तरह उसमें उलझता नहीं। सब देखता है, बोलता है पर जरूरत से ज्यादा नहीं। ये बैलेंस रखना ही गेम है।

तान्या मित्तल के बारे में आपका क्या कहना है?

तान्या बहुत स्वीट है और पर्सनली काफी अच्छी है। कई बार तो वो मेरे लिए चीयरलीडर बन जाती थी। लेकिन अब बात ये है कि अंदर जो दिखता है वो असली है या बनावटी, ये तो बाहर आने के बाद ही पता चलेगा। तान्या कई बार अपने बड़े घर, पैसों और लाइफस्टाइल के किस्से सुनाती थी। सुनने में तो सब कुछ काफी ग्लैमरस लगता है, लेकिन मुझे पूरी तरह यकीन नहीं हुआ। कई बार लगता था जैसे वो खुद को बड़ा दिखाने की कोशिश कर रही हो। कहीं ऐसा तो नहीं कि शो में कैमरे के लिए वो अपनी लाइफ को ज्यादा रंगीन बना कर बता रही हो? मैं इंतजार कर रही हूं कि जब वो बाहर आए तो देखूं क्या सच में वो वैसी है जैसी खुद को दिखाती है। अगर बुलाकर अपने घर, लाइफस्टाइल और असलियत दिखाएगी तभी तो पता चलेगा कि वो असली है या बस शो का खेल। वरना फिलहाल तो मैं बस उसके बिहेवियर को देख रही हूं और दिमाग में एक ही सवाल घूम रहा है कि असली तान्या कौन है?

अमाल मलिक पर भड़कीं गौहर खान कुनिका का किया जिक्र

पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19 के घर में आए दिन किसी ना किसी प्रतियोगियों के बीच झड़प और कहासुनी होती रहती है। हाल ही में शो में दिखा कि अमाल मलिक और कुनिका सदानंद के बीच गहमागहमी हो गई थी। इसी मामले पर बिग बॉस 7 की विजेता और अभिनेत्री गौहर खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अमाल पर हमला बोला है।

थोड़ा तो ख्याल करो

गौहर खान ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'हां, वो बहुत नखरेबाज, अपने फैसलों को लेकर चिड़चिड़ी हैं। लेकिन मुझे बहुत बुरा लगता है कि ज्यादातर लोग कुनिका जी से कैसे बात करते हैं। वो 61 साल की हैं यार, थोड़ा तो ख्याल रखो टोन का। बिग बॉस 19 में अमाल जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते। अधिकार का पद जिम्मेदारी के साथ आता है।'

किस बात पर भिड़े थे अमाल-कुनिका?

इस समय बिग बॉस 19 में अमाल मलिक कैप्टन हैं। पिछले एपिसोड में अमाल और कुनिका सदानंद के बीच किचन के कामों को लेकर बहस हो गई थी। अमाल ने कुनिका को एक तरफ हट जाने और दूसरों को किचन संभालने देने को कहा, जिसके बाद दोनों के बीच बहस छिड़ गई। बाद में साथी प्रतियोगियों तान्या और नीलम ने कहा कि कुनिका अक्सर किसी के बीच में शामिल हो जाती हैं।

बिग बॉस 7 की विजेता रही हैं गौहर खान

आपको बताते चलें कि गौहर खान का बिग बॉस से जुड़ाव काफी पुराना है। अभिनेत्री बिग बॉस 7 की विजेता थीं। इसीलिए अक्सर उन्हें बिग बॉस को लेकर टिप्पणी करते देखा जाता है।

कल्कि 2898 एडी के सीक्वल से दीपिका पादुकोण बाहर

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल का इंतजार दर्शकों को लंबे समय से है। पहले कहा जा रहा था कि अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इसमें अपने रोल को आगे बढ़ाती दिखाई देंगी। इसी बीच, निर्माताओं ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी कि अब अभिनेत्री दीपिका पादुकोण फिल्म के सीक्वल का हिस्सा नहीं हैं। इसके पीछे उन्होंने तर्क दिया है कि यह सुपरहिट फिल्म प्रतिबद्धता और उससे भी अधिक की हकदार है। फिल्म की निर्माण कंपनी वैजयंती मूवीज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह घोषणा की। कंपनी ने पोस्ट में लिखा, यह आधिकारिक घोषणा की जाती है कि दीपिका पादुकोण अब 'कल्कि 2898 एडी' के आगामी सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगी। गहन विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है कि हम आगे साथ काम नहीं करेंगे। पहली फिल्म के लंबे सफर के बावजूद हमारी कोई स्थायी साझेदारी नहीं बन सकी। 'कल्कि 2898 एडी' जैसी फिल्में पूर्ण समर्पण और उससे भी अधिक प्रतिबद्धता की हकदार हैं। हम दीपिका को उनके भविष्य के प्रोजेक्ट्स के लिए शुभकामनाएं देते हैं। वहीं, इस फिल्म के सीक्वल की शूटिंग जारी है, कुछ समय पहले फिल्म के अभिनेता अमिताभ बच्चन ने इसकी जानकारी अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट में दी थी। 2024 में रिलीज हुई नाग अश्विन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी जैसे कलाकारों ने काम किया है।